10
अगस्त, 2026
सोमवार

नई दिल्ली
मूल्य : 01 रुपए
पृष्ठ : 08
वर्ष : 14
अंक : 130

RNI No. DELMUL/2012/47011

अनोखे अंदाज़ और निराले तेवर के साथ इन्साफ की डगर पर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

www.timesofpedia.com
Email : timesofpedia@gmail.com

वार्म-अप मैच के बीच शुभमन गिल की फिटनेस पर आई ताजा अपडेट 07

संक्षिप्त वार्ता

एस्ट्रोबेस ने पेश किया 800 किलो न्यूटन का एवरेस्ट इंजन

बेंगलुरु। बेंगलुरु की स्पेस टेक कंपनी एस्ट्रोबेस स्पेस टेक्नोलॉजीस ने भारतीय निजी अंतरिक्ष क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि का दावा करते हुए एवरेस्ट नाम का 800 किलो न्यूटन क्लास का रॉकेट इंजन पेश किया है। कंपनी के मुताबिक यह भारत में किसी निजी कंपनी द्वारा विकसित पहला हाई-थ्रस्ट फुल फ्लो स्टेज कंबस्चन (एफएफएससी) इंजन है। इसे भविष्य के रीयूजेबल रॉकेटों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

एवरेस्ट इंजन लिक्विड ऑक्सीजन और मीथेन को प्रणोदक के तौर पर इस्तेमाल करता है। इसकी सबसे महत्वपूर्ण तकनीकी विशेषता एफएफएससी तकनीक है, जिसे रॉकेट इंजन विकास के सबसे जटिल इंजीनियरिंग क्षेत्रों में गिना जाता है। इस तकनीक में ईंधन और ऑक्सीडाइजर को गैस अवस्था में पूरी तरह बदलकर कंबस्चन चैंबर तक पहुंचाया जाता है। इससे इंजन की दक्षता बढ़ाने और तापमान को बेहतर तरीके से नियंत्रित करने में मदद मिलती है। कंपनी के अनुसार इंजन को 50 से 110 फीसदी तक थ्रॉटल करने की क्षमता के साथ डिजाइन किया गया है।

जापान लंबी दूरी तक सटीक हमला करने वाली मिसाइल का कर रहा परीक्षण

टोक्यो। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बदलते सुरक्षा हालात के बीच जापान ने अपनी रक्षा नीति में बड़े बदलाव के संकेत दिए हैं। जापान अब लंबी दूरी तक सटीक हमला करने में सक्षम मिसाइल प्रणालियों का परीक्षण कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। सामरिक दृष्टि से इसका लाभ भारत को भी मिल सकता है, क्योंकि भारत और जापान के बीच रक्षा और रणनीतिक सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक जुलाई के अंतिम सप्ताह में जापान ने दो मिसाइल परीक्षण किए। पहले परीक्षण में जापान मैरीटाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स ने अमेरिकी नौसेना के सहयोग से प्रशांत महासागर में कोंगो श्रेणी के विध्वंसक पोत जेएस चोकाई से अमेरिकी टॉमहॉक क्रूज मिसाइल का सफल प्रक्षेपण किया।

ब्राजील में दर्दनाक हेलीकॉप्टर हादसा: चार की मौत, सुरक्षा पर उठे गंभीर सवाल

रियो डी जेनेरियो। ब्राजील के रियो डी जेनेरियो शहर में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जिसमें चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मरने वालों में हेलीकॉप्टर का पायलट और तीन कोलंबियाई महिलाएं शामिल थीं, जो तिजुका नेशनल पार्क के ऊपर दर्शनीय उड़ान पर थीं। यह क्षेत्र घने जंगलों और पहाड़ियों से घिरा है और पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। मृतक महिलाएं एक ही परिवार की थीं, जो एक लड़की का 15वां जन्मदिन मनाने रियो डी जेनेरियो आए थे। इस हादसे में लड़की की दादी, मौसी और चचेरी बहन की मौत हो गई। परिवार दो समूहों में बंटकर यह उड़ान ले रहा था, क्योंकि हेलीकॉप्टर में एक बार में केवल तीन लोग ही बैठ सकते थे। यह दुर्घटना तिजुका नेशनल पार्क के भीतर चिनेजा नामक पर्यटन स्थल के पास हुई। इस घटना के बाद रियो डी जेनेरियो के मेयर एडुआर्डो कैवेलिएरी ने हेलीकॉप्टर उड़ानों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि शहर में पर्यटकों के लिए हेलीकॉप्टर उड़ानों की संख्या लगातार बढ़ रही है, इसलिए इनकी निगरानी और सुरक्षा जांच को और अधिक कड़ा किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हर घर तिरंगा अभियान-तिरंगा यात्रा का किया शुभारंभ

प्रदेश में बनाए जाएंगे 10 नए एयरपोर्ट

वेब वार्ता, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हर घर तिरंगा अभियान - तिरंगा यात्रा का तात्या टोपे स्टेडियम भोपाल में शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टी. टी. नगर स्टेडियम में तिरंगा यात्रा आरंभ करने की विधिवत घोषणा की तथा तिरंगा यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इससे, पहले मुख्यमंत्री निवास पर तिरंगा लगाया और वे हर घर तिरंगा अभियान" के शुभारंभ के लिए मुख्यमंत्री निवास से तिरंगा लेकर रवाना हुए। मुख्यमंत्री निवास का समस्त स्टॉफ हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता के जयघोष के साथ मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में समत्व भवन तक पैदल पहुंचा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव निवास से मोटरसाइकिल पर तात्या टोपे स्टेडियम के लिए रवाना हुए। स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, वरिष्ठ विधायक एवं अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, विधायक श्री भगवानदास सबनानी, सांसद भोपाल श्री आलोक शर्मा, भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में टी.टी. नगर स्टेडियम से तिरंगा यात्रा आरंभ हुई। यात्रा में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे, एनसीसी कैडेट्स, स्वयं सेवी संगठनों के सदस्य, वरिष्ठ नागरिक, न्यू मार्केट और माता मंदिर

क्षेत्र के व्यापरी, और स्थानीय जन शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा स्टेडियम से महाराणा प्रताप लोक, टीन शेड, सांदीपनि विद्यालय टी.टी नगर पहुंची। यहां से मुख्यमंत्री डॉ. यादव मोटर साइकिल पर तिरंगा लेकर रवाना हुए और न्यू मार्केट, रोशनपुरा, पॉलिटेक्निक चौराहा होते हुए मुख्यमंत्री निवास पहुंचे। मार्ग में अलग-अलग स्थानों पर न्यू मार्केट व्यापार संरक्षण समिति सहित अन्य संस्थानों ने बैण्ड पर प्रस्तुत देशभक्ति धुनों के बीच पुष्प-वर्षा कर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत-अभिवादन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरी दुनिया बदलते दौर के भारत के सामर्थ्य का अनुभव कर रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी सभी वर्गों के कल्याण के लिए संकल्पित होकर आगे बढ़ रहे हैं। अमृतकाल@2047 के आते-आते भारत अपनी पूर्ण शक्ति के साथ जियो और जीने दो तथा वसुधैव कुटुंबकम् के ध्येय वाक्य के बलबूते पर अपने उद्दात विचारों के साथ विश्व का अग्रणी देश बने यही हमारी कामना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सर्वहारा वर्ग के कल्याण और देश के सभी नागरिकों की बेहतरीन के भाव के साथ हम आजादी का आनंद अपने उत्तरदायित्वों का पालन करें और यह कामना करें कि हमारी स्वतंत्रता चिर अमर रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हर घर तिरंगा अभियान और तिरंगा यात्रा में बच्चों, युवाओं, वरिष्ठजन और बहनों सहित समाज के सभी वर्गों से उत्साह-उमंग केसाथ शामिल होने का आव्हान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम देश की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हों और देश की सेवा भी करते रहें।

प्रदेश में 14 अगस्त तक चलेगा हर घर तिरंगा अभियान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर मीडिया से चर्चा में कहा कि आज ही के दिन 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन आरंभ हुआ था। महात्मा गांधी के आव्हान पर गुलामी के विरुद्ध आरंभ हुए इस निर्णायक संघर्ष ने अंग्रेजों की चूलें हिला दिला दी थीं। इस आंदोलन से विश्व ने भारत में आजादी की ललक देखी। देश की आजादी के लिए क्रांतिकारियों द्वारा दिए गए बलिदान और संघर्ष के साथ ही अहिंसक आंदोलन से पूरे देश में ज्वार उठा। इसी के परिणाम स्वरुप 5 सालों में ही अंग्रेजों को घोषित तिथि से पहले ही देश को आजादी देनी पड़ी। सभी स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान से ही भारत आजाद हुआ। "हर घर तिरंगा अभियान" सभी स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और बलिदान को स्मरण करने का अवसर है। यह अभियान आज 9 अगस्त से आरंभ होकर 14 अगस्त तक चलेगा। प्रदेश के हर गांव, वार्ड, कस्बे, से लेकर राजधानी तक तिरंगा यात्राएं निकाली जाएगी और अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां होंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से अपने घरों पर तिरंगा लगाने का आव्हान भी किया।

नहीं होगा थलापति विजय का तलाक: पत्नी संगीता ने वापस ली अर्जी

वेब वार्ता, चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और मशहूर अभिनेता थलपति विजय और उनकी पत्नी संगीता सोरनालिंगम के बीच जारी कानूनी विवाद का फिलहाल अंत हो गया है। संगीता ने चेन्नई के पास स्थित चेंगलपट्टू फैमिली कोर्ट से अपनी तलाक की अर्जी वापस ले ली है।

इस साल फरवरी में संगीता ने स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत कोर्ट में याचिका दायर की थी। अर्जी में उन्होंने आरोप लगाया था कि विजय का एक अभिनेत्री के साथ अफेयर चल रहा है, जिसकी जानकारी उन्हें 2021 में मिली थी। उन्होंने रिश्ते में भावनात्मक दूरी और अलगाव का हवाला दिया था। हालांकि, अब याचिका वापस लिए जाने के साथ ही इस हाई-प्रोफाइल मामले पर विराम लग गया है। विजय और संगीता की पहली मुलाकात 1990 के दशक में एक फिल्म की शूटिंग के दौरान हुई थी। परिवार की मंजूरी के बाद दोनों ने 1998 में यूनाइटेड किंगडम (यूके) में अपनी शादी रजिस्टर कराई थी। इसके बाद 25 अगस्त 1999 को चेन्नई में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह हुआ। दोनों के दो बच्चे—बेटा जेसन संजय और बेटी दिव्या साशा हैं। एक इंटरव्यू का जिक्र करते हुए विजय ने कहा था कि यह लव मैरिज नहीं थी। उन्होंने बताया, मैंने शादी के लिए कभी अपने माता-पिता की मर्जी के खिलाफ काम नहीं किया। मैंने उसी महिला से शादी की जिसे मेरे माता-पिता ने मेरे लिए चुना था। मैं हमेशा फैंस से भी कहता हूं कि अपने माता-पिता द्वारा चुने गए साथी को अपनाएं, जिंदगी खूबसूरत होगी।

अफेयर के दावों के बीच कोर्ट में खत्म हुआ केस

माता-पिता की मर्जी से की थी शादी

मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि कारसेवा का शंखनाद

चित्रगुप्त पीठ में हवन-पूजन शुरू

वेब वार्ता, मथुरा। राधाकुंड क्षेत्र के जुल्हेंदी स्थित चित्रगुप्त पीठ में रविवार को श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर निर्माण के लिए प्रस्तावित कारसेवा को लेकर हवन-पूजन शुरू हो गया। हवन के बाद साधु-संतों की बैठक होगी और कारसेवा का शंखनाद किया जाएगा। कार्यक्रम को देखते हुए पुलिस-प्रशासन अलर्ट है और चित्रगुप्त पीठ के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

13 अखाड़ों के साधु-संतों की बैठक के बाद तय होगी आगे की रणनीति, पुलिस-प्रशासन ने बढ़ाई सुरक्षा

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर निर्माण के उद्देश्य से भरतपुर के बंसीपहाड़पुर से मंगाए गए गुलाबी पत्थरों की पहली खेप शुक्रवार देर रात मथुरा पहुंची थी। इन पत्थरों से अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण किया गया है। चित्रगुप्तपीठाधीश्वर स्वामी सच्चिदानंद महाराज ने इन पत्थरों को मंगवाया है। उन्होंने 9 अगस्त को आश्रम से विधिवत कारसेवा की घोषणा करने की बात कही थी। कार्यक्रम में 13 अखाड़ों के साधु-संतों के शामिल होने की बात कही गई है।

स्वामी सच्चिदानंद के अनुसार, श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण के लिए करीब 5,000 मीट्रिक टन गुलाबी पत्थरों का ऑर्डर दिया गया है। उन्होंने 4 जुलाई को अयोध्या आंदोलन की तर्ज पर श्रीकृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति के लिए कारसेवा का एलान किया था। इसके बाद 12 जुलाई को हरिद्वार स्थित वात्सल्य गंगा आश्रम में साध्वी ऋतंभरा से मुलाकात कर समर्थन मांगा था। रविवार के कार्यक्रम में शिला पूजन और कारसेवा के शंखनाद पर विशेष जोर है। इसके बाद साधु-संत बैठक कर आगे की रणनीति पर मंथन करेंगे। स्वामी सच्चिदानंद ने बताया कि पत्थरों की दूसरी खेप फिलहाल रोक दी गई है।

बारामती एयरस्ट्रिप के पास निजी कंपनी का ट्रेनर विमान क्रैश

पायलट सुरक्षित, किसी के हताहत होने की खबर नहीं

वेब वार्ता, पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले में रविवार को बारामती एयरस्ट्रिप के पास एक निजी कंपनी का ट्रेनर एयरक्राफ्ट दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसा दोपहर करीब 12:30 बजे हुआ। राहत की बात यह रही कि दुर्घटना में विमान में सवार पायलट सुरक्षित बताया जा रहा है और उसे कोई गंभीर चोट नहीं आई। हादसे में किसी अन्य व्यक्ति के हताहत होने की भी सूचना नहीं है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मीडिया को बताया कि ट्रेनर विमान एयरस्ट्रिप के नजदीक दुर्घटनाग्रस्त हुआ। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। हादसे के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है। पुलिस के मुताबिक, दुर्घटना की वजह विमान में तकनीकी खराबी समेत कई अन्य

संभावित कारण हो सकते हैं, जो जांच का विषय है। फिलहाल यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि विमान उड़ान के दौरान किसी तकनीकी समस्या का शिकार हुआ था या फिर किसी अन्य वजह से दुर्घटना हुई। एक अन्य अधिकारी ने मीडिया से कहा कि फिलहाल हादसे के कारणों को लेकर किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। जांच पूरी होने के बाद ही दुर्घटना की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। घटना में पायलट के सुरक्षित होने और किसी अन्य के हताहत नहीं होने से प्रशासन ने राहत की सांस ली है। विमान हादसे की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

राहुल गांधी ने छात्र का बढ़ाया हौसला: मैं भी नर्वस था कहकर जीता दिल

प्रयागराज। सोशल मीडिया पर इन दिनों कांग्रेस नेता राहुल गांधी का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे प्रयागराज में आयोजित कार्यक्रम में मंच पर घबराए हुए एक छात्र का आत्मविश्वास बढ़ाते दिख रहे हैं। छात्रों की गूंज नामक कार्यक्रम में राहुल गांधी ने छात्र को सहज महसूस कराने की कोशिश की, जिसकी खूब सराहना हो रही है।

अमरनाथ यात्रा का अंतिम पड़ाव: छड़ी मुबारक की भव्य यात्रा और समापन की तैयारी

जम्मू। श्री अमरनाथ यात्रा अपने अंतिम चरण में प्रवेश कर रही है, जिसका मुख्य आकर्षण अब भगवान शिव की पवित्र छड़ी मुबारक की अनुष्ठानिक यात्रा होगी। यह आध्यात्मिक यात्रा गुरुवार से शुरू होकर हिमालय में स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा तक जाएगी और 28 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा के मौके पर संपन्न होगी। अब तक चार लाख 80 हजार से अधिक श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं।

नासिक में 4.3 तीव्रता के झटके, मकानों की दीवारों में दरारें

वेब वार्ता, नासिक। महाराष्ट्र के नासिक जिले में शनिवार रात 4.3 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया, जिससे कई इलाकों में मकानों की दीवारों में दरारें पड़ गईं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, यह झटका रात 10 बजे आया, जिसके बाद रविवार सुबह 5 बजकर 33 मिनट पर 3.3 तीव्रता का एक और झटका महसूस हुआ। भूकंप का केंद्र महाराष्ट्र-गुजरात सीमा के पास भनवड इलाके में पांच किलोमीटर की गहराई पर था। इन झटकों के कारण नासिक शहर सहित सुरगाणा और दिंडोरी तहसीलों के कुछ गांवों में मकानों की दीवारों में दरारें पड़ गईं, जिससे लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, अधिकारियों ने किसी भी प्रकार की जनहानि की पुष्टि नहीं की है। नासिक जिला प्रशासन

ने बताया कि क्षेत्र के बांधों का भी निरीक्षण किया गया है, जिसमें कोई नुकसान नहीं सामने आया है। जिलाधिकारी ने लोगों से न घबराने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील कर सतर्क रहने को कहा है।

महाकाल दर्शन कर गुजरात लौट रहे 6 युवकों की सड़क हादसे में मौत

धार-उज्जैन फोरलेन पर रॉन्ग साइड से आ रहे ट्रॉले ने ईको वैन को मारी टक्कर

वेब वार्ता, धार

धार-उज्जैन फोरलेन पर ग्राम पंचकवासा के पास रविवार दोपहर करीब 1 बजे भीषण सड़क हादसे में गुजरात के वडोदरा से आए छह युवकों की मौत हो गई। सभी युवक उज्जैन में महाकाल मंदिर के दर्शन करने के बाद मारुति ईको वैन (जीजे 17 सीके 6134) से गुजरात लौट रहे थे। हादसे में एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसका अस्पताल में उपचार जारी है।

पुलिस के अनुसार, बदनावर-उज्जैन फोरलेन पर लोहे के सामान से भरा ट्रॉला (जीजे 39 डीबी 9248) कथित तौर पर रॉन्ग साइड से तेज रफ्तार में उज्जैन की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही ईको वैन से उसकी आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ईको वैन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें

सवार छह युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रॉला चालक मौके से फरार हो गया।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही बदनावर टीआई अमित सिंह कुशवाह, तहसीलदार सुरेश नागर और एसडीएम प्रियंका मिमरोद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय ग्रामीणों और पुलिसकर्मियों ने कार की खिड़की का कांच तोड़कर काफी मशक्कत के बाद मृतकों के शव और घायल युवक को बाहर निकाला।

गंभीर रूप से घायल युवक को एंबुलेंस से बदनावर सिविल अस्पताल भेजा गया। मृतकों के शव पंचनामा कार्रवाई के बाद अस्पताल के शवगृह में रखवाए गए हैं, जहां पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

पुलिस ने मृतकों की पहचान कर गुजरात में उनके परिजनों को हादसे की सूचना दे दी है। फरार ट्रॉला चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई है।

आरक्षण केवल आर्थिक लाभ नहीं, सामाजिक समानता का अधिकार: मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने आरक्षण के मुद्दे पर कहा है कि देश में बहुजन समाज, विशेषकर एससी-एसटी और ओबीसी वर्गों के लिए आरक्षण महज आर्थिक लाभ का माध्यम नहीं है। यह सामाजिक परिवर्तन, सम्मान और समानता से जुड़ा संवेदनशील विषय है। उन्होंने एससी-एसटी वर्ग को आरक्षण के लाभ से जोड़ते हुए क्रीमी लेयर की व्यवस्था लागू करने की चर्चा को अनुचित बताया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में मायावती ने कहा कि एससी-एसटी समाज ने सदियों तक जातिगत भेदभाव, शोषण और सामाजिक उपेक्षा का सामना किया है। ऐसे में उनके लिए आरक्षण आज भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि देश में जातिगत भेदभाव और अत्याचार पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं, इसलिए आरक्षण को केवल किसी व्यक्ति या परिवार की आर्थिक स्थिति के आधार पर नहीं देखा जाना चाहिए। मायावती ने आरएसएस प्रमुख के उस कथित बयान पर भी प्रतिक्रिया दी, जिसमें आरक्षण के राजनीतिकरण से समाज में कड़वाहट पैदा होने की बात कही गई थी और आरक्षण का लाभ लेने वालों से स्वेच्छा से लाभ छोड़ने की अपील की गई थी।

संपादकीय

जेन जी से संवाद

सरसंघचालक मोहन भागवत ने जेन जी और जेन अल्फा के करीब 2000 छात्रों, युवाओं से संवाद किया अथवा बातचीत करनी पड़ी, क्योंकि इस पीढ़ी के रुझान, प्रतिबद्धताएं और राजनीतिक मानस तेजी से बदल रहे हैं। यह कहना चाहिए कि अब जेन जी सबसे अहम राष्ट्रीय मुद्दा और सरोकार है। जो सत्ता में हैं अथवा सत्ता हासिल करने की इच्छा रखते हैं या प्रभावशाली जमात हैं, उन्हें सचेत हो जाना चाहिए, क्योंकि जेन जी ने करवट बदलना और आंदोलनकारी विरोध करना सीख लिया है। उसका विरोध अब स्कूलों में दोपहर के भोजन की गुणवत्ता संवार रहा है, पर्याप्त अध्यापकों की तुरंत नियुक्तियां की जा रही हैं, बाथरूम की बेहतर व्यवस्था की जा रही है और कक्षा में पंखों का बंदोबस्त करना पड़ा है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के चुनाव क्षेत्र विदिशा में जिस तरह स्कूली बच्चों को जान जोखिम में डाल कर नदी पार करनी पड़ती थी, उस पर भी मप्र सरकार की आंख खुल गई है और समस्या का संज्ञान लेकर समाधान किया जा रहा है। जेन जी की जो पीढ़ी आज किशोर है, वह 2029 के लोकसभा चुनाव तक बालिग होकर मतदाता बन जाएगी। यह संख्या 38-40 करोड़ बताई जा रही है। वह किसी भी पक्ष के जनादेश को पलटने की कूवत रखने की स्थिति में होगी, लिहाजा सरसंघचालक को हस्तक्षेप कर संवाद की शुरूआत करनी पड़ी है। हालांकि आरएसएस के सरोकार राजनीतिक नहीं होते, वह सामाजिक उत्थान, परिवर्तन के लिए काम करता रहा है, लेकिन भाजपा के प्रति उसका समर्थन और उसकी सक्रियता किसी से छिपी भी नहीं है। संघ प्रमुख भागवत ने माना है कि जेन जी का गुस्सा जायज है, वे अपने ही लोग हैं, हमारी पीढ़ी से अधिक देशभक्त और ईमानदार हैं, लिहाजा उनसे बराबर संवाद किया जाना चाहिए। उनका आंदोलन देश-विरोधी नहीं है, बल्कि यह भी संवाद और सहमति का एक तरीका है। बेशक शिक्षा सभी के लिए सुलभ हो और जीडीपी का 6 फीसदी शिक्षा पर खर्च किया जाना चाहिए। भागवत ने यह सवाल भी किया कि दिल्ली में आंदोलनकारी छात्रों, युवाओं पर पैलेट गन क्यों चलाई गई? सरसंघचालक ने अपने ही सहयोगी एवं आरएसएस के सह-सरकार्यवाह (संयुक्त महासचिव) अतुल लिमये के विचार, बयान को खारिज कर दिया, क्योंकि उन्होंने जंतर-मंतर वाली जेन जी को देश-विरोधी और संविधान-विरोधी करार दिया था। अतुल लिमये संघ में तीसरे स्थान के पदाधिकारी हैं। सरसंघचालक ने प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से सवाल नहीं किया कि वे छात्रों, युवाओं पर बर्बर हिंसा को लेकर स्पष्टीकरण क्यों नहीं दे रहे हैं? शायद संघ में ऐसे सवालों की संस्कृति नहीं है! बहरहाल मोहन भागवत ने इस संवाद के जरिए जो संदेश दिया है, यकीनन वह राष्ट्रव्यापी है और जेन जी जमात के लिए भी महत्वपूर्ण है। संघ प्रमुख ने नसीहत-सी दी है कि जेन जी को हिंसा का रोल मॉडल न तो बनना चाहिए और न ही सरकार को उन्हें हिंसक करार देना चाहिए। उनके आक्रोश और क्षोभ को समझना चाहिए। जेन जी को आप हांक नहीं सकते, हुक्म-निर्देश नहीं दे सकते, सिर्फ संवाद का ही रास्ता है और संवाद ही, अंतत:, समाधान होता है। दरअसल जिस संगठन के बैनर तले मुंबई में संवाद का यह आयोजन किया गया, वह जेन जी का ही संगठन है और छात्र, युवा ही उसे संचालित करते हैं। इस संगठन से करीब 1.50 लाख स्कूल-कॉलेज जुड़े हैं। इसका विस्तार 40 देशों के 275 शहरों तक है और करीब 7.50 करोड़ युवा इससे जुड़े हैं। नाम है-इंडियाज इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइटेड नेशंस। इसकी स्थापना 2011 में की गई थी। मुंबई इसका मुख्यालय शहर है। बहरहाल इन आंकड़ों से ही सरसंघचालक के संवाद की महत्ता, व्यापकता और प्रासंगिकता को समझा जा सकता है। उनका संबोधन और संवाद भाजपा की उस जमात के लिए भी सबक और संदेश है, जो जेन जी और जंतर-मंतर के आंदोलनकारी युवाओं को पंचर लगाने वाली जमात, गटर जेनरेशन और विदेशी फंडिंग के एजेंट आदि करार देती है। कमोबेश प्रधानमंत्री मोदी ने जेन जी के व्यापक आक्रोश और प्रभाव को समझा है, लिहाजा लगातार वीडियो के जरिए उस पीढ़ी को संबोधित कर रहे हैं और नए अभियानों की शुरूआत भी कर रहे हैं। एक जिज्ञासा है कि सरसंघचालक ने बेरोजगारी और महंगी शिक्षा जैसे विकराल मुद्दे क्यों छोड़ दिए? पढ़े-लिखे युवाओं को अगर रोजगार नहीं मिलेगा, तो वे जाहिर है, अपराधी ही बनेंगे। युवाओं में उपहार बांटने के बजाय उन्हें सरकारी रोजगार या फिर स्वरोजगार उपलब्ध कराया जाना चाहिए। सरकारी नौकरियों की भी अपनी सीमाएं हैं, इसलिए निजी क्षेत्र में काम करने के लिए युवाओं को तैयार किया जाना चाहिए। नवीनतम जानकारी के अनुसार झारखंड में आंदोलित छात्रों की सरकार से वार्ता होने वाली है।

अफसरों को जिम्मेदार बनाने से होगा समाधान

अफसरों की लापरवाही से हुए हादसों और इससे बच निकलने का बड़ा उदाहरण राजस्थान का है। जहां दो साल पहले स्कूल की छत्त गिरने से 10 से ज्यादा बच्चों की मौत हो गई, इसके बाद भी स्कूल की छत्त गिरने या दीवार गिरने के हादसे होते रहे, किन्तु एक भी अफसर को आपराधिक आरोपी नहीं माना गया। किसी पर एफआईआर दर्ज नहीं हुई। पुलिस ने आईएएस अफसर तो दूर, बल्कि शिक्षा विभाग के किसी अफसर के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की। राजस्थान सहित देश के लाखों सरकारी स्कूलों की इमारतों की हालत खस्ता है। सरकारों के पास इतना बजट ही नहीं है कि इतना रखरखाव किया जा सके। यह निश्चित है कि चुनी हुई सरकारें लंबे अर्से तक देश के लोगों की आंखों में धूल नहीं झोंक सकती, उन्हें कानून बनाने के साथ ही धरातल पर समस्याओं का समाधान ढूंढना होगा।

देश की सरकारों के पास हर समस्या का एक लाइलाज रामबाण इलाज यह है कि किसी समस्या की गहराई के उपचार के बजाय कानून बना दिया जाए। सरकारें हर समस्या का इलाज व्यावहारिक धरातल पर नहीं, बल्कि कानून में ढूंढने की आदी हो चुकी हैं। देश में हर क्षेत्र में एक के बाद एक नए कानून बनाए जा रहे हैं, किन्तु समस्याएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। जितने भी नए कानून बनाए जा रहे हैं, या पुराने कानूनों में संशोधन किया जा रहा है, उसका सारा भार देश के आम लोगों पर ही डाला जा रहा है। इन कानूनों में कहीं लापरवाही बरतने या अनदेखी के लिए देश के आला अफसर जिम्मेदार नहीं हैं। आजादी से लेकर आज तक ऐसा कोई कानून केंद्र या किसी राज्य ने नहीं बनाया है कि यदि कोई घटना-दुर्घटना या कांड होगा तो उसके लिए सीधे अफसर भी जिम्मेदार माने जाएंगे। संशोधित केंद्रीय पेपर लीक कानून में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने पर कम से कम 5 वर्ष और अधिकतम 10 वर्ष तक की सजा होगी। अधिकतम जुमार्ना 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 50 लाख रुपए कर दिया गया है। संगठित अपराधों में 7 से 10 वर्ष तक की सजा और 10 करोड़ रुपए तक जुमार्ने का प्रावधान किया गया है। पेपर लीक का नया केंद्रीय कानून बनाने के बावजूद झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) परीक्षा में पेपर लीक और अनियमितताएं हुईं। इस मामले में अब तक 11 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और जेपीएससी के चेयरमैन एल. खियांगटे ने इस्तीफा भी दे दिया।

केंद्र सरकार का बनाया पेपर लीक परीक्षा कानून देश में एक अगस्त से अस्तित्व में आ चुका है। इसके बावजूद देश में भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक मामले थम नहीं रहे हैं। राजस्थान में अप्रैल 2022 में एंटी पेपर लीक एक्ट लागू किया गया। गुजरात में मार्च 2023 से सख्त नकल और पेपर लीक विरोधी कानून लागू हुआ। उत्तराखंड में वर्ष 2023 में प्रतियोगी परीक्षा अध्यादेश/कानून लागू किया गया। झारखंड में वर्ष 2023 में अनुचित साधनों की रोकथाम के लिए अधिनियम बनाया गया। हरियाणा में सितंबर 2021 से प्रभावी कानून लागू है। इसी तरह असम, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और आंध्र प्रदेश आदि राज्यों में भी अलग-अलग वर्षों में इससे जुड़े कड़े कानूनी प्रावधान या अधिनियम बनाए जा चुके हैं। केंद्र और इतने राज्यों में पेपर लीक कानून के बाद भी पेपर लीक की घटनाएं थम नहीं रही हैं। पेपर लीक की तरह देश में बलात्कार के मामलों में बेहद कठोर कानून बनाए गए थे। बलात्कार और इसके साथ हत्या के मामलों में फांसी तक का प्रावधान किया गया है। 2012 में दिल्ली में एक छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या के दोषी चार भारतीय पुरुषों को फांसी दे दी गई थी। निर्भया बलात्कार हत्याकांड से लोगों में आक्रोश फैल गया था और भारत में बलात्कार विरोधी नए कानून बनाए गए। आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम 2018 के तहत 12 साल से कम उम्र की बच्चियों के बलात्कार में मृत्युदंड का प्रावधान किया गया। गैंग रेप में न्यूनतम सजा 20 साल से आजीवन की गई। इतने कठोर कानून के लागू होने के बावजूद देश में बलात्कार-हत्या के मामले बढ़ते चले गए। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के मुताबिक देश के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में साल 2023 में 31982 महिलाओं के साथ बलात्कार के मामले दर्ज हुए। इससे जाहिर है कि नए कठोर कानूनों का अपराधियों को कोई भय नहीं है। ये कानून महज कागज का पुलिंदा साबित हो रहे हैं। यही भ्रष्टाचार का भी हाल है। देश में भ्रष्टाचार रोकने के लिए कठोर कानून बने हुए हैं, इसके बावजूद देश से भ्रष्टाचार खत्म होना तो दूर, बल्कि कम तक नहीं हो सका। आए दिन कहीं न कहीं भ्रष्टाचार की खबरें आती रहती हैं। भ्रष्टाचार खत्म नहीं करने के लिए कभी किसी अफसर को जिम्मेदार नहीं माना गया। बेशक उनके विभाग का ही कोई भ्रष्टाचारी क्यों न पकड़ा जाए। आज तक जितने भी कानून बनाए गए हैं, उसमें अफसरों की जिम्मेदारी कहीं भी तय नहीं की गई। मसलन सडक पर गड्ढा होने से यदि कोई सडक दुर्घटना होती है या फिर बगैर अग्नि सुरक्षा उपायों के संचालित किसी व्यावसायिक भवन में अग्नि दुर्घटना होती है तो इसके निगरानी करने वाले अफसर जिम्मेदार ठहराए जाएंगे, ऐसा कोई कानून नहीं बना है। यही प्रमुख वजह है कि चाहे पेपर लीक हों या किसी तरह का बड़ा हादसा, कानूनों को सख्त कर दिया जाता है, किन्तु जिम्मेदार अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं की जाती।

इसका बड़ा उदाहरण मेलों, धार्मिक स्थलों पर होने वाले आयोजनों में भगदड़ के दौरान होने वाली मौतें हैं। ऐसा शायद ही कोई साल जाता होगा, जब ऐसे हादसे नहीं होते होंगे। ऐसे हादसों में अब तक देश भर में हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद अफसरों की जिम्मेदारी तय नहीं की गई। ऐसा कोई कानून नहीं बनाया गया कि ऐसे आयोजनों में हादसों के लिए सीधे अफसर जिम्मेदार ठहराए जाएंगे, उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलेगा और उन्हें जेल की सजा भुगतनी पड़ेगी। अफसरों की लापरवाही से हुए हादसों और इससे बच निकलने का बड़ा उदाहरण राजस्थान का है। जहां दो साल पहले स्कूल की छत्त गिरने से 10 से ज्यादा बच्चों की मौत हो गई, इसके बाद भी स्कूल की छत्त गिरने या दीवार गिरने के हादसे होते रहे, किन्तु एक भी अफसर को आपराधिक आरोपी नहीं माना गया। किसी पर एफआईआर दर्ज नहीं हुई। पुलिस ने आईएएस अफसर तो दूर, बल्कि शिक्षा विभाग के किसी अफसर के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की। राजस्थान सहित देश के लाखों सरकारी स्कूलों की इमारतों की हालत खस्ता है। सरकारों के पास इतना बजट ही नहीं है कि इतना रखरखाव किया जा सके। यह निश्चित है कि चुनी हुई सरकारें लंबे अर्से तक देश के लोगों की आंखों में धूल नहीं झोंक सकती, उन्हें कानून बनाने के साथ ही धरातल पर समस्याओं का समाधान ढूंढना होगा। देश में बुनियादी सुविधाओं की पहुंच आम नागरिकों तक बढ़ानी होगी। इसकी कमी से हर साल बिजली, पानी, सडक, स्कूल, अस्पताल के अभाव जैसे मुद्दों पर धरने, प्रदर्शन, आंदोलन होते हैं, किन्तु इनका स्थायी समाधान नहीं होता। सरकारों की हालत ह्यखेत खाए गदहा और मार खाए जुलहाह्न जैसी है। जब तक सरकारें और जिम्मेदार अफसर अपनी जिम्मेदारी से भागते रहेंगे, ऐसी समस्याओं का समाधान नहीं होगा, बेशक कितने भी नए और कठोर कानून बन जाएं।

योगेंद्र योगी
स्वतंत्र लेखक

ई 20 के खिलाफ राहुल की जंग, आंदोलन का इतिहास लेखक

कहते हैं इतिहास अपने आप को दोहराता है। 2012 से लेकर 2014 तक जिस तरह से यूपीए की मनमोहन सरकार के खिलाफ रोजाना कोई ना कोई ऐसा मामला खुलता था। जिसके कारण मनमोहन सरकार के बारे में यह राय आम जनता की बनती चली गई, मनमोहन सरकार सबसे भ्रष्ट सरकार है। नेता के रूप में गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी का गुजरात मॉडल, अच्छे दिन का वादा, विदेश से ब्लेक मनी लाकर 15 लाख देने, उद्योगपति रतन टाटा और मुकेश अंबानी का यह कहना, नरेंद्र मोदी यदि भारत के प्रधानमंत्री बनेंगे तो भारत का विकास और भारत की किस्मत ही बदल जाएगी। समय की बलिहारी उद्योगपति लाबी का समर्थन मिलने तथा केग प्रमुख विनोद राय के काल्पनिक आधार पर सरकार के घपले और घोटाले को बढ़ा चढ़ा कर दिखाया गया। मनमोहन सिंह सरकार को जिस तरह से भ्रष्टाचार के मामले में घेरने और बदनाम करने की मुहिम चलाई गई। उसने 2014 के लोकसभा चुनाव का पूरा रुझान ही बदल दिया। ऐसा लगने लगा, मनमोहन सरकार सबसे भ्रष्ट सरकार है। इसने कुछ भी नहीं किया। अब वही स्थिति 2026 में एकाएक देखने को मिल रही है। एक के बाद एक केग के आडिट में घपले-घोटाले बाहर निकलकर आ रहे हैं। यह अलग बात है कि जिस तरह पहले सुप्रीम कोर्ट, घपले-घोटाले को संज्ञान में लेती थी। अब वैसा संज्ञान नहीं लिया जाता है। सुप्रीम कोर्ट बंद लिफाफे में राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर घपले घोटाले को लिफाफे में बंद करके रख देती है। न्यायालय का संरक्षण सरकार के पक्ष में होने के बाद भी जिस तरह से एक के बाद एक मामले खुलते चले जा रहे हैं। उसने 2026 में 2014 की याद दिला दी है। राहुल गांधी अकेले ऐसे नेता थे, जो मोदी सरकार का बिना डरे मुखर होकर पिछले कई वर्षों से विरोध कर रहे थे। धार्मिक ध्रुवीकरण को लेकर भारत की राजनीति फिजा बदली हुई थी। नेता डरे हुए थे, सीबीआई और ईड़ी के डर से कांग्रेस नेता छोड़ कर जा रहे थे। जहां विपक्षी दलों की सरकारें थी, उनमें भी डर और भय का माहौल था। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार सैकड़ो की संख्या में सांसद और विधायक अपनी मूल पार्टी को छोड़कर भाजपा में आ गए। देखते ही देखते डबल इंजन की सरकारें बनने का जो क्रम 2016 के बाद शुरू हुआ, वह पश्चिम बंगाल के चुनाव तक अश्वमेध यज्ञ की भांति सफलता पूर्वक आगे बढ़ता रहा। पश्चिम बंगाल के चुनाव के बाद जैसे किसी की नजर लग गई है। भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जो नेता और कार्यकर्ता तीन पीढ़ियों से पार्टी की सेवा कर रहे थे। वह भी हैरान परेशान थे, उनके स्थान पर अन्य दलों से आए हुए भ्रष्टाचारी नेताओं और भ्रष्ट अधिकारियों को सरकार में जगह मिल रही है। उन्हें मरी हुई मक्खी की तरह निकालकर फेंक दिया गया है। अयोध्या के राम मंदिर मैं दान और चढ़ावा चोरी के मामले में ऐसा लगता है, प्रभु राम भी भाजपा से नाराज हो गए हैं। जिस तरह से रावण ने सीता माता का अपहरण साधु के वेश में किया था। राम मंदिर के नाम पर राम भक्तों को जिस तरह से ठगा गया है। उनकी आस्थाओं के साथ खेला गया, यहीं से खेल बिगड़ना शुरू हो गया। नीट परीक्षा के पेपर लीक मामले में कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन में जिस तरह से जेन जेड वानर सेना का प्रवेश हुआ। उसके बाद अलग-थलग पड़े नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को जैसे प्रभु राम का आशीर्वाद मिल गया है। वह सरकार पर इतने भारी पड़ गए कि भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस को अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

राहुल गांधी ने अब ई 20 के खिलाफ नया मोर्चा खोल दिया है। भारत के अधिकांश घर का एक न एक बच्चा जेन-जेड और जेन अल्फा है। पूरे देश में एकाएक बच्चे और युवा राहुल गांधी के मुरीद हो रहे हैं। पेट्रोल का उपयोग भी अब गरीब से गरीब परिवार को करना पड़ता है। ई 20 का मामला भी भारत के अधिकांश परिवार से जुड़ा हुआ है। इन दोनों मामलों में जिस तरह से राहुल गांधी ने राजनीति की बिसात बिछाई है। उसी बिसात पर भाजपा और एनडीए को चलना पड़ रहा है। विपक्षी दल एकजुट हैं, तीसरे सप्ताह भी संसद नहीं चल पाई है। गृहमंत्री का बयान और प्रधानमंत्री को सदन में बुलाने की मांग को लेकर जिस तरह से राहुल गांधी अड़े हुए हैं। सरकार बचाव की मुद्रा में है। इस स्थिति को देखते हुए लोग यह कहने लगे हैं, इतिहास अपने आपको दोहराने जा रहा है। जो मनमोहन सिंह के साथ हुआ था, उसी तरह की स्थिति अब 2026 में बन गई है? जनता के बीच नेता और सरकार की छबि महत्वपूर्ण है। भ्रष्टाचार की जो छवि मनमोहन सरकार के खिलाफ 2014 के चुनाव पूर्व बनी थी, वही छवि भाजपा एवं एनडीए शासित केंद्र एवं राज्य सरकारों की 2026 में बन गई है। धार्मिक ध्रुवीकरण को लेकर 80-20 का जो खेल था वह भी पूरी तरह से बिगड़ गया है। भाजपा ने राहुल गांधी को मीडिया के माध्यम से पप्पू बना दिया था। आज वही पप्पू पूरी ताकत के साथ केंद्र सरकार के लिए मुसीबत बना हुआ है। इसी को कहते हैं समय की बलिहारी।

लेखक - सनत जैन

पांगी नहीं जानता क्या होता है शूगर-बीपी

कहते हैं मानव जीवन में खानपान का बहुत बड़ा महत्व होता है। यह सीधे हमारे शारीरिक स्वास्थ्य के अलावा मानसिक और सामाजिक विकास को प्रभावित करता है। सही और संतुलित आहार से हमें केवल ऊर्जा ही नहीं मिलती है, बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है और मनुष्य एक लंबा और स्वस्थ जीवन जी पाता है। हमारे खानपान में हमारी संस्कृति और परंपरा झलकती है।

दशकों से पोषण विज्ञान एक ही कहानी कहता आया है कि यदि आप लंबे और स्वस्थ जीवन के लिए भोजन से रास्ता बनाना चाहते हैं तो क्रेत स्थित जैतून के बागानों या दक्षिणी इटली के मछुआरे गांवों की ओर देखें। भूमध्यसागरीय आहार हृदय स्वास्थ्य का पर्याय बन चुका है। क्योंकि इसके पक्ष में वैज्ञानिक परीक्षणों के प्रमाण मौजूद हैं। इसी तरह हिमाचल प्रदेश की पांगी घाटी के ऊंचाई वाले ठंडे मरुस्थल में एक ऐसा खाद्य परंपरा आधारित ढांचा सदियों से चुपचाप अपनाया जा रहा है, जिसकी संरक्षण संबंधी तर्कशृंखला इससे बहुत मिलती-जुलती है। लेकिन अफसोस कि औषधीय पदार्थों से भरपूर खानपान का न कोई नामकरण हुआ, न ही इस पर कोई स्टडी हो पाई। लेकिन हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले की दुर्गम पांगी घाटी की यह अनूठी और समृद्ध खाद्य परंपरा अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान बना रही है। दरअसल यहां के पंगवाल और भोट समुदायों के पारंपरिक खानपान पर जर्नल ऑफ फेमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर में एक शोध प्रकाशित हुआ है।

यह शोध बताता है कि पांगी के लोगों के आहार में शामिल मोटे अनाज जैसे कुट्टू और जौ, याक के दुग्ध उत्पाद, पारंपरिक खाद्य जैसे छांग व चुरपा, हाई एंटीआक्सीडेंट वाले जंगली पौधे हृदय रोग, मधुमेह सहित कई गैर-संचारी रोगों के जोखिम को कम करने में सहायक हैं। पांगी के लोगों के शुद्ध, देसी और बिना मिलावटी भोजन में सोडियम-पोटेशियम का अनुपात बेहद संतुलित है जो लोगों को बीमारियों से दूर रखता है। यह पहली बार है जब भारतीय हिमालय के किसी समुदाय के पारंपरिक आहार को एक ह्यनामित सुरक्षात्मक आहारह्न के रूप में देखा और पहचाना गया है। वैज्ञानिकों ने इसका नामकरण ह्यपांगी वैली डाइटह्न के रूप में ही किया है। जर्नल ऑफ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर में प्रकाशित हालिया समीक्षा उस चीज के पक्ष में तर्क देती है जिसे ह्यपांगी वैली डाइटह्न कहा जा सकता है। यहां खेती और पशुपालन कर रहे पंगवाल और भोट समुदायों की पारंपरिक भोजन पद्धति तब से चली आ रही है जब तक 1990 के दशक के मध्य में सडक ने उन्हें देश के बाकी हिस्सों से नहीं जोड़ दिया था। उनका यह आहार किसी कॉफी टेबल मैग्जीन वाले निर्धारित ह्यडाइट प्लानह्न की तरह नहीं है और न ही इसे किसी ने डिजाइन किया। यह इसलिए उभरा क्योंकि साल के आधे हिस्से में भारी बर्फ घाटी को ढक लेती है, खेती का मौसम बेहद छोटा होता है और लंबे समय तक भोजन प्राप्त करने का और कोई स्रोत नहीं था। यह आहार पोषण विज्ञान ने नहीं, बल्कि जरूरत ने बनाया। हालांकि घाटी के दो समुदाय हिंदू पंगवाल और तिब्बती-मंगोलियाई विरासत वाले बौद्ध भोट का कई मामलों में खानपान अलग-अलग है, लेकिन कहते हैं न कि पारिस्थितियां धर्म के आधार पर भेद नहीं करतीं इसलिए ये दोनों ही उपलब्ध सीमित संसाधनों से अपना भोजन जुटाते हैं। घाटी के पारंपरिक व्यंजनों के एक आकलन में लगभग 80 अलग-अलग पकवान दर्ज किए गए। सबसे उल्लेखनीय तथ्य यह है कि लगभग आधी सामग्री जंगली बटोरी गई वनस्पतियों से आती थी, जबकि खरीदे या पैक्ड खाद्य पदार्थ लगभग नहीं के बराबर थे। यह अकेला आंकड़ा उस चीज को समेट देता है जिसे सार्वजनिक स्वास्थ्य संदेशों ने एक सदी तक योजनाबद्ध ढंग से हासिल करने की कोशिश की है। ऐसा समुदाय जो संपूर्ण स्थानीय भोजन खाता है इसलिए नहीं कि किसी डॉक्टर ने कहा है बल्कि इसलिए कि अन्य कोई विकल्प ही नहीं था। विचार करने वाली बात है कि इस मजबूरी ने क्या बनाया। एक तरफ कुट्टू और जौ जैसे मुख्य अनाज थे, जो ग्लाइसेमिक इंडेक्स में कम और रेशे में समृद्ध हैं, दूसरी तरफ गेहूं और चावल थे, जो आज के अधिकतर भारतीय आहारों पर हावी हैं। जंगली रूप से बटोरी गई सामग्री में फर्न, बिच्छू-बूटी, जंगली लहसुन और सीबकथॉर्न शामिल हैं। यह एक ऐसा बेरी है जो एंटीऑक्सिडेंट्स से इतना समृद्ध है कि उसके लिए अलग औषधीय साहित्य मौजूद है। पारंपरिक खाद्यान्न जो लंबे सर्दियों के महीनों में भोजन सुरक्षित रखने की आवश्यकता से पैदा हुआ, ने जौ को प्रोबायोटिक समृद्ध बीयर में और दूध को पनीर में बदल दिया। इससे आंतों के उन जीवाणुओं को बढ़ावा मिला जिनका संबंध अब रक्तचाप से लेकर शरीर में सूजन से बचाव तक से जोड़ा जा रहा है। और घाटी का मुख्य दुग्ध-आधार याक गाय संकर ह्यचौरीह्न का दूध ऐसे वसा प्रोफाइल के साथ आता है जिसमें ओमेगा-3 अधिक होते हैं और संयुग्मित लिनोलिक अम्ल भरपूर होता है। औद्योगिक रूप से उत्पादित दूध से बहुत अलग है। इनमें से कोई भी तत्व अकेले असाधारण नहीं है। कुट्टू कई व्यंजनों में खाया जाता है और किण्वित खाद्य पदार्थ हिमालय तक सीमित नहीं हैं। लेकिन महामारी विज्ञान की दृष्टि से इसे ह्यआहारह्न बनाने वाली चीज है।

इन सबका संयोजन कम ग्लाइसेमिक भार, अधिक रेशा, घने फाइटोकेमिकल्स, लाभकारी वसा, सक्रिय प्रोबायोटिक्स और प्रसंस्कृत भोजन तथा अतिरिक्त नमक न के बराबर होता है। किसी व्यक्ति के आहार में सोडियम पोटाशियम अनुपात ब्लडप्रेशर का सबसे मजबूत जनसंख्या स्तरीय अनुपात संकेतकों में से एक है। लेकिन जो आहार कम नमक तथा पोटैशियम समृद्ध जंगली पौधों पर आधारित हो, वह बिना किसी प्रयास के इस अनुपात को सही दिशा में रख देता है। यहीं से यह कहानी चिंताजनक हो जाती है। जैसे दक्षिणी यूरोप में फास्ट फूड के प्रसार से भूमध्यसागरीय आहार कमजोर पड़ा, वैसे ही पांगी घाटी का आहार भी उसी दबाव में, बल्कि उससे तेजी से गायब हो रहा है। घाटी में कभी चपाती मक्का और चुकरी नामक जंगली पौधे की पत्तियों से बनती थी, अब वह बाहर से लाए गए गेहूं के आटे से बनती है। सोयाबीन और चावल जो पहले यहां नहीं थे, अब हर घर में मौजूद हैं।

डा. सुनील रैणा, अनुसंधानकर्ता

आलेख

ढाका की राजनीति और भारत-बांग्लादेश संबंधों की नई परीक्षा

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा दिसंबर 2026 में स्वदेश लौटने की घोषणा केवल एक राजनीतिक बयान नहीं है, बल्कि यह दक्षिण एशिया की बदलती भू-राजनीति, लोकतांत्रिक मूल्यों और भारत-बांग्लादेश संबंधों की दिशा तय करने वाला एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम बन गया है। जिस समय बांग्लादेश की राजनीति सत्ता परिवर्तन, वैचारिक ध्रुवीकरण और संस्थागत अस्थिरता के दौर से गुजर रही है, उसी समय शेख हसीना ने यह घोषणा कर राजनीतिक विमर्श को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। उनका यह कहना कि ह्यगिरफ्तारी, जेल या मृत्यु का भय भी उन्हें अपने देश लौटने से नहीं रोक सकताह्न, उनके समर्थकों के लिए भावनात्मक आह्वान है तो विरोधियों के लिए एक बड़ी राजनीतिक चुनौती। बांग्लादेश में पिछले वर्ष सत्ता परिवर्तन के बाद जो राजनीतिक वातावरण बना, उसमें लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता और राजनीतिक सहिष्णुता पर लगातार प्रश्न उठते रहे हैं। बांग्लादेश में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण द्वारा शेख हसीना के विरुद्ध सुनाया गया फैसला और उसके बाद उनके समर्थकों पर बढ़ती कार्रवाइयों ने यह संकेत दिया कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा धीरे-धीरे प्रतिशोध की राजनीति में बदलती जा रही है। हाल ही में उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल रहे पूर्व क्रिकेट कप्तान साकिब अल हसन के घर पर हुआ हमला भी इस बात का संकेत है कि राजनीतिक असहमति अब सामाजिक तनाव का रूप लेने लगी है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री तारिक रहमान के एक करीबी सहयोगी द्वारा शेख हसीना को ह्यतुरंत लौटकर सामना करनेह्न की चुनौती देना बताता है कि बांग्लादेश का राजनीतिक वातावरण अभी भी सामान्य नहीं हुआ है।

लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक दल या नेता से असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति का समाधान न्यायपूर्ण राजनीतिक प्रक्रिया और स्वतंत्र संस्थाओं के माध्यम से होना चाहिए। यदि किसी नेता की लोकप्रियता का उत्तर प्रतिबंध, दमन या भय के वातावरण से दिया जाए, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होती है। शेख हसीना की वापसी को केवल एक व्यक्ति की वापसी के रूप में नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा की परीक्षा के रूप में देखा जाना चाहिए। यदि अवामी लीग को राजनीतिक प्रक्रिया से बाहर रखने की कोशिश होती है, तो यह बांग्लादेश के लोकतंत्र की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाएगा। वास्तविकता यह भी है कि बांग्लादेश की राजनीति आज केवल अवामी लीग और बांग्लादेश नेशनललिस्ट पार्टी (बीएनपी) के बीच सत्ता संघर्ष तक सीमित नहीं रह गई है। अब यह संघर्ष राष्ट्र की ऐतिहासिक पहचान, 1971 के मुक्ति संग्राम की विरासत और भविष्य की वैचारिक दिशा का भी बन चुका है। अवामी लीग स्वयं को मुक्ति संग्राम की मूल चेतना का प्रतिनिधि बताती है, जबकि बीएनपी भी अब उसी विरासत पर अपना दावा प्रस्तुत कर रही है। इतिहास की इस प्रतिस्पर्धी व्याख्या ने राजनीतिक ध्रुवीकरण को और गहरा किया है। ऐसी परिस्थितियों में शेख हसीना की वापसी केवल राजनीतिक समीकरण नहीं बदलेगी, बल्कि राष्ट्रीय विमर्श की दिशा भी प्रभावित करेगी।

इन परिस्थितियों में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत और बांग्लादेश के संबंध केवल दो पड़ोसी देशों के रिश्ते नहीं हैं, बल्कि साझा इतिहास, संस्कृति, भाषा, आर्थिक सहयोग और सामरिक हितों पर आधारित हैं। पिछले डेढ़ दशक में दोनों देशों के संबंधों में अभूतपूर्व निकटता आई, जिसका एक बड़ा आधार शेख हसीना सरकार और नई दिल्ली के बीच बना विश्वास था। सीमा विवादों का समाधान, ऊर्जा सहयोग, संपर्क परियोजनाएं, आतंकवाद के विरुद्ध साझा कार्रवाई तथा पूर्वोत्तर भारत की कनेक्टिविटी जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई। लेकिन वर्तमान राजनीतिक परिवर्तन ने इस विश्वास की नई परीक्षा शुरू कर दी है। नई दिल्ली ने एक ओर शेख हसीना को सुरक्षा और आश्रय दिया है, वहीं दूसरी ओर उसने ढाका की नई सरकार से संवाद भी जारी रखा है। यही परिपक्व कूटनीति का परिचायक है। भारत के सामने चुनौती किसी एक राजनीतिक दल के साथ खड़ा दिखाई देने की नहीं, बल्कि पूरे बांग्लादेश के साथ स्थायी और संतुलित संबंध बनाए रखने की है। इसी संदर्भ में नई दिल्ली में आयोजित होने वाला बारहवाँ ब्रिक्स शिखर सम्मेलन अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर बन सकता है। यदि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान इसमें भाग लेते हैं और भारत के शीर्ष नेतृत्व के साथ सकारात्मक संवाद होता है, तो दोनों देशों के बीच हाल के तनावों को कम करने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। यह केवल औपचारिक शिखर बैठक नहीं होगी, बल्कि दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली का अवसर भी होगी। भारत को इस मंच का उपयोग केवल आर्थिक सहयोग तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता, लोकतांत्रिक मूल्यों और सुरक्षा सहयोग पर भी स्पष्ट संवाद स्थापित करना चाहिए।

भारत के सामने अनेक जटिल प्रश्न भी हैं। गंगा जल संधि के नवीनीकरण, तीस्ता जल बंटवारे, सीमा-पार व्यापार, अवैध घुसपैठ, सीमा सुरक्षा तथा शेख हसीना के प्रत्यर्पण जैसे मुद्दे आने वाले समय में द्विपक्षीय संबंधों की दिशा तय करेंगे। इनमें किसी भी विषय पर भावनात्मक या राजनीतिक प्रतिक्रिया के बजाय कानूनी, कूटनीतिक और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक होगा। विशेष रूप से प्रत्यर्पण का प्रश्न केवल कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कानून और राजनीतिक परिस्थितियों से भी जुड़ा हुआ है। भारत को अपनी संधियों, न्यायिक प्रक्रियाओं और रणनीतिक हितों के बीच संतुलन बनाकर आगे बढ़ना होगा। दूसरी ओर बांग्लादेश में चीन का बढ़ता प्रभाव भी नई दिल्ली के लिए चिंता का विषय है। वर्तमान सरकार के शुरूआती महीनों में चीन के साथ बढ़ते संपर्क और सामरिक महत्व की परियोजनाओं पर समझौते इस बात का संकेत हैं कि ढाका अपनी विदेश नीति में संतुलन साधने का प्रयास कर रहा है। भारत के लिए आवश्यक है कि वह प्रतिस्पर्धा की मानसिकता के बजाय विश्वास और विकास की साझेदारी को प्राथमिकता दे। यदि भारत आर्थिक सहयोग, निवेश, आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और तकनीकी साझेदारी के नए अवसर विकसित करता है, तो दोनों देशों के संबंध और अधिक मजबूत हो सकते हैं।

शेख हसीना की वापसी का प्रश्न अंतत: बांग्लादेश के लोकतांत्रिक चरित्र की परीक्षा है। यदि उन्हें निष्पक्ष राजनीतिक अवसर मिलता है, तो जनता स्वयं तय करेगी कि भविष्य का नेतृत्व किसे सौंपना है। लेकिन यदि राजनीतिक प्रतिशोध, दमन और हिंसा का वातावरण बना रहता है, तो इससे न केवल बांग्लादेश की लोकतांत्रिक साख प्रभावित होगी, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की स्थिरता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। भारत को इस पूरे घटनाक्रम में संयम, संतुलन और दूरदृष्टि के साथ आगे बढ़ना होगा। न तो उसे किसी आंतरिक राजनीतिक विवाद का पक्षकार बनना चाहिए और न ही लोकतांत्रिक मूल्यों की उपेक्षा करनी चाहिए। भारत की विदेश नीति का मूल उद्देश्य एक स्थिर, शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और समृद्ध पड़ोस होना चाहिए। यही उसकी सुरक्षा, आर्थिक प्रगति और क्षेत्रीय नेतृत्व के लिए सबसे अनुकूल स्थिति होगी।

आज आवश्यकता किसी राजनीतिक विजय की नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता की है। बांग्लादेश को यह सिद्ध करना होगा कि लोकतंत्र केवल चुनाव का नाम नहीं, बल्कि विपक्ष के सम्मान, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की आजादी और राजनीतिक सहिष्णुता का भी नाम है। वहीं भारत को यह दिखाना होगा कि वह पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को व्यक्तियों के बजाय संस्थागत विश्वास, पारस्परिक सम्मान और साझा हितों के आधार पर आगे बढ़ाने में सक्षम है। दिसंबर 2026 में यदि शेख हसीना वास्तव में बांग्लादेश लौटती हैं, तो वह केवल एक नेता की वापसी नहीं होगी, वह बांग्लादेश के लोकतंत्र, भारत की कूटनीतिक परिपक्वता और दक्षिण एशिया की राजनीतिक स्थिरता की एक साथ परीक्षा होगी। यदि इस चुनौती को संवाद, लोकतांत्रिक मयार्दा और विवेकपूर्ण कूटनीति के साथ संभाला गया, तो यह संकट दोनों देशों के संबंधों में एक नए विश्वास और नई शुरूआत का आधार भी बन सकता है। यही समय की सबसे बड़ी मांग है। यहां एक बड़ा प्रश्न यह भी है कि शेख हसीना के बांग्लादेश यानी वतन-वापसी से वहां राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को नई धार मिलेगी या फिर वह और अधिक बंट जाएंगी?

लेखक – ललित गर्ग

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त वार्ता

जमीनी स्तर पर कांग्रेस को मजबूत करना सर्वोच्च प्राथमिकता

नई दिल्ली, 09 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कार्यकताओं से आपसी समन्वय के साथ घर-घर तक पार्टी की विचारधारा और जनहित से जुड़ी नीतियों को पहुंचाने का आह्वान किया।

देवेंद्र यादव ने करावल नगर जिला कांग्रेस कमेटी के नए कार्यालय के उद्घाटन समारोह और मासिक बैठक में कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन तभी मजबूत होगा, जब कार्यकर्ता लगातार जनता के बीच सक्रिय रहकर उनके मुद्दों और समस्याओं को मजबूती से उठाएंगे। उन्होंने कहा कि जिला, प्रखंड और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना प्रदेश कांग्रेस की प्राथमिकता है।

आगा खान की भारत यात्रा से मजबूत होंगे भारत-इस्माइली संबंध

नई दिल्ली, 09 अगस्त (वेब वार्ता)। फोरम फॉर मुस्लिम स्टडीज एंड एनालिसिस के महासचिव एवं इंस्टीट्यूट ऑफ इस्लामिक एंड क्रॉस-कल्चरल स्टडीज के प्रमुख न्यासी प्रो. जसीम मोहम्मद ने मौलाना हजरत इमाम शाह रहीम अल-हुसैनी आगा खान को 9 से 15 सितंबर तक भारत की आधिकारिक यात्रा के लिए आमंत्रित किए जाने का स्वागत किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे भारत और इस्माइली इमामत के संबंधों को मजबूत करने वाली ऐतिहासिक पहल बताया।

प्रो. जसीम मोहम्मद ने कहा कि आगा खान की प्रस्तावित भारत यात्रा से दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से चले आ रहे मैत्री, पारस्परिक सम्मान, सद्भाव और साझा मूल्यों के संबंधों को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि विश्वभर का इस्माइली समुदाय इस यात्रा का गर्मजोशी से स्वागत करेगा और भारत में समुदाय के सदस्यों से मुलाकात का यह महत्वपूर्ण अवसर होगा।

भारत मंडपम में ग्लोबल करियर का मंच, 300 से अधिक अवसरों के लिए प्रतिभाओं की तलाश

नई दिल्ली, 09 अगस्त (वेब वार्ता)। भारत की प्रतिभाओं को वैश्विक रोजगार अवसरों से जोड़ने की पहल के तहत हेडफाइल सॉल्यूशन ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में देश के पहले वैश्विक बिक्री प्रतिभा खोज आयोजन की शुरूआत की है। 2 दिवसीय यह आयोजन 8 और 9 अगस्त को हो रहा है, जिसमें 25 से अधिक क्षेत्रों और 14 से अधिक व्यावसायिक क्षेत्रों में 300 से ज्यादा वैश्विक रोजगार अवसरों के लिए प्रतिभाओं का चयन किया जा रहा है। इस आयोजन में बिक्री क्षेत्र के अनुभवी पेशेवरों के साथ नए स्नातकों और व्यवसाय विकास में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं को वैश्विक कंपनियों के चयनकर्ताओं तथा नियुक्ति अधिकारियों से सीधे संवाद का अवसर मिल रहा है।

ओ. के. मॉडल स्कूल में कवि सम्मेलन-सम्मान समारोह संपन्न

नई दिल्ली, 09 अगस्त (वेब वार्ता)। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में सुर साहित्य परिषद् एवं हिन्दी साहित्य अकादमी के संयुक्त तत्वावधान तथा ओ. के. मॉडल स्कूल के सहयोग से ओ. के. मॉडल स्कूल के प्रांगण में कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। साहित्य, राष्ट्रप्रेम और सामाजिक चेतना से ओत-प्रोत इस आयोजन में देशभक्ति की कविताओं, गीतों एवं ओजपूर्ण रचनाओं ने उपस्थित श्रोताओं में राष्ट्रचेतना का संचार किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

समारोह की अध्यक्षता ओ. के. मॉडल स्कूल के चेयरमैन योगी ओम कुमार पुण्डीर ने की, जबकि हिन्दी साहित्य अकादमी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरभ जैन सुमन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

लोको पायलटों के लिए सुविधाएं बढ़ाएगा उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, 09 अगस्त (वेब वार्ता)। उत्तर रेलवे ट्रेनों के सुरक्षित और सुचारु संचालन के लिए लोकोमोटिव और ट्रेन संचालन से जुड़ी सुविधाओं को बेहतर करने जा रहा है। दिल्ली विद्युत विभाग के तहत इन कार्यों को कराया जाएगा। इसमें लोको पायलट और ट्रेन संचालन से जुड़े कर्मचारियों के लाइन बॉक्स की ढुलाई, लोकोमोटिव के कैब के सामने लगे लुकआउट ग्लास की सफाई और इलेक्ट्रिक व डीजल इंजन के सैंड बॉक्स में रेत भरना शामिल है।

रेलवे के अनुसार, लाइन बॉक्स में लोको पायलट और अन्य रनिंग स्टाफ का जरूरी सामान रखा जाता है। इसे ड्यूटी के दौरान निर्धारित स्थान तक पहुंचाने की जरूरत होती है। इसके लिए दिल्ली, पानीपत और कुरुक्षेत्र में 24 घंटे लाइन बॉक्स ढुलाई की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। लाइन बॉक्स को ट्रेन या इंजन से रनिंग रूम, लॉबी और अन्य निर्धारित स्थानों तक पहुंचाया जाएगा। इससे कर्मचारियों को सामान लाने-ले जाने की परेशानी कम होगी। इसके अलावा संबंधित स्टेशनों पर लोकोमोटिव के लुकआउट ग्लास की नियमित सफाई कराई जाएगी। यह व्यवस्था दो साल तक जारी रहेगी।

फिसलन की स्थिति में रेत आती है काम

इलेक्ट्रिक और डीजल लोकोमोटिव के सैंड बॉक्स में साफ सिलिका रेत की आपूर्ति और भंडारण की व्यवस्था भी होगी। जरूरत पड़ने पर यह रेत पहियों और रेल पटरी के बीच पकड़ बढ़ाने में मदद करती है। खासकर फिसलन की स्थिति में इससे लोकोमोटिव का संचालन सुरक्षित और सुचारु बनाने में मदद मिलेगी।

समयबद्धता व विश्वसनीयता में दिल्ली मेट्रो ने विश्व की अग्रणी मेट्रो प्रणालियों को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली (वेब वार्ता)

दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआसी) ने ट्रेनों के परिचालन की समयबद्धता और विश्वसनीयता में हांगकांग मेट्रो, पेरिस मेट्रो और न्यूयॉर्क सबवे जैसी दुनिया की अग्रणी मेट्रो प्रणालियों को पीछे छोड़ दिया है। कई मेट्रो प्रणालियां कई मिनट बाद ही देरी मानती हैं, जबकि दिल्ली मेट्रो 59 सेकंड से ज्यादा देरी पर भी उसे ह्यदेरीह्ल दर्ज करती है।

डीएमआरसी की तरफ से रविवार को जारी की गई जानकारी के मुताबिक दिल्ली मेट्रो की समयबद्धता साल 2026 में 99.95 फीसद है। दिल्ली मेट्रो ने अपनी शुरू में साल 2003 में 98.27 फीसदी, जो साल 2005 में बढ़कर 99.64 फीसदी हो गई। इस तरह डीएमआरसी ने शुरूआत के सिर्फ दो साल के भीतर ही 99 फीसदी से अधिक समयबद्धता हासिल करने वाली विशिष्ट मेट्रो प्रणालियों की श्रेणी में जगह बना ली। इसके बाद डीएमआरसी ने हर साल लगातार 99.9 फीसदी समयबद्धता हासिल की।

दिल्ली मेट्रो ने व्यस्त कॉरिडोर पर ट्रेनों का अंतराल शुरूआती वर्षों में 7 मिनट से घटकर सिर्फ 2 मिनट 18 सेकंड कर लिया है। आमतौर पर जैसे-जैसे नेटवर्क और बेड़े का आकार बढ़ता है और समय के साथ रखरखाव की समस्याएं आती हैं, मेट्रो प्रणाली की समयबद्धता और विश्वसनीयता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। डीएमआरसी ने 23 साल के संचालन में इस मानदंड को झुठलाया है। डीएमआरसी की एक ट्रेन औसतन 27.2 लाख किलोमीटर चलने के बाद ही 1 बार ऐसी खराबी आती है जिससे सेवा प्रभावित हो।

जानकारी के मुताबिक, 45 प्रमुख मेट्रो प्रणालियों के समूह कम्युनिटी ऑफ मेट्रोज (कॉमेट) द्वारा अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्किंग के अनुसार विश्वसनीयता के मामले में दिल्ली मेट्रो लगातार दुनिया की शीर्ष 5 मेट्रो प्रणालियों में शामिल रही है। यह रैंकिंग 2 मिनट की देरी के मानदंड पर आधारित है। इसके अलावा डीएमआरसी भारत का सबसे बड़ा चालक रहित मेट्रो नेटवर्क भी संचालित करता है, जिसमें लगभग 29 फीसदी नेटवर्क बिना चालक दल के ट्रेन संचालन (यूटीओ) के तहत चलता है। 71.55 किमी लंबी और 45 स्टेशनों वाली लाइन 7 दुनिया की सबसे लंबी चालक रहित मेट्रो लाइन है और दुनिया की सबसे लंबी वृत्ताकार मेट्रो लाइनों में से एक है। यह ग्रे लाइन के एक छोटे हिस्से को छोड़कर दिल्ली मेट्रो के हर कॉरिडोर से जुड़ती है।

भीड़ को किया है कम

इस लाइन ने शहर के केंद्र में इंटरचेंज की भीड़ को काफी कम किया है। विज्ञप्ति के मुताबिक, 25 दिसंबर 2002 को शाहदरा से तीसहजारी के बीच सिर्फ 8.4 किमी और 6 स्टेशनों के मामूली शुरूआत से दिल्ली मेट्रो आज 12 लाइनों पर 303 स्टेशनों के साथ 416.5 किमी तक फैले भारत के सबसे बड़े मेट्रो रेल नेटवर्क के रूप में संचालित होती है। इसमें 31 इंटरचेंज स्टेशन दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को जोड़ते हैं। दैनिक सवारी पहले साल में लगभग 82,000 यात्रियों से बढ़कर 8 अगस्त 2025 को एक दिन में रिकॉर्ड 81 लाख यात्री तक पहुंच गई है। औसत दैनिक सवारी 64.06 लाख यात्राएं हैं।

राजघाट से हेरिटेज पार्क तक निकलेगी तिरंगा यात्रा, सैकड़ों लोग होंगे शामिल

नई दिल्ली, 09 अगस्त (वेब वार्ता)। हर घर तिरंगा अभियान के तहत सोमवार, 10 अगस्त को गांधी दर्शन, राजघाट से चारती लाल गोयल हेरिटेज पार्क तक तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं गांधी स्मृति और दर्शन समिति के उपाध्यक्ष विजय गोयल यात्रा का नेतृत्व करेंगे। इसमें बड़ी संख्या में नागरिकों के साथ स्कूली विद्यार्थी भी शामिल होंगे।

विजय गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तिरंगे को राष्ट्रीय गौरव के व्यापक जन आंदोलन का स्वरूप दिया है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने तिरंगे के नीचे देश को स्वतंत्रता के लिए एकजुट किया और आज उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर देश विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा आयोजित इस यात्रा का उद्देश्य देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और महात्मा गांधी के आदर्शों का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है। प्रतिभागी राजघाट स्थित गांधी दर्शन परिसर से लाल किले के निकट स्थित चारती लाल गोयल हेरिटेज पार्क तक पदयात्रा करेंगे।

यात्रा के दौरान नशामुक्त भारत के निर्माण के साथ भ्रष्टाचार, गरीबी, जातिवाद, परिवारवाद और कूड़ा-कर्कट के खिलाफ जनजागरूकता के नारे लगाए जाएंगे। विजय गोयल ने कहा कि ऐसे अभियानों के माध्यम से स्वच्छ, एकजुट और विकसित भारत के निर्माण के लिए सामूहिक संकल्प को मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के नेतृत्व में हुआ भारत छोड़ो आंदोलन देश की स्वतंत्रता की लड़ाई में निर्णायक साबित हुआ था। उनके ह्यकरो या मरोह्ल के आह्वान ने पूरे देश को एकजुट किया था। इसी त्याग, अनुशासन और आत्मविश्वास की भावना को आज जनभागीदारी के माध्यम से आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। यात्रा का समापन चारती लाल गोयल हेरिटेज पार्क में सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत वंदे मातरम्के गायन के साथ होगा।

डिजिटल मंच से आसान होंगी स्वास्थ्य सेवाएं

नई दिल्ली, 09 अगस्त (वेब वार्ता)। स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सरल, सुविधाजनक और सुलभ बनाने के उद्देश्य से ईएमटी हेल्थ केयर सॉल्यूशन ने नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर के सी. डी. देशमुख सभागार में अपने डिजिटल स्वास्थ्य मंच का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े कई विशेषज्ञ और गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में एम्स नई दिल्ली की वरिष्ठ न्यूरोसर्जन डॉ. दीपक अग्रवाल और फोर्टिस स्पेक्ट्रा अस्पताल के वरिष्ठ परामर्शदाता एवं आईएमए दक्षिण दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. एम.के. मुद्गल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

केजरीवाल के कार्यकाल में सरकार को भारी जीएसटी नुकसान

नई दिल्ली, 09 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने कैग रिपोर्ट का मुद्दा उठाते हुए पिछली आम आदमी पार्टी सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि 24वीं कैग रिपोर्ट में साढ़े 3 हजार करोड़ रुपए की अनियमितताएं सामने आई हैं। यह रिपोर्ट केजरीवाल सरकार के भ्रष्टाचार का लिखित दस्तावेज है।

मंत्री प्रवेश वर्मा ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, विधानसभा के मानसून सत्र में 24वीं कैग रिपोर्ट को पेश किया गया। कैग रिपोर्ट केजरीवाल सरकार के भ्रष्टाचार का लिखित दस्तावेज है। हम सभी जानते हैं कि केजरीवाल सरकार में कामों का ऑडिट नहीं होता था। भाजपा सरकार बनने के बाद डेढ़ साल में 24 कैग रिपोर्ट आ चुकी हैं। हर रिपोर्ट में सैकड़ों-हजारों करोड़ रुपए का भ्रष्टाचार सामने आया है।

उन्होंने दावा किया कि 24वीं कैग रिपोर्ट में साढ़े 3 हजार करोड़ रुपए की अनियमितताएं सामने आई हैं। यह रिपोर्ट 31 मार्च 2023 की है। प्रवेश वर्मा ने कहा कि हर वित्त वर्ष में केजरीवाल सरकार ने क्या-क्या भ्रष्टाचार किए, इन सबके बारे में कैग रिपोर्ट के दस्तावेजों से जानकारी सामने आई है। कैग ने सबसे अहम बात यह कही कि 70,410 करोड़ रुपए का जीएसटी दिल्ली की जनता का बकाया था।

मंत्री ने कहा, 65 प्रतिशत राशि 5 साल से अधिक समय से दिल्ली सरकार वसूल नहीं करती थी। जिन उद्योगपतियों को पैसा देना होता था, उससे जीएसटी विभाग सांठगांठ करता था और उद्योगपतियों का बकाया सालों तक लंबित रहता था। बहुत सारे कारोबारी ऐसे थे, जिनका जीएसटी रजिस्ट्रेशन भी रद्द हो चुका था। इसके बावजूद ईवे बिल बनाया जाता था। 8,334 करदाताओं का जीएसटी रजिस्ट्रेशन रद्द हो चुका था, वे ईवे बिल जनरेट करते रहे। 68,680 करोड़ रुपए के ईवे बिल जनरेट किए गए थे। इससे स्पष्ट है कि सरकार को बहुत भारी जीएसटी नुकसान हुआ है। प्रवेश वर्मा ने आगे कहा कि 4,076 लोग टैक्स फाइल नहीं करते थे, लेकिन उन्होंने भी 11,635 करोड़ रुपए के ईवे बिल जनरेट किए। उन्होंने दावा किया कि अरविंद केजरीवाल, उनकी सरकार के जीएसटी विभाग और उनके मंत्रियों को यह सब पता था, लेकिन वे इस पर कोई कार्रवाई नहीं करते थे। कार्रवाई इसलिए नहीं की गई, ताकि रिश्वत ली जाए और डरा-धमकाकर वसूली की जाए।

उन्होंने कहा कि टैक्स चोरी हो रहा था। इसके ऊपर पिछली सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की थी।

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के 45वें स्थापना दिवस पर राष्ट्रीय व्यापारी सम्मेलन

नई दिल्ली, वेब वार्ता

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के 45वें स्थापना दिवस के अवसर पर नई दिल्ली स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में राष्ट्रीय व्यापारी सम्मेलन एवं भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सम्मेलन में 24 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों से करीब 1,000 व्यापारी प्रतिनिधियों ने भाग लेकर व्यापारिक एकता और व्यापारी हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल सम्मेलन के मुख्य अतिथि रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल गुप्ता ने की, जबकि मंच का संचालन संगठन के राष्ट्रीय वरिष्ठ महामंत्री मुकुंद मिश्रा ने किया। सम्मेलन में विभिन्न राज्यों से आए व्यापारियों और संगठन के पदाधिकारियों ने व्यापार जगत की मौजूदा चुनौतियों तथा उनके समाधान को लेकर अपने विचार रखे।

व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा देने पर जोर

मुख्य अतिथि अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए देश में व्यापार और कारोबार को बढ़ावा देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए व्यापार तथा वाणिज्य की गति तेज करनी होगी। उन्होंने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि सरकार उनकी समस्याओं और चिंताओं पर ध्यान देगी। सम्मेलन में वस्तु एवं सेवा कर, ऑनलाइन व्यापार तथा व्यापारिक समुदाय से जुड़े अन्य विषयों पर भी चर्चा हुई।

स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार से जोड़ने की मांग

सम्मेलन में स्थानीय उत्पाद, स्थानीय व्यापार और स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ह्यस्थानीय से वैश्विकह्ल की अवधारणा को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। संगठन ने इस पहल के लिए निर्धारित लक्ष्य को 500 जिलों से बढ़ाकर 1,000 जिलों तक करने की मांग रखी। राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल गुप्ता ने कहा कि स्थानीय उत्पादन, व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलने से जिलों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे तथा आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के पारंपरिक कौशल और हस्तशिल्प को भी वैश्विक बाजार तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

छोटे व्यापारियों के हितों पर चर्चा

सम्मेलन में ऑनलाइन व्यापार और छोटे एवं पारंपरिक व्यापारियों के सामने उत्पन्न हो रही चुनौतियों पर भी चर्चा की गई। व्यापारियों ने ऑनलाइन व्यापार के लिए स्पष्ट और प्रभावी नियम बनाने की आवश्यकता जताई। इसके साथ ही छोटे दुकानदारों को बड़े व्यापारिक केंद्रों और ऑनलाइन व्यापार से होने वाली असमान प्रतिस्पर्धा से बचाने, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र को मजबूत करने, ह्यजिले में निवेश, जिले के लिएह्ल की अवधारणा को बढ़ावा देने तथा प्रत्येक जिले में व्यापारी सहायता समूह स्थापित करने की मांग भी उठाई गई।

केंद्र सरकार के समक्ष रखी जाएंगी प्रमुख मांगें

सम्मेलन में व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए केंद्र सरकार के समक्ष प्रस्ताव रखने का निर्णय लिया गया। इसमें एक देश-एक मंडी कर व्यवस्था लागू करने, मंडी शुल्क को 0.50 प्रतिशत तक सीमित करने तथा वस्तु एवं सेवा कर और पुराने मूल्य वर्धित कर से जुड़े मामलों के निपटारे के लिए विशेष राहत योजना लागू करने की मांग शामिल है। इसके अलावा किराये की दुकानों और मकानों पर वस्तु एवं सेवा कर से राहत देने, कर भुगतान में देरी पर लगने वाले ब्याज को कम करने तथा भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के नियमों को सरल बनाने की मांग भी रखी गई। इन मांगों को लेकर विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर केंद्र सरकार को सौंपने का निर्णय लिया गया।

शास्त्री पार्क और न्यू उस्मानपुर में सरकारी जमीन पर अवैध पार्किंग का आरोप

नई दिल्ली, 09 अगस्त (वेब वार्ता)। पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क और न्यू उस्मानपुर इलाके में दिल्ली विकास प्राधिकरण की जमीन और सड़कों पर कथित रूप से चल रही अवैध पार्किंग को लेकर यातायात पुलिस ने कार्रवाई की पहल की है। यातायात पुलिस ने दिल्ली विकास प्राधिकरण और नगर निगम के संबंधित विभाग को पत्र लिखकर इन पार्किंग स्थलों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है। साथ ही पार्किंग संचालकों को नोटिस जारी कर उनसे पार्किंग संचालन की अनुमति से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है।

यातायात पुलिस के अनुसार, न्यू उस्मानपुर थाने के पास दिल्ली विकास प्राधिकरण की जमीन और सड़क तथा न्यू उस्मानपुर के पांचवें पुश्ते के आसपास सरकारी जमीन पर कई स्थानों पर अवैध रूप से पार्किंग संचालित होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस की ओर से क्षेत्र का निरीक्षण किए जाने के बाद यह मामला संबंधित विभागों के संज्ञान में लाया गया।

पार्किंग संचालकों को नोटिस देने की मांग

यातायात पुलिस ने दिल्ली विकास प्राधिकरण और नगर निगम के संबंधित विभाग को भेजे पत्र में अभिराज तिवारी, ओमसेन, नीतू, प्रिंस ढेढ़ा, महेश सहित अन्य लोगों के नाम का उल्लेख करते हुए सरकारी जमीन पर अवैध पार्किंग संचालन का आरोप लगाया है। पुलिस ने दोनों विभागों से संयुक्त रूप से जांच और कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। पुलिस का कहना है कि कार्रवाई के दौरान यातायात पुलिस आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराएगी। इसके साथ ही पार्किंग संचालकों से संबंधित अनुमति और दस्तावेज दिखाने के लिए कहा गया है।

जेएनयू में उमर खालिद की किताब पर चर्चा का कार्यक्रम रद्द

नई दिल्ली, 09 अगस्त (वेब वार्ता)। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में पूर्व छात्र उमर खालिद की पुस्तक पर प्रस्तावित चर्चा कार्यक्रम को विश्वविद्यालय प्रशासन ने रद्द कर दिया है। यह कार्यक्रम 10 अगस्त को सामाजिक विज्ञान विद्यालय के सभागार में आयोजित होना था। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कार्यक्रम की अनुमति और सभागार की बुकिंग रद्द करते हुए कहा कि कार्यक्रम से जुड़ी पूरी जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई थी और कुछ तथ्यों को छिपाया गया था।

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, कार्यक्रम की अनुमति सामाजिक विज्ञान विद्यालय के डीन की ओर से दी गई थी और कार्यक्रम रद्द करने की कार्रवाई भी डीन के स्तर पर ही की गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि 10 अगस्त को दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक प्रस्तावित कार्यक्रम के लिए सभागार की बुकिंग पूरी जानकारी उपलब्ध नहीं कराए जाने के कारण रद्द की गई। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा कि विश्वविद्यालय एक लोकतांत्रिक और विकेंद्रीकृत संस्थान है। प्रशासन के अनुसार, कार्यक्रम को लेकर उपलब्ध कराई गई जानकारी पूरी नहीं थी।

दिल्ली में 4 फीट तक भरा पानी, सड़कें बनीं दरिया

जल निकासी के दावे बेअसर

नई दिल्ली, वेब वार्ता

पिछले 4-5 दिनों से हो रही लगातार बारिश ने दिल्ली में जल निकासी व्यवस्था को लेकर किए गए नगर निकायों के दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। दक्षिणी, पूर्वी और बाहरी दिल्ली के कई इलाकों में जलभराव से जनजीवन प्रभावित है। कई स्थानों पर 3 से 4 फीट तक पानी भर गया, जबकि अधूरे नाले और सीवर कार्य ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है।

संगम विहार में जलभराव की स्थिति सबसे खराब इलाकों में बताई जा रही है। बारिश से पहले नालों का निर्माण पूरा नहीं होने के कारण रतिया मार्ग, तिगड़ी रोड, मंगल बाजार और शनि बाजार सहित कई स्थानों पर पानी भर गया। एच ब्लॉक से शूटिंग रेंज रोड तक नाले का काम भी अधूरा बताया जा रहा है।

तिहाड़ गांव में भी जल निकासी व्यवस्था चरमराने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। सीवर जाम और पहले से ओवरफ्लो हो रही सीवर लाइनों के कारण बारिश का पानी गंदे पानी के साथ सड़कों और गलियों में फैल गया। कई घरों के दरवाजों तक पानी पहुंचने से स्थानीय लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। पूर्वी दिल्ली में एनएच-9 के सर्विस रोड पर विनोद नगर से पटपड़गंज तक नाला निर्माण के चलते जल निकासी प्रभावित हुई है। बारिश के दौरान नाले का पानी ओवरफ्लो होकर आसपास के रिहायशी इलाकों में पहुंच रहा है। जाफराबाद मेट्रो स्टेशन के पास भी लंबे समय तक जलभराव बना रहा।

पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र में करीब 9 किलोमीटर लंबी सीवर लाइन डालने के लिए सड़कों की खुदाई की गई है। आरोप है कि काम पूरा होने के बाद सड़क की उचित मरम्मत नहीं की गई और कई स्थानों पर मिट्टी डालकर छोड़ दिया गया। इससे बारिश के दौरान वाहन चालकों और स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ गई है।

जलभराव से प्रभावित कुछ इलाकों में लोगों को पानी निकालने के लिए निजी स्तर पर पंप लगाने पड़ रहे हैं। लगातार बारिश और अधूरे जल निकासी कार्यों ने नगर निकायों की तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों की मांग है कि जल निकासी से जुड़े अधूरे कार्य जल्द पूरे किए जाएं और संवेदनशील इलाकों में स्थायी समाधान किया जाए।

राहगीरी दिवस में स्वच्छता और सड़क सुरक्षा का संदेश

नई दिल्ली, 09 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली नगर निगम ने सेंट्रल जोन (करोल बाग) के अंतर्गत मोती नगर स्थित डीएलएफ मिडटाउन प्लाजा, शिवाजी महाराज मार्ग, करमपुरा औद्योगिक क्षेत्र में राहगीरी दिवस का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों को सड़क सुरक्षा, स्वच्छता, कचरा पृथक्करण और जिम्मेदार कचरा प्रबंधन के प्रति जागरूक करना रहा। आयोजन में 300 से अधिक नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें करीब 100 से 150 स्कूली छात्र भी शामिल रहे।

कार्यक्रम का आयोजन सेंट्रल जोन (करोल बाग) के उपायुक्त दिलखुश मीणा के नेतृत्व में राहगीरी फाउंडेशन तथा वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के सहयोग से किया गया। आयोजन के दौरान नागरिकों और विद्यार्थियों को दैनिक जीवन में स्वच्छता तथा सुरक्षित यातायात व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

राहगीरी दिवस के अवसर पर नागरिकों और विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए साइकिल चलाने, शारीरिक स्वास्थ्य से जुड़ी गतिविधियों, संवादात्मक खेलों तथा विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के साथ-साथ शहर को स्वच्छ और सुरक्षित बनाए रखने में अपनी भूमिका निभाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा, स्वच्छता और कचरा पृथक्करण पर विशेष जोर दिया गया।

नए नक्शे से अटका यमुना खादर की सीमा तय करने का काम

नई दिल्ली, वेब वार्ता

यमुना नदी के बाढ़ क्षेत्र (खादर) की सीमा तय करने का काम संशोधित नक्शे के कारण फिलहाल अटक गया है। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) को दी प्रगति रिपोर्ट में बताया है कि निर्धारित 277 पिलरों में से 206 लगाए जा चुके हैं। शेष पिलर लगाने का काम नए नक्शे के कारण रोक दिया गया है।

यह कार्य वजीराबाद बैराज से ओखला बैराज तक करीब 22 किलोमीटर लंबे यमुना क्षेत्र में किया जा रहा है। पिलरों के जरिए बाढ़ क्षेत्र की सीमा जमीन पर स्पष्ट रूप से चिह्नित की जा रही है, ताकि खादर क्षेत्र को सुरक्षित रखने के साथ भविष्य में होने वाले अतिक्रमण पर भी रोक लगाई जा सके।

डीडीए के अनुसार, इसी साल मार्च में जियो स्पेशल दिल्ली लिमिटेड (जीएसडीएल) और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग की ओर से जारी नक्शे के आधार पर पिलर लगाने का काम शुरू हुआ था। इसे 31 जुलाई तक पूरा करने का लक्ष्य था। हालांकि, 6 जून को सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने डीडीए को संशोधित नक्शा भेज दिया। उस समय तक आधे से अधिक पिलर लगाए जा चुके थे।

आगे काम किया जायेगा

डीडीए के मुख्य अभियंता (बागवानी) ने बाढ़ नियंत्रण विभाग से कहा है कि संशोधित नक्शा पहले एनजीटी के समक्ष रखा जाए। अधिकरण के निर्देश मिलने के बाद ही आगे काम किया जाएगा। डीडीए के मुताबिक, नए नक्शे के चलते तय समय सीमा में काम पूरा करना मुश्किल हो सकता है और शेष पिलर लगाने के लिए अतिरिक्त समय मांगा जा सकता है। अधिकारियों के अनुसार, यह सीमा 100 साल की अनुमानित सबसे बड़ी बाढ़ के स्तर को ध्यान में रखकर तय की जा रही है।

नौहालों की जिंदगी पर भारी 'कागजी' सुरक्षा

प्रदेश भर में 13 हजार से ज्यादा अनफिट और बिना परमिट बसें सड़कों पर

वेब वार्ता, हरी शंकर शर्मा

कानपुर। लखनऊ में हुए दर्दनाक कोचिंग अग्निकांड ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया था। शासन ने दावा किया था कि अब बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा, लेकिन धरातल पर परिवहन विभाग और जनप्रतिनिधियों की लापरवाही ने इन दावों की पोल खोलकर रख दी है। परिवहन आयुक्त आशुतोष निरंजन के आदेश पर 1 से 15 जुलाई तक चलाए गए मिशन सेफ फ्यूचर की खानापूर्ति के बाद अब आरटीओ विभाग सेफ फ्यूचर अभियान 2.0की तैयारी कर रहा है। सवाल यह उठता है कि जब पहला अभियान पूरी तरह बेअसर साबित हुआ, तो दूसरे अभियान से क्या बदल जाएगा? लखनऊ मुख्यालय से अपर परिवहन आयुक्त के डी सिंह भी बीते दिनों कानपुर पहुँचे थे,लेकिन केवल चुनिंदा जगह पर चेकिंग का जायजा लेकर चलते बने। न मीडिया से रु ब रु हुए। यानी मीडिया से दूरी, क्या है मजबूरी ये प्रश्न एक सवालिया निशान खड़ा करता है।

कानपुर मण्डल आरटीओ (प्रवर्तन) राहुल श्रीवास्तव के मुताबिक, 'इंटीग्रेटेड स्कूल व्हीकल मैनेजमेंट पोर्टल' पर प्रदेश भर में 65,162 स्कूली वाहन पंजीकृत हैं। लेकिन इन सरकारी आंकड़ों के पीछे जो सच छिपा है, वह डरावना है: 5,647 स्कूली वाहन बिना फिटनेस के: हजारों बच्चे रोजाना उन गाड़ियों में सफर कर रहे हैं, जो

लखनऊ कोचिंग अग्निकांड के बाद भी नींद से नहीं जागा प्रशासन

यांत्रिक रूप से सड़क पर चलने लायक ही नहीं हैं। वही 7,418 वाहनों का परमिट समाप्त होने के बाद भी बिना वैध परमिट के हजारों गाड़ियां बेधड़क सड़कों पर दौड़

65 हजार में से 5,647 स्कूली वाहनों की फिटनेस फेल, 7,418 का परमिट खत्म

रही हैं और विभाग केवल नोटिस भेजने की खानापूर्ति कर रहा है।

स्कूल बसों को चला रहे ड्राइवरों का पुलिस वेरिफिकेशन हुआ है या नहीं, इसका कोई डाटा आरटीओ विभाग के पास मौजूद ही नहीं है। यानी आपराधिक पृष्ठभूमि या बिना जांच-परख के ड्राइवर मासूमों की जिंदगी की स्टेयरिंग थामे हुए हैं। वही दूसरी ओर नोटिस का खेल और ढीली कार्रवाई होने के बाद भी विभाग का दावा है कि उसने बिना फिटनेस और परमिट वाले स्कूल प्रबंधकों को 7 जुलाई तक कमियां दूर करने के लिए नोटिस जारी किए थे, फोन पर सचेत किया था और खुद जाकर सुधार का मौका दिया था। लेकिन हकीकत यह है कि मोहलत और रियायत के नाम पर सिर्फ समय काटा जा रहा है। सख्त जब्ती और चालान की जगह विभाग 'सुधरने का अवसर' देने का बहाना बनाकर मासूमों की जान जोखिम में डाल रहा है।

जनप्रतिनिधियों का 'फोटो-ऑप' और मीडिया स्टंट

शासन का स्पष्ट निर्देश था कि स्थानीय सांसद और विधायक खुद स्कूलों में जाकर प्रबंधकों और अभिभावकों को जागरूक करेंगे। लेकिन जमीनी हकीकत यह रही कि यह पूरा जागरूकता संदेश सिर्फ कागजों तक सिमटकर रह गया। अधिकांश जनप्रतिनिधि धरातल से गायब रहे। जिन्होंने हाजिरी लगाई भी, उन्होंने सिर्फ मीडिया में सुर्खियां बटोरने और अखबारों में फोटो छपवाने तक खुद को सीमित रखा। कैमरा हटते ही माननीय गायब हो गए और सुरक्षा के दावे हवा में उड़ गए। अब देखना यह होगा कि आरटीओ विभाग का यह सेफ फ्यूचर अभियान 2.0 वाकई सड़कों पर दौड़ती इन 'मौत की गाड़ियों' पर कोई लगाम कस पाता है, या फिर हर बार की तरह यह भी एक और कागजी कसरत और आंकड़ों की हेराफेरी बनकर रह जाएगा।

संक्षिप्त वार्ता

इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ ज्यूरिस्ट्स के जनरल सेक्रेटरी अभिषेक मित्तल आज आएंगे ललितपुर

वेब वार्ता, आलोक चतुर्वेदी

ललितपुर। इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ ज्यूरिस्ट्स, लंदन के जनरल सेक्रेटरी एवं अधिवक्ता अभिषेक मित्तल 10 अगस्त को ललितपुर आएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वह सोमवार को सुबह करीब 11:30 बजे शताब्दी एक्सप्रेस से ललितपुर रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे। ललितपुर पहुंचने के बाद अभिषेक मित्तल जिला बार एसोसिएशन ललितपुर के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। इसके उपरांत वह जिला बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं अधिवक्ताओं के साथ बैठक कर विभिन्न विषयों पर चर्चा करेंगे।

कार्यक्रम के बाद शाम करीब 5 बजे शताब्दी एक्सप्रेस से दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे। उनके ललितपुर आगमन को लेकर अधिवक्ताओं में उत्साह है। इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ ज्यूरिस्ट्स के सदस्य अखिलेश कुमार शर्मा ने उक्त जानकारी देते हुए सभी अधिवक्ता साथियों से अभिषेक मित्तल के स्वागत के लिए ललितपुर रेलवे स्टेशन पहुंचने की अपील की है।

झाड़-फूंक के बहाने युवती से गलत कार्य का आरोप, आरोपी हिरासत में

वेब वार्ता, लक्ष्मीकांत पाठक

हरदोई। थाना सवायजपुर क्षेत्र के ग्राम जैतापुर में इलाज और झाड़-फूंक के लिए लाई गई युवती के साथ गलत कार्य किए जाने का मामला सामने आया है।

पीड़िता के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

पुलिस के अनुसार, वादी ने 08 अगस्त को थाना सवायजपुर में तहरीर देकर बताया कि छह अगस्त को वह अपनी पुत्री का इलाज कराने एवं झाड़-फूंक के लिए ग्राम जैतापुर निवासी भगत रामकीर्ति के पास लेकर आया था। आरोप है कि इसी दौरान भगत रामकीर्ति ने युवती को अपने कमरे में बुलाया और उसके साथ गलत कार्य किया। तहरीर के आधार पर थाना सवायजपुर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया है। मामले में अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई प्रचलित है। इस संबंध में क्षेत्राधिकारी हरपालपुर श्री प्रवीण कुमार यादव ने पुलिस कार्रवाई की जानकारी दी।

खेत से पंपिंग सेट चोरी, ई-रिक्शा समेत दो आरोपी गिरफ्तार

वेब वार्ता, लक्ष्मीकांत पाठक

संडीला। थाना संडीला पुलिस ने खेत से पंपिंग सेट चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी का पंपिंग सेट और घटना में प्रयुक्त ई-रिक्शा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, सात अगस्त को ग्राम किकरा दाउदपुर निवासी राजू पुत्र नन्हके ने थाने में तहरीर देकर बताया था कि अज्ञात चोर उसके खेत से पंपिंग सेट चोरी कर ले गए हैं। तहरीर के आधार पर थाना संडीला में मुकदमा अपराध संख्या 306/26, धारा 303(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

विवेचना के दौरान पुलिस ने मामले में आरिफ पुत्र मासूक अली और नसीम पुत्र नसीब अली, दोनों निवासी ग्राम किकरा दाउदपुर, थाना संडीला, को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से एक पंपिंग सेट और चोरी की घटना में प्रयुक्त ई-रिक्शा बरामद किया गया। मामले में अन्य आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक मुकेश कौशार्य, हेड कांस्टेबल राजेश यादव, कांस्टेबल सादिक खान, मनी कुमार और आफताब शामिल रहे।

सावन के पावन महीने में रेलवे स्टेशन पर शिव चालीसा एवं भंडारे का आयोजन

वेब वार्ता, कुशीनगर। कुशीनगर जिले में सावन मास के पावन अवसर पर रविवार, 9 अगस्त 2026 को हम हैं सुबह के सिकंदर ग्रुप एवं योगा ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में रेलवे स्टेशन पडरौना परिसर में भगवान भोलेनाथ की शिव चालीसा एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समूह के सदस्यों ने पूरे श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ सहभागिता करते हुए आयोजन को सफल बनाया। शिव चालीसा पाठ के पश्चात श्रद्धालुओं एवं राहगीरों के लिए भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तजनों ने प्रसाद ग्रहण किया।

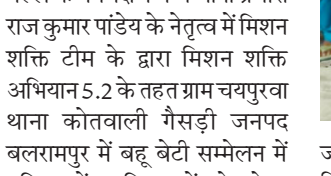

कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि मनीष बुलबुल जायसवाल की विशेष उपस्थिति रही उन्होंने अन्य सदस्यों के साथ मिलकर श्रद्धालुओं को श्रद्धापूर्वक प्रसाद वितरित किया। इस दौरान पूरा रेलवे स्टेशन परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर नजर आया। आयोजन का मनमोहक एवं आध्यात्मिक वातावरण उपस्थित लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इस दौरान मनीष जायसवाल ने अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सावन केवल आस्था का महीना नहीं, बल्कि प्रकृति के नवजीवन का भी प्रतीक है। वर्षा ऋतु में धरती, जल और हरियाली का संतुलन हमारे जीवन को सीधे प्रभावित करता है। भगवान श्री शंकर जी के स्वरूप में भी प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण का गहरा संदेश मिलता है।

2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने की अपील

व्यापारियों की बैठक में भाजपा सरकार पर साधा निशाना

हरदोई। समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश सचिव एवं हरदोई नगर पालिका परिषद अध्यक्ष पद के पूर्व प्रत्याशी रामज्ञान गुप्ता ने सर्कुलर रोड स्थित नगर के व्यापारियों, व्यापार सभा के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने वर्ष 2027 में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने की अपील की।

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

बैठक को संबोधित करते हुए रामज्ञान गुप्ता ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था बदहाल हो गई है। हर जिले में महिलाओं और बेटियों के साथ अपराध की घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं खुद को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। भाजपा सरकार का कानून व्यवस्था और अपराध पर जीरो टॉलरेंस का दावा महज दिखावा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है और भाजपा की राजनीति नफरत पर आधारित है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में छात्र, नौजवान और किसान सबसे अधिक परेशान हैं। रामज्ञान गुप्ता ने अयोध्या में राम मंदिर के दान पात्र से चढ़ावे की कथित चोरी का जिक्र करते हुए कहा कि जो सरकार मंदिर के दान पात्र की सुरक्षा नहीं कर पाई, उससे पेपर लीक रोकने की उम्मीद नहीं की जा सकती। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने देश के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के साथ खिलवाड़ किया है और युवाओं व छात्रों के भविष्य के साथ भी खिलवाड़ किया जा रहा है।

सपा व्यापार सभा के प्रदेश सचिव ने कहा कि देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले व्यापारी भी परेशान हैं। उनके साथ लूट, हत्या और अपहरण जैसी घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार चरम पर है और कानून का भय दिखाकर व्यापारियों का उत्पीड़न किया जा रहा है।

रामज्ञान गुप्ता ने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की जनता को विकास के नाम पर केवल धोखा दिया है। किसान समय से डीएपी और यूरिया खाद न मिलने के कारण परेशान हैं। स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति भी खराब है और गरीबों को अस्पतालों में समुचित इलाज नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेजों के नाम पर कई जिलों में केवल भवन खड़े हैं, जबकि पर्याप्त संख्या में डॉक्टर, प्रोफेसर और तकनीकी स्टाफ उपलब्ध नहीं है। इसके चलते मरीज निजी अस्पतालों में इलाज कराने को मजबूर हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार से समाज का हर वर्ग निराश है। जनता अब भाजपा सरकार की कथित नाकामियों को समझ चुकी है। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता भाजपा को सत्ता से हटाकर उसके शासन का अंत करेगी।

सपा व्यापार सभा के जिला महासचिव अवनीश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में किसान, नौजवान और व्यापारी सभी परेशान हैं। पीडीए से भाजपा घबराई हुई है और उसकी साख लगातार गिर रही है। उन्होंने कहा कि जनता का हर वर्ग परेशान है और 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा का सफाया करने के लिए संकल्पित है।

अब मुस्कुराएंगे बुद्ध, 17 करोड़ से नए कलेवर में दिखेगा संग्रहालय

वेब वार्ता, कुशीनगर। महात्मा बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर स्थित राजकीय बौद्ध संग्रहालय जल्द ही भव्य और विश्वस्तरीय स्वरूप में नजर आएगा। प्रदेश सरकार ने संग्रहालय के समग्र जीर्णोद्धार, आधुनिकीकरण और सुंदरीकरण के लिए करीब 17 करोड़ रुपये की परियोजना को हरी झंडी दे दी है। अब यहां महात्मा बुद्ध के संदेश और उनका स्वरूप नए कलेवर में मुस्कराएंगे। तीन करोड़ रुपये की प्रथम किस्त जारी होने के साथ ही कार्यदाई संस्था जल निगम की विशेष निर्माण इकाई कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन (सी एंड डीएस) ने काम शुरू करा दिया है। जीर्णोद्धार के बाद पूरा संग्रहालय परिसर वातानुकूलित और अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा।

पुनर्विकास योजना के तहत संग्रहालय के मुख्य प्रवेश द्वार को आकर्षक और भव्य ऐतिहासिक लुक दिया जाएगा। पर्यटकों और शोधार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वर्तमान टिकट काउंटर को संग्रहालय भवन से बाहर स्थानांतरित किया जा रहा है। पूरे संग्रहालय को वातानुकूलित बनाया जाएगा, जिससे ग्रीष्मकाल में आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों को सहूलियत मिलेगी।

संग्रहालय की चारों प्रमुख वीथिकाओं (गैलरी) का पूरी तरह आधुनिकीकरण किया जाएगा। इसमें कला के विविध आयाम, विभिन्न मुद्राओं में बुद्ध और मुख्य कला वीथिका" शामिल हैं। यहां बुद्ध की ध्यान, भूमि स्पर्श, अभय और धर्मचक्र प्रवर्तन जैसी विभिन्न मुद्राओं की दुर्लभ प्रतिमाओं, प्राचीन अवशेषोंऔर मृण्मूर्तियों को नई लाइट और आधुनिक डिस्प्ले शो-केस में प्रदर्शित किया जाएगा।

संग्रहालय के अज्ञेय सभागार का विस्तार कर उसमें अत्याधुनिक प्रोजेक्टर और ऑडियो-विजुअल सिस्टम लगाए जाएंगे, जिसके जरिए दर्शक भगवान बुद्ध के जीवन दर्शन और बौद्ध कला के इतिहास को डिजिटल रूप में देख सकेंगे। इसके अलावा, अध्ययन और शोध में रुचि रखने वालों के लिए संग्रहालय की लाइब्रेरी को नए और शांत परिसर में शिफ्ट कर समृद्ध बनाया जाएगा।

इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर स्थापित कुशीनगर के इस संग्रहालय को आधुनिक तकनीक से जोड़ना है।

वाराणसी: नमो घाट से हर घर तिरंगा - हर घाट तिरंगा अभियान की हुई शुरूआत

वाराणसी, 09 अगस्त (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में देश की आजादी के 80वीं वर्षगांठ पर देश भक्ति के साथ स्वच्छता का भी संदेश दिया जाएगा। जल शक्ति मंत्रालय राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन द्वारा 09 से 15 अगस्त तक आहूत हर घर तिरंगा, हर घाट तिरंगा अभियान की शुरूआत रविवार को नमामि गंगे ने नमो घाट से की। राष्ट्रभक्ति और स्वच्छता की अलख जगाते हुए आवाह्न किया गया कि ह्यहर घर तिरंगा' सिर्फ एक अभियान नहीं, बल्कि जन-जन का संकल्प बने।

अज्ञात चोरों ने नकब लगाकर नगदी सहित लाखों के जेवरात किए पार

वेब वार्ता, बेनीगंज। कोतवाली बेनीगंज प्रताप नगर चौकी क्षेत्र में बैखोप निडर अज्ञात चोरों का तांडव एक बार फिर से आया सामने। शनिवार बीती रात एक गांव में अज्ञात चोरों ने एक घर के पीछे दीवाल में नकब लगाकर नगदी सहित लाखों के जेवरात पार कर इस बड़ी चोरी को अंजाम दिया है। हुई चोरी वारदात घटना से परिजनों सहित पूरे गांव के लोगों को झकझोर कर रख दिया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने पूछताछ कर छानबीन शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के नया गांव देवरिया निवासी चांद मियां के घर बीती रात शनिवार को अज्ञात चोरों ने घर के पीछे दीवार में नकब लगाकर चोरी को अंजाम दिया। चांद मियां ने बताया बीती रात में अपने गांव के अंदर बने पुराने घर पर लेटा हुआ था सीतापुर हरदोई मैन रोड पर बना नया घर पर मेरी पत्नी राबिया खातून बरामदे में व चार बच्चें घर के बाहर वाले कमरे में लेटे सो रहे थे। सुबह मेरा बेटा मोहम्मद जैद 5:30 सो के उठा तो देखा कमरे का सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा हुआ है मुझे तुरंत सूचना मिली में तत्काल घर पर पहुंचा मौके पर मेरा सामान मौजूद नहीं मिला जिसे देखकर दंग रह गया।

विद्युत तार की चपेट में आने से अधेड़ महिला की मृत्यु

देवरिया 9 अगस्त। देवरिया जिले में पूजा के लिए फूल तोड़ने गई अधेड़ महिला की विद्युत तार की चपेट में आने से मौत हो गई। देवरिया जिले के लार उपनगर के घारी वार्ड में रविवार सुबह भरत ठाकुर की पत्नी निर्मला देवी (53) पूजा के लिए घर के पीछे कुछ दूरी पर लगे फूलों के पौधों से फूल तोड़ने गई थीं। इसी दौरान ऊपर से गुजर रहे विद्युत तार से किसी के द्वारा फेंका गया सरिया बांधने वाला पतला तार लटक रहा था।निर्मला देवी की नजर उस तार पर नहीं पड़ी और वह उसकी चपेट में आ गई।

सांसद अशोक रावत का हरदोई में भव्य स्वागत

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष एवं मिश्रिख लोकसभा क्षेत्र के सांसद अशोक रावत के जनपद हरदोई में प्रथम आगमन पर कछौना में जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। जनप्रतिनिधियों, सभासदों, व्यापारियों, भाजपा पदाधिकारियों एवं प्रबुद्धजनों ने फूल-मालाएं पहनाकर तथा प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न भेंटकर उनका अभिनंदन किया। कार्यकर्ताओं के स्नेह और उत्साह से सांसद अशोक रावत अभिभूत नजर आए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से मिशन 2027 के तहत विधानसभा चुनाव में भाजपा की जोरदार जीत के लिए जुटने का आह्वान किया।

नगर अध्यक्ष राधारमण शुक्ला उर्फ पंकज के नेतृत्व में अपना ढाबा, कछौना में सांसद का जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान सभासदों एवं व्यापारी बंधुओं ने फूल-मालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन किया। नगर अध्यक्ष राधारमण शुक्ला ने कहा कि डबल इंजन सरकार की नीतियों के चलते नगर पंचायत कछौना पतसेनी का तेजी से विकास हो रहा है। आदर्श नगर पंचायत के रूप में शहर का कायाकल्प किया जा रहा है।

इसके बाद कछौना चौराहे पर युवा नेता संचित अग्रवाल के नेतृत्व में प्रधानों एवं क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने सांसद का स्वागत किया। वहीं भाजपा मंडल अध्यक्ष मयंक सिंह के नेतृत्व में भाजपा कार्यालय पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर सांसद अशोक रावत ने कहा कि पार्टी संगठन को मजबूत करने में प्रत्येक कार्यकर्ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। भाजपा सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की भावना के साथ जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से समाज के सभी वर्गों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को और मजबूत करने तथा आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत के लिए पूरी ऊर्जा के साथ जुटने का आह्वान किया।

ग्राम चयपुरवा में मिशन शक्ति 5.2 के तहत बहू-बेटी सम्मेलन आयोजित

वेब वार्ता, कमर खान

गैसड़ी / बलरामपुर। मिशन शक्ति के पंचम चरण के शुभारंभ के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक विकास कुमार जनपद बलरामपुर के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय व क्षेत्राधिकारी अभय प्रताप मल्ल के पर्यवेक्षण में व थाना प्रभारी राज कुमार पांडेय के नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम के द्वारा मिशन शक्ति अभियान 5.2 के तहत ग्राम चयपुरवा थाना कोतवाली गैसड़ी जनपद बलरामपुर में बहू बेटी सम्मेलन में महिलाओं ,बालिकाओं को दहेज, बाल विवाह न करने के लिए जागरूक किया गया तथा बाल विवाह कानूनी अपराध है इसके बारे में भी विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम के बारे में बताया गया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाएं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना ,वृद्धा पेंशन योजना ,विधवा पेंशन योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, इत्यादि के बारे में जानकारी प्रदान की गई सभी को वूमेन पावर लाइन 1090 चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 यूपी आपातकालीन 112 एबुलेंस सेवा 102/108 महिला हेल्पलाइन 181 व साइबर हेल्पलाइन नं० 1930/ सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाएं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना इत्यादि के बारे में बताया गया ' नशा मुक्ति अभियान के तहत मादक पदार्थों से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में बताया गया और पुरुषों को सड़क सुरक्षा नियमों को पालन करने हेतु निर्देशित किया गया। महिलाओ को थाने पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्र एवं परिवार परामर्श केंद्र के बारे में बताते हुए सुगम कानूनी सहायता व शिक्षा के प्रति जागरुक किया गया ' बहू, बेटी, सास, आदि को परिवार में आपसी सामंजस्य बनाकर रहने व घरेलू विषयों पर चर्चा कर सभी को जागरूक किया गया एकत्रित सभी महिलाओ द्वारा अपना अपना व पक्ष अपनी राय भी रखी गई' सभी उपस्थित महिलाओं से समस्या के विषय में पूछा गया तो उनके द्वारा बताया गया कि किसी को कोई समस्या नहीं है।

पुलिस का मानवीय चेहरा, सड़क हादसे में घायल वृद्ध को पहुंचाया अस्पताल

वेब वार्ता, कानपुर । पावन तीर्थ बिठूर में श्रावण मास के पावन अवसर पर दर्शन-पूजन के लिए आई एक वृद्ध महिला श्रद्धालु कस्बा बिठूर स्थित परियर पुल के पास सड़क हादसे का शिकार हो गईं। एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सवार ने वृद्ध महिला को टक्कर मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सेक्टर प्रभारी टीएसआई छन्नूलाल, अपने हमराही आरक्षी रमाकांत और होमगार्ड मुकेश के साथ तत्काल मौके पर पहुँचे। पुलिस टीम ने बिना समय गंवाए घायल वृद्धा को निकटतम 'राजा नर्सिंग होम' में भर्ती कराया, जहाँ उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने वृद्ध महिला की पहचान करने की जानता से अपील की है कि इनके परिजनों से परिचित हो या इनके संबंध में कोई जानकारी रखता हो, तो कृपया तुरंत बिठूर पुलिस को राजा नर्सिंग होम से संपर्क करने की कृपा करें, ताकि समय पर उनके परिजनों तक सूचना पहुँचाई जा सके।

महत्वपूर्ण ख़बर

भारतीय मूल की महिला पर वीजा फ्रॉड के आरोप से विवाद

- वॉशिंगटन। अमेरिका में रहने वाली भारतीय मूल की बायोमेडिकल इंजीनियर साधना गुल्लापुडी को लेकर सोशल मीडिया पर वीजा फ्रॉड के आरोप लगाए जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। एक सोशल मीडिया अकाउंट ने दावा किया कि साधना 2014 से स्टूडेंट वीजा पर अमेरिका में रह रही हैं और इस दौरान वीजा नियमों का उल्लंघन करते हुए काम भी कर रही हैं। हालांकि, ह्यूस्टन के एक वकील ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि साधना स्टूडेंट वीजा पर नहीं हैं और वह अमेरिकी नागरिक हैं।

साधना टेक्सास के ह्यूस्टन में रहती हैं। सोशल मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया गया कि वह लंबे समय से एफ-1 स्टूडेंट वीजा का इस्तेमाल कर रही हैं और अलग-अलग शैक्षणिक कार्यक्रमों में दाखिला लेकर अमेरिका में रह रही हैं। पोस्ट में यह भी दावा किया गया कि वह डांसर और कैश ट्यूटर के तौर पर काम करती हैं, जो वीजा नियमों के खिलाफ है। उनके कुचिपुड़ी डांस से जुड़ा एक वीडियो भी पोस्ट के साथ साझा किया गया।

कनाडा में आरएसएस को बैन करने और भागवत के दौरे पर रोक लगाने की मांग

- ओटावा। कनाडा में भारत के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर बैन लगाने की सिफारिश की गई है। इसके अलावा आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत के कनाडा आने का विरोध हो रहा है साथ उनके यहां आने पर रोक लगाने की मांग की गई है। कनाडा की न्यू डेमोक्रेट्स फेडरल ने सरकार से मांग की है वह फासिस्ट पैरामिलिट्री संगठन यानी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख को देश में आने से रोके और कनाडा में आरएसएस पर पूरी तरह से बैन लगाया जाए।

चीन का जे-10सीई फाइटर जेट: अरबों का खर्च, झूठ की बुनियाद, फिर भी दुनिया ठुकरा रही

नई दिल्ली। राफेल को लेकर चीन द्वारा फैलाए गए लगातार झूठ और अरबों के भारी भरकम खर्च के बावजूद, उसका महत्वाकांक्षी जे-10सीई लड़ाकू विमान वैश्विक बाजार में खरीदार तलाशने में संघर्षरत दिखा रहा है।

बीजिंग ने उम्मीद की थी कि यह फाइटर जेट दुनिया भर के देशों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा, लेकिन एक साल से भी अधिक समय बीतने के बाद भी, चीनी लड़ाकू विमान के लिए कोई नया बड़ा निर्यात समझौता नहीं हुआ है। इसके विपरीत, भारत ने अपने ब्रह्मोस मिसाइल के लिए इंडोनेशिया के साथ पहले ही करार किया है, और संयुक्त अरब अमीरात तथा वियतनाम जैसे देशों के साथ बातचीत जारी है।

रिपोर्टों के अनुसार, चीनी वायुसेना (पीएलएएएफ) ने 2018 और 2023 के बीच बड़ी संख्या में जे-10सीई फाइटर जेट्स को शामिल किया था, लेकिन अब इसकी खरीद धीमी कर दी है। पीएलएएएफ अब अपना ध्यान स्टील्थ लड़ाकू विमानों के बेड़े को

बढ़ाने पर केंद्रित कर रही है, जिसमें जे-20 और जे-35ए जैसे पांचवीं पीढ़ी के प्लेटफार्मों पर बड़ा निवेश किया जा रहा है। नए विमान खरीदने के बजाय, चीनी वायुसेना अपने पुराने जे-10ए और जे-10बी वेरिएंट्स को अपग्रेड करने में निवेश कर रही है, ताकि वे जे-10सी के करीब की क्षमता हासिल कर सकें। इसमें सॉफ्टवेयर सुधार, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर क्षमताएं बढ़ाना और चीन के नेटवर्क-सेंट्रिक कॉम्बैट आर्किटेक्चर में बेहतर इंटीग्रेशन शामिल है।

साइन किया है अनुबंध

हालांकि चीनी सेना ने इसकी खरीद कम कर दी है, चीन अभी भी जे-10सीई का उत्पादन जारी रखे हुए है, उम्मीद है कि यह निर्यात बाजार में बिकेगा। इस बनाने वाली कंपनी के मुख्य डिजाइनर ने कहा है कि यह विमान अगले दो से तीन दशकों तक सेवा में रहेगा, जो चीन की निर्यात संबंधी उम्मीदों को दशार्ता है। लेकिन, अब तक पाकिस्तान ही एकमात्र ऐसा देश है जिसने जे-10सीई फाइटर जेट्स खरीदे हैं। चीन भले ही मिस्र, उज्बेकिस्तान, इंडोनेशिया, इराक और बांग्लादेश जैसे देशों की गहरी दिलचस्पी का दावा करता है, लेकिन किसी भी देश ने अभी तक इन दावों की पुष्टि नहीं की है और न ही कोई आधिकारिक अनुबंध साइन किया है।

पीएम मोदी के पास आया अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का फोन

रणनीतिक साझेदारी समेत कई मुद्दों पर चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बीच फोन पर अहम बातचीत हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति का फोन आया था, जिसके दौरान भारत-अमेरिका की व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि बातचीत के दौरान उन्होंने जेडी वेंस और उनकी पत्नी को बेटे के जन्म पर बधाई दी। उन्होंने वेंस के पूरे परिवार के लिए अपनी शुभकामनाएं भी प्रेषित कीं। हालांकि, अमेरिकी पक्ष की ओर से अभी बातचीत के एजेंडे और अन्य मुद्दों को लेकर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

जेडी वेंस की प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत ऐसे समय हुई है, जब तुर्की, सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच आपसी रक्षा सहयोग को लेकर एक अहम समझौता हुआ है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच इस समझौते को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ईरान ने इस समझौते को लेकर सवाल उठाए हैं और इसे केवल कागजी आश्वासन बताया है। भारत-अमेरिका बातचीत के बीच व्यापार से जुड़ा मुद्दा भी महत्वपूर्ण बना हुआ है। अमेरिका में रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने से जुड़ा एक विधेयक चर्चा में है। भारत और चीन समेत कई देशों पर इसका असर पड़ सकता है। यदि यह प्रस्ताव अमेरिकी संसद के दूसरे सदन से भी पारित होता है और लागू किया जाता है, तो भारत के लिए व्यापारिक मोर्चे पर चुनौती बढ़ सकती है।

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील को लेकर बातचीत लगातार जारी है। दोनों देश व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने और बाजार पहुंच से जुड़े मुद्दों पर सहमति बनाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में मोदी और वेंस के बीच हुई बातचीत को व्यापक द्विपक्षीय संबंधों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद माइकल बोलोस निजी यात्रा पर कोच्चि पहुंचे।

इंडोनेशिया में सूखा नमक किसानों के लिए वरदान व कमाई का जरिया बना

भारत में कम बारिश की आशंका किसानों और कृषि क्षेत्र की चिंता बढ़ा रही

नई दिल्ली। भारत में सूखे को हमेशा कृषि और खाद्य सुरक्षा के लिए चुनौती माना जाता है, लेकिन इंडोनेशिया में यही सूखा नमक किसानों के लिए रिकॉर्ड उत्पादन और बेहतर कमाई का जरिया बन गया है। अल नीनो के प्रभाव से वहां लंबे समय से गर्म और शुष्क मौसम बना हुआ है, जिससे समुद्री नमक का उत्पादन कई गुना बढ़ गया है। वहीं भारत में कम बारिश की आशंका किसानों और कृषि क्षेत्र की चिंता बढ़ा रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत की ज्यादातर खेती मानसून पर निर्भर है। धान, दाल, मक्का, गन्ना जैसी प्रमुख फसलों के लिए समय पर बारिश जरुरी है। बारिश कम होने पर उत्पादन घटता है, किसानों की आय प्रभावित होती है और खाद्यान्न महंगा होने का खतरा बढ़ जाता है। इसके विपरीत इंडोनेशिया के तटीय इलाकों में नमक उत्पादन के लिए तेज धूप

और कम बारिश सबसे अनुकूल मानी जाती है। यहां समुद्र का पानी उथले तालाबों में भरकर सुखाया जाता है, जिससे पानी के वाष्पीकरण के बाद नमक के क्रिस्टल तैयार होते हैं। अल नीनो के कारण इंडोनेशिया में इस बार सामान्य से ज्यादा गर्मी और कम बारिश हुई।

मौसम एजेंसी के मुताबिक देश के कई हिस्सों में सूखा सामान्य से ज्यादा लंबा खिंच गया है और इसके 2027 की शुरूआत तक प्रभावी रहने की संभावना है। लगातार शुष्क मौसम ने नमक उत्पादन को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। इंडोनेशिया के प्रमुख नमक उत्पादक क्षेत्र सिरेबोन में जुलाई 2026 में करीब 600 मीट्रिक टन नमक का उत्पादन हुआ, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह केवल 25 से 30 मीट्रिक टन था यानी एक साल में उत्पादन करीब 20 गुना बढ़ गया। अधिकारियों का मानना है कि यदि अक्टूबर तक सूखा बना रहा तो इस साल रिकॉर्ड उत्पादन हो सकता है। हालांकि इंडोनेशिया के नमक किसानों के लिए यह स्थिति लाभकारी है, लेकिन वैश्विक कृषि के लिए चिंता का विषय है।

रिपोर्ट के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन ने चेतावनी दी है कि 2026 के अंत तक वैश्विक खाद्य कीमतों में फिर तेजी आ सकती है। पश्चिम एशिया और यूक्रेन में जारी संघर्ष, बढ़ती ईंधन लागत और महंगे उर्वरकों ने भी कृषि क्षेत्र पर अतिरिक्त दबाव बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक खाद्य बाजार की नजर इस समय भारत के मानसून पर टिकी हैं। भारत दुनिया कां सबसे बड़ा चावल निर्यातक और दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। ऐसे में यदि मानसून कमजोर रहता है और धान की फसल प्रभावित होती है, तो इसका असर केवल भारत तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय खाद्य बाजार में भी कीमतों पर इसका असर पड़ सकता है।

जिनपिंग के दौरे से पहले भारत ने चीन को दिए 3 टास्क

नई दिल्ली। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के सितंबर में प्रस्तावित भारत दौरे से पहले नई दिल्ली और बीजिंग के बीच कूटनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं।

भारत में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में जिनपिंग के शामिल होने की संभावना के बीच दोनों देशों ने सीमा पर तनाव को नियंत्रित रखने पर जोर दिया है। यह दौरा हुआ तो करीब सात साल बाद जिनपिंग की भारत यात्रा होगी। इसी क्रम में भारत और चीन के बीच 6 अगस्त को नई दिल्ली में सीमा मामलों पर वर्किंग मैकेनिज्म फॉर कंसल्टेशन एंड कोऑर्डिनेशन यानी डब्ल्यूएमसीसी की 36वीं बैठक हुई। बातचीत में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की स्थिति, सीमा प्रबंधन, सीमांकन और सीमा पार सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने माना कि सीमा पर शांति और स्थिरता द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए बेहद जरूरी है। भारत ने बातचीत में यह स्पष्ट किया कि सीमा पर शांति बनाए रखना दोनों देशों के व्यापक रिश्तों के लिए अहम है। साथ ही गलतफहमी और गलत आकलन से

बचने के लिए मौजूदा राजनयिक और सैन्य संवाद तंत्र को लगातार सक्रिय रखने पर सहमति बनी। इसमें सैन्य स्तर पर स्थानीय कमांडर बैठकें और अन्य स्थापित संवाद माध्यम शामिल हैं।

सीमा विवाद के साथ सीमा पार नदियों का मुद्दा भी भारत के लिए महत्वपूर्ण है। इससे पहले मई में हुई डब्ल्यूएमसीसी बैठक में भारत ने सीमा पार नदियों से जुड़े विशेषज्ञ स्तर के तंत्र की अगली बैठक जल्द आयोजित करने पर जोर दिया था। दोनों देशों ने राजनयिक और सैन्य स्तर पर नियमित संपर्क जारी रखने की प्रतिबद्धता भी दोहराई थी। भारत-चीन संबंध 2020 के गलवान संघर्ष के बाद लंबे समय तक तनावपूर्ण रहे। इसके बाद दोनों पक्षों ने कई चरणों की सैन्य और राजनयिक वार्ता के जरिए सीमा पर तनाव कम करने की कोशिश की। हाल के वर्षों में कुछ क्षेत्रों में सैनिकों की वापसी और संवाद की बहाली से संबंधों को धीरे-धीरे सामान्य करने की प्रक्रिया आगे बढ़ी है।

अब जिनपिंग की संभावित भारत यात्रा को इसी प्रक्रिया की अगली बड़ी परीक्षा के तौर पर देखा जा रहा है। भारत की प्राथमिकता साफ है कि सीमा पर शांति और स्थिरता बनी रहे और किसी भी गलतफहमी को सैन्य टकराव में बदलने से पहले संवाद के जरिए सुलझाया जाए। चीन इस दिशा में कितना सहयोग करता है, इसका असर दोनों देशों के रिश्तों को सामान्य करने की गति पर पड़ेगा।

इस्तीफे के बाद धर्मेंद्र प्रधान ने तोड़ी चुप्पी, बोले- जेन जी हमारे बच्चे हैं

भुवनेश्वर। नीट पेपर लीक के मुद्दे पर हुए कॉरोच पार्टी प्रोटेस्ट के बाद शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा देने वाले धर्मेंद्र प्रधान ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। भुवनेश्वर के जीएम विश्वविद्यालय में छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए उन्होंने अपने इस्तीफे को लेकर पहली सार्वजनिक प्रतिक्रिया दी। प्रधान ने कहा कि जेन जी हमारे बच्चे हैं और कुछ लोगों ने उन्हें गुमराह करने की कोशिश की। संबलपुर से सांसद प्रधान ने कहा कि देश में हर साल करीब दो करोड़ बच्चे जन्म लेते हैं और पिछले 10 वर्षों में करीब 20 करोड़ बच्चे इस पीढ़ी का हिस्सा बने हैं। उन्होंने कहा कि इन युवाओं की अपनी आकांक्षाएं हैं और यही पीढ़ी भारत को विश्व गुरु बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। प्रधान ने स्पष्ट किया कि उनके लिए मंत्री पद महत्वपूर्ण नहीं था।

उन्होंने कहा कि नीट पेपर लीक के मुद्दे पर युवाओं को गुमराह करने की कोशिश हुई थी। 20 जुलाई की घटनाओं और बच्चों व देश की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्होंने इस्तीफा देने का फैसला किया। प्रधान इस्तीफे के बाद भी कई बार यह आरोप लगा चुके हैं कि छात्रों को गलत जानकारी देकर भ्रमित किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर आलोचनाओं के बीच प्रधान को अपने गृह राज्य ओडिशा में भी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। बीजू जनता दल के कार्यकर्ता उनके कई कार्यक्रमों में नारेबाजी और प्रदर्शन कर चुके हैं। रायराखोल में एक कार्यक्रम के दौरान भी प्रधान के खिलाफ नारे लगाए गए। विरोध पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधान ने कहा कि वह इन नारों से परेशान नहीं हैं।

उन्होंने खुद को किसान का बेटा बताते हुए कहा, ह्लभले ही आप मुझे वापस जाने के लिए कहें, मैं वापस नहीं जाऊंगा, मैं लौटकर आऊंगा। प्रधान ने बीजेडी अध्यक्ष नवीन पटनायक पर युवाओं को उनके खिलाफ भड़काने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि पटनायक उन्हें ओडिशा के लोगों के लिए शर्म की बात और बुरा व्यक्ति बताते हैं, लेकिन उन्होंने कभी ऐसा कोई काम नहीं किया जिससे राज्य के लोगों को शर्मिंदगी उठानी पड़े। प्रधान ने कहा कि वह ऐसा कोई काम नहीं करेंगे जिससे ओडिशा की प्रतिष्ठा धूमिल हो। जिस कार्यक्रम में उन्होंने यह बयान दिया, वहां बीजेडी विधायक और ओडिशा विधानसभा के उपनेता प्रसन्ना आचार्य भी मौजूद थे।

17 सालों में हुए उपचुनावों में सत्तारूढ़ दल की हमेशा विपक्ष पर मामूली बढ़त रही

नई दिल्ली। पिछले 17 सालों में हुए विधान सभा उपचुनावों में सत्तारूढ़ दल हमेशा विपक्ष पर मामूली बढ़त के साथ भारी पड़े हैं। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि 2009 से अगस्त 2026 के बीच कुल 709 उपचुनाव हुए हैं। इनमें से 53 फीसदी पर सत्तारूढ़ दलों ने जीत हासिल की, जबकि विपक्ष 47 फीसदी सीटों पर जीता। बिहार, मध्यप्रदेश और गुजरात में हाल ही में हुए उपचुनावों के नतीजे सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच कड़ी टक्कर को दशार्ते हैं। इन चुनावों में नई पार्टी जन सुराज और कांग्रेस ने तीन में से दो सीटें जीती हैं। बीजेपी ने केवल गुजरात में एक सीट जीती है। खास बात यह है कि 17 सालों में दोनों दलों का चुनावी प्रदर्शन लगभग समान रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 2009 से 2013 के बीच जहां विपक्षी दलों ने 62 जीत दर्ज की थी, वहीं 2019 से 2023 के बीच यह संख्या बढ़कर 125 तक पहुंच गई, लेकिन 2024 से अगस्त 2026 के बीच प्रदर्शन में गिरावट आई और विजयी सीटों की संख्या घटकर 47 रह गई। ठीक इसी तरह सत्तारूढ़ दलों का प्रदर्शन भी रहा। 2009 से 2013 में सत्ता पक्ष के दलों ने उपचनावों में 66 सीटों पर जीत दर्ज की थी, जो विपक्ष की तरह ही 2019 से 2023 के बीच बढ़कर 125 तक पहुंच गई। ताजा आंकड़ों में उनका हाल भी विपक्ष जैसा ही रहा और 2024 से अगस्त 2026 के बीच जीती सीटों की संख्या 65 रह गई।

पार्टी स्तर पर सत्तारूढ़ दलों में सबसे ज्यादा 30 फीसदी सीटें बीजेपी ने जीती। इसके बाद कांग्रेस 27 फीसदी और टीएमसी 6 फीसदी का नंबर आता है। विपक्षी दलों की जीत में कांग्रेस 41 फीसदी के साथ सबसे आगे रही, उसके बाद बीजेपी विपक्ष में रही है तो उसने भी 17 फीसदी और समाजवादी पार्टी ने 8 फीसदी सीटों पर जीत दर्ज की। आंकड़ों से पता चलता है कि जहां विपक्षी दलों ने विधान सभा उपचुनावों में लगातार अपनी उपस्थिति का विस्तार किया है, वहीं सत्तारूढ़ दल एक मामूली बढ़त बनाए हुए है।

थाईलैंड से नई दिल्ली आ रही फ्लाइट का पायलट डॉप टेस्ट पॉजिटिव

नई दिल्ली। थाईलैंड से नई दिल्ली आ रही एयरइंडिया की फ्लाइट में आए टबुर्लेंस मामले में एक बड़ा अपडेट सामने आया है. कहा जा रहा है कि फ्लाइट का पायलट डोपटेस्ट पॉजिटिव आया है. घटना 4 अगस्त की है. ये फ्लाइट टबुर्लेंस में फंसी हुई थी, जिसमें 17 लोग घायल हो गए थे.

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पायलट का डोप टेस्ट दिल्ली पहुंचने के बाद लिया गया है. इसमें पॉजिटिव आने का मतलब है कि पायलट ने किसी नशीले पदार्थ का सेवन किया था.

चांद पर इंसान पहुंच गया, पर कैलाश पर कोई नहीं पहुंच सका ?

नई दिल्ली। मानव ने चांद पर कदम रखे, गहरे समुद्रों में सुरंगें बनाईं और माउंट एवरेस्ट जैसे दुनिया के सबसे ऊंचे पर्वत को भी फतह कर लिया है। आज एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए लंबी कतारें लगती हैं और भुगतान करके लोग शिखर तक पहुंच जाते हैं। लेकिन, भगवान शिव का धाम माने जाने वाला कैलाश पर्वत आज भी अछूता है। हैरानी की बात यह है कि कैलाश पर्वत एवरेस्ट से लगभग 2000 मीटर छोटा है, फिर भी कोई इंसान इस पर आज तक चढ़ नहीं पाया है।

ऐसा नहीं है कि इस पर चढ़ने की कोशिशें नहीं हुईं। करीब सौ साल पहले, दो अंग्रेज पर्वतारोहियों ने इस पर चढ़ने का रास्ता भी खोज लिया था, लेकिन अंतिम क्षण में कुछ ऐसा हुआ कि उन्हें वापस लौटना पड़ा। इसे संयोग कहें या कोई ईश्वरीय संकेत, यह रहस्य आज भी बरकरार है। दुनिया के महानतम पर्वतारोहियों में से एक, राइनहोल्ड मेसनर को तो एक देश की सरकार ने कैलाश पर चढ़ने की विशेष अनुमति दी थी, लेकिन उन्होंने भी मना कर दिया। उन्होंने जाते-जाते जो कहा, वह इस कहानी का सबसे अहम हिस्सा है: अगर हमने इस पर्वत को जीत लिया, तो हम किसी ऐसी चीज को जीत लेंगे, जिसमें लोगों की आस्था बसती है।

आखिर कैलाश को इतना खास क्या बनाता है? कुछ लोग दावा करते हैं कि कैलाश के आसपास समय का

...और कैलाश पर्वत भी उन्हीं में से एक है

इतिहास में कई पर्वतारोहियों ने यहां चढ़ने की कोशिश की, लेकिन हर बार उन्हें असफलता ही मिली। समय के साथ यह विश्वास और मजबूत हो गया कि यह पर्वत जीतने के लिए नहीं, बल्कि पूजने के लिए है। आज कैलाश पर्वत पर चढ़ाई पूरी तरह प्रतिबंधित है। यह उन कुछ स्थानों में से एक है, जहां इंसान ने अपनी सीमाओं को स्वीकार किया है। जहां एवरेस्ट पर आज कचरा, टूटे उपकरण और लावारिस शव तक मिल जाते हैं, वहीं कैलाश आज भी शांत, पवित्र और अछूता है। शायद कुछ चीजें जीतने के लिए नहीं होतीं, बल्कि उनके आगे सिर झुकाने के लिए होती हैं, और कैलाश पर्वत भी उन्हीं में से एक है।

असर अलग होता है, जहां नाखून और बाल तेजी से बढ़ते हैं और पर्वत के पास जाने वाले लोग जल्दी बूढ़े हो जाते हैं। हालांकि, इन दावों का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है और ये ज्यादातर किंवदंतियों पर आधारित हैं। असल में, ऊंचाई पर ऑक्सीजन की कमी, मौसम की कठोर परिस्थितियां और मानसिक दबाव मिलकर इंसान को भ्रमित कर सकते हैं।वास्तव में, कैलाश की पवित्रता इसकी धार्मिक और भौगोलिक महत्ता में निहित है। यह केवल हिंदुओं के लिए ही नहीं, बल्कि बौद्ध धर्म में ध्यान का केंद्र, जैन धर्म में पहले तीर्थंकर ऋषभदेव के मोक्ष स्थल और तिब्बत के बोन धर्म में धरती की आत्मा माना जाता है। यानी, चार प्रमुख धर्म इस एक पर्वत को श्रद्धा से देखते हैं। इस पर्वत के आसपास से सिंधु, सतलुज, ब्रह्मपुत्र और कणार्ली जैसी चार प्रमुख नदियां निकलती हैं, जिनका पानी करोड़ों लोगों के जीवन का आधार है।

महत्वपूर्ण ख़बर

तेंदुए के अवैध शिकार एवं तस्करी मामले में एमपी एसटीएसएफ ने 8वें शिकारी को किया गिरफ्तार

- भोपाल। राज्य में वन्यजीव तेंदुए के अवैध शिकार एवं तस्करी के संगठित गिरोह के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान में मध्यप्रदेश स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स ने एक और आरोपी शिकारी को गिरफ्तार किया है। उत्तरप्रदेश के आगरा से 23 जुलाई को पकड़े गये इस शिकारी गिरोह का यह आठवां सदस्य है। आरोपी के कब्जे से तेंदुए का कंकाल, दूसरे अंग और शिकार में प्रयुक्त फंदे बरामद किए गये हैं।

अंतर्राज्यीय शिकार एवं तस्करी गिरोह के विरुद्ध यह एसटीएसएफ के विशेष अभियान में 23 जुलाई 2026 को उत्तरप्रदेश के आगरा में तेंदुए की 10 खालों के साथ शिकारी तस्करों को पकड़ा गया था। प्रकरण के तार मध्यप्रदेश से जुड़े पाए जाने पर एसटीएसएफ मध्यप्रदेश और स्थानीय वन अमले की संयुक्त टीमों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया था। उनके कब्जे और निशानदेही से बड़ी मात्रा में तेंदुए के अवयव बरामद किए गए तथा दो वन अपराध प्रकरण दर्ज किए गए।

मुख्यमंत्री को दुबई में होने वाली एनुअल इन्वेस्टमेंट मीटिंग का आमंत्रण

- भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से समत्व भवन, मुख्यमंत्री निवास में ग्लोबल फाउंडेशन दुबई के प्रेसिडेंट डॉ. दाऊद अल शेजावी ने भेंट की। डॉ. शेजावी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को 7 से 9 सितंबर तक दुबई में होने वाली एनुअल इन्वेस्टमेंट मीटिंग कांग्रेस-2026 के 15वें संस्करण का आमंत्रण दिया। इस कार्यक्रम में मुख्य फोकस सस्टेनेबल निवेश , डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, आर्थिक विविधिता, उभरते बाजार और अंतर्राष्ट्रीय साझेधारी पर रहेगा।

10 घंटे की मूसलाधार बारिश से हाहाकार

नर्मदा समेत तीन नदियां उफनीं, पुल डूबने से जबलपुर से टूटा संपर्क

डिंडौरी। जिले में बीते 10 घंटे से लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। जिला मुख्यालय में ही 5 इंच से अधिक बारिश दर्ज की गई है। नर्मदा, खरमेर और चकरार नदी उफान पर हैं। पहली बार जिले में इस स्तर की बारिश देखी गई है। मौसम विभाग के अनुसार अभी और बारिश होने की संभावना है, जिससे हालात और बिगड़ सकते हैं।

शहर का संपर्क टूटा, दोनों पुल डूबे

भारी बारिश के कारण नर्मदा नदी पर बना जिला मुख्यालय का पुल और जबलपुर मार्ग में स्थित जोगी टिकरिया पुल सुबह 5:30 बजे से पानी में डूब गए हैं। पुल डूबते ही प्रशासन ने दोनों ओर बैरिकेड लगाकर आवागमन पूरी तरह रोक दिया है। पुल डूबने से डिंडोरी से जबलपुर, जबलपुर से अमरकंटक और शहडोल मार्ग का संपर्क टूट गया है। वहीं डिंडोरी से मंडला मार्ग भी बंद कर दिया गया है। दोनों पुलों के दोनों ओर सैकड़ों वाहन फंस गए हैं और बड़ी संख्या में यात्री रास्ते में रुके हुए हैं। शहर के बीचों-बीच आवागमन पूरी तरह ठप हो गया है।

नदी किनारे बसे घरों में घुसा पानी, राहत कार्य जारी

नर्मदा नदी किनारे बने मंदिर और घाट पूरी तरह डूब गए हैं। नदी किनारे स्थित घरों में 3 से 4 फीट तक पानी भर गया है। प्रशासन ने सुबह से ही नदी किनारे बसे घरों को खाली कराना शुरू कर दिया है। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। जिला मुख्यालय सहित निचले इलाकों में जगह-जगह पानी भर गया है। कई घरों में पानी घुसने से लोगों का सामान भीग गया है।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी बिगड़े हालात

जिले के बजाग, करंजिया सहित अमरकंटक क्षेत्र में भी जोरदार बारिश हो रही है। लगातार बारिश से वहां भी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। खरमेर और चकरार नदी के उफान से आसपास के गांवों में भी जलभराव की स्थिति बन गई है। स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट पर है। कलेक्टर के निर्देश पर सभी मार्गों को बंद कर दिया गया है। नदी किनारे निगरानी बढ़ा दी गई है। एसडीआरएफ और पुलिस की टीमों को तैनात किया गया है।अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे नदी-नालों के पास न जाएं और अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार जिले में पहली बार एक साथ इतनी लंबी और तेज बारिश हुई है। लगातार हो रही बारिश से फसलों को भी नुकसान की आशंका जताई जा रही है।मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे तक भारी बारिश का अनुमान जताया है। प्रशासन ने सभी से सतर्क रहने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

भोपाल में रैपिडो राइडर पर जानलेवा हमला

भोपाल। पुराने शहर के एसिड मार्केट में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात गाली देने की बात को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। तीन युवकों ने रैपिडो बाइक चालक को रास्ते में रोककर चाकू से हमला कर दिया। आरोपितों ने उसके गले और कंधे पर गंभीर वार किए, जबकि पेट और पीठ पर भी चाकू मारा। घायल युवक को उसके परिचित तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे। पुलिस ने तीनों आरोपितों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार निशातपुरा के विश्वकर्मा नगर निवासी 21 वर्षीय हासिल अली, पिता संजय साहू, रैपिडो बाइक चलाता है। शुक्रवार रात उसे कमला पार्क के पास से एक राइड की बुकिंग मिली थी। वह मौके पर पहुंच पाता, इससे पहले ही बुकिंग रद हो गई। इसके बाद वह बाइक से पीरगेट होते हुए एसिड मार्केट की तरफ जा रहा था। इसी दौरान बाइक से आए अल्फेज, अयान फटी और साहिल काला ने उसे रोक लिया। तीनों ने आरोप लगाया कि हासिल उनके बारे में गाली-गलौज करता है।

गाली-गलौज के बाद आरोपियों ने निकाल लिया चाकू

हासिल ने आरोप से इनकार करते हुए सफाई दी, लेकिन बात बढ़ गई। आरोपितों ने पहले उसके साथ गाली-गलौज की और फिर अचानक चाकू निकालकर हमला कर दिया। हमले में उसके गले और कंधे पर गंभीर चोटें आईं, जबकि पेट और पीठ पर भी वार किए गए। वारदात के बाद तीनों आरोपित मौके से फरार हो गए। घायल हासिल को उसके साथियों ने अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार कराया गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने बयान दर्ज कर आरोपितों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया।

भाई से पुराने विवाद की भी जांच

एसआई दयाशंकर पांडे के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपितों का घायल के बड़े भाई साहिल से पहले से विवाद चल रहा है। पुलिस अब इसी पुराने विवाद को हमले की वजह से जोड़कर भी जांच कर रही है। आरोपितों की तलाश में उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

भोपाल में 8वीं की छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

कलाई कटी, शरीर पर जख्म और दो स्याही में लिखा मिला सुसाइड नोट

भोपाल। एमपी नगर थाना क्षेत्र में स्कूल के लिए घर से निकली आठवीं कक्षा की 14 वर्षीय छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।

छात्रा का शव घर के पास स्थित एक बंद स्टोर रूम में फंदे पर लटका मिला। उसके शरीर पर कलाई की नस कटने, घुटनों के छिलने और पैरों के नाखूनों में चोट के निशान हैं। स्टोर रूम से सटी बाथरूम में भी खून मिलने से मामला और संदिग्ध हो गया है। स्वजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस की जांच पर भी सवाल उठाए हैं।

छात्रा पड़ोस के एक स्कूल में आठवीं कक्षा में पढ़ती थी और चार भाई-बहनों में तीसरे नंबर की थी। गुरुवार सुबह करीब 10:45 बजे वह स्कूल के लिए घर से निकली थी। छुट्टी के बाद शाम पांच बजे तक घर नहीं पहुंची तो स्वजनों ने उसकी तलाश शुरू की।

काफी तलाश के बाद भी सुराग नहीं मिलने पर वे एमपीनगर थाने पहुंचे। पुलिस ने जांच करने की बजाए

पहले आसपास के सीसीटीवी कैमरों की मदद से तलाश करने को कहा। देर रात तक छात्रा का पता नहीं चलने पर गुमशुदगी दर्ज की गई।

शुक्रवार शाम करीब सात बजे छात्रा का शव घर के पास स्थित स्टोर रूम में मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कमरे का ताला खुलवाया तो छात्रा छत के कुंदे से फंदे पर लटकी मिली। कमरे में फंदे के पास कूलर रखा था। छात्रा के हाथ की नस कटी थी। साथ ही उसके घुटनों और पैरों के नाखून में चोट थी। पुलिस का अनुमान है कि छात्रा ने कूलर पर चढ़कर फंदा लगाया होगा। शार्ट पीएम में मौत का कारण फांसी लगना बताया गया है।

दो रंगों की स्याही वाला नोट भी बना जांच का अहम बिंदु

पुलिस को घटनास्थल के पास कूलर पर एक पन्ना मिला है। इसमें अलग-अलग रंगों की स्याही से दो भाषाओं में लिखा गया है। अंग्रेजी में लिखे हिस्से में छात्रा की मौत की विस्तृत जांच की बात कही गई है, जबकि नीचे दूसरे रंग की स्याही से हिंदी में एक युवक का नाम और उससे दोस्ती का जिक्र मिला है। पुलिस अब छात्रा के दोस्तों और सहपाठियों से पूछताछ कर इस युवक से उसके संबंधों की जानकारी जुटा रही है। स्वजनों का आरोप है कि पुलिस ने उन्हें सुसाइड नोट की जानकारी तत्काल नहीं दी। इससे नाराज परिजनों ने शनिवार को एमपी नगर थाने पहुंचकर घेराव किया और मामले को दबाने का आरोप लगाया। एएसआई दिनेश खजूरिया ने बताया कि छात्रा के दोस्तों और सहपाठियों के बयान लिए जा रहे हैं। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

मध्यप्रदेश की खुशी का भारतीय फेंसिंग टीम में चयन

भोपाल। मध्यप्रदेश की अंतर्राष्ट्रीय फेंसिंग खिलाड़ी खुशी दाभाडे का चयन सीनियर कॉमनवेल्थ फेंसिंग चैंपियनशिप-2026 के लिए भारतीय टीम में हुआ है। प्रतियोगिता 9 से 14 अगस्त 2026 तक नाइजीरिया में आयोजित की जा रही है। खुशी वुमेंस एपी स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। वे वर्तमान में भारतीय टीम के साथ नाइजीरिया में हैं। खुशी दाभाडे मध्यप्रदेश राज्य फेंसिंग अकादमी, भोपाल की खिलाड़ी हैं और वुमेंस एपी स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करती हैं। सीनियर कॉमनवेल्थ फेंसिंग चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में उनका चयन प्रदेश की फेंसिंग के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। खुशी दाभाडे इससे पहले भी कई प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। वर्ष 2021 में रूस के कजान में आयोजित एफआईई सीनियर एपी वर्ल्ड कप तथा मिस्र के काहिरा में आयोजित एफआईई एपी ग्रां प्री 2021-22 में उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व किया।

ग्वालियर में ट्रैफिक पुलिस का बड़ा एक्शन

ग्वालियर। बगैर पात्रता के अपनी गाड़ियों पर हूटर और लाल-पीली बत्ती लगाकर चलने वाले हवाबाजों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस ने शनिवार को कड़ी कार्रवाई की। शाम सात से रात 10 बजे तक चेकिंग चली। जिसमें 23 वाहनों से हूटर और बत्ती उतारी गई।

शहर की सड़कों पर खुले में ऐसे वाहन चालक हूटर और बत्ती लगाकर घूमते हैं। जिन्हें पात्रता नहीं हैं। सड़कों पर यह रौब दिखाते हैं। इसके चलते एएसपी सुजावल जग्गा ने ट्रैफिक थाना प्रभारी धनंजय शर्मा, केपी तोमर और अभिषेक रघुवंशी को टास्क दिया। शाम सात बजे से रात 10 बजे तक चेकिंग की गई। इस दौरान हूटरबाजों पर सबसे ज्यादा कार्रवाई हुई। इनके 23 चालान बनाये गए। इसके अलावा काली फिल्म लगाकर चलने वाले वाहन चालकों पर भी कार्रवाई की गई। इनसे जुमार्ना वसूला गया। इसके बाद ही छोड़ा गया।

69 लीटर हाथभट्टी शराब जब्त

आबकारी विभाग ने जिले में अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर 69 लीटर हाथ भट्टी शराब और 3200 किलो गुड़ लहान बरामद किया। जब्त शराब और नष्ट किए गए गुड़ लहान की अनुमानित कीमत तीन लाख 38 हजार 150 रुपये है। आबकारी टीम ने वृत्त क्रमांक-चार के अंतर्गत मोहनपुर स्थित कंजर डेरे में दबिश दी।

अभियान के दौरान शीला कंजर से 10 पाव देशी शराब प्लेन बरामद होने पर धारा 34(1)(क) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। वृत्त आंतरिक क्षेत्र के कंजर डेरे से 10 लीटर हाथभट्टी शराब और एक अन्य मकान से तीन लीटर हाथभट्टी शराब बरामद हुई।

भोपाल से फ्लाइट मूवमेंट बढ़ा : रोजाना 32 उड़ानें

रीवा, पटना और कोलकाता के लिए शुरू हो रही नई फ्लाइट्स, देखें शेड्यूल

भोपाल। भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट से समर सीजन के बीच बंद हुई उड़ानों की भरपाई सरकारी कंपनी एलायंस एयर करने जा रही है। कंपनी की रीवा-भोपाल उड़ान रविवार से शुरू हो जाएगी। 10 अगस्त से भोपाल के यात्रियों को पटना एवं कोलकाता की उड़ान भी मिलने लगेगी।

36 उड़ानों का संचालन

समर शेड्यूल में इस बार भोपाल से 36 उड़ानों का संचालन होने लगा था। सीजन के बीच में ही इंडिगो ने अपनी गोवा उड़ान बंद कर दी। कुछ दिनों बाद नवीं मुंबई उड़ान भी बंद हो गई।

एयर इंडिया ने दो उड़ानें कम कर दीं। बाद में एयर इंडिया एक्सप्रेस ने दिल्ली, मुंबई रूट पर तीन उड़ानें शुरू कर कम हुई उड़ानों की भरपाई कर दी।

अब सरकारी कंपनी एलायंस एयर ने भोपाल से रीवा, पटना एवं कोलकाता का हवाई कनेक्शन जोड़ने की तैयारी की है।

रविवार से रीवा उड़ान शुरू होगी। इसका औपचारिक शुभारंभ रविवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू फ्लैग आफ के साथ करेंगे।

वाया रीवा, पटना जाएगी कोलकाता उड़ान

भोपाल से रीवा एवं पटना तक सीधी उड़ान शुरू होगी। कोलकाता जाने वाले यात्रियों को एक स्टापेज के साथ उड़ान मिलेगी। सप्ताह में तीन वाया रीवा एवं तीन दिन पटना होकर यात्री कोलकाता जा सकेंगे। इन उड़ानों की शुरूआत के साथ ही भोपाल से एक बार फिर 16 जोड़ी यानी ल 32 फ्लाइट मूवमेंट प्रतिदिन हो जाएंगे।

10 शहरों के लिए 16 उड़ानें रोज

भोपाल से अब दिल्ली, मुंबई, पुणे, बेंगलुरु, हैदराबाद, रायपुर, अहमदाबाद, रीवा, पटना एवं कोलकाता का हवाई कनेक्शन जुड़ गया है। 10 शहरों के लिए प्रतिदिन 16 जोड़ी उड़ानों का संचालन होगा। दिल्ली रूट पर सर्वाधिक छह उड़ानों का संचालन होगा।

सागर की 8 ट्रांसमिशन लाइनों ने बनाया विश्वसनीयता का नया कीर्तिमान

भोपाल। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) की सागर स्थित 8 एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज (ईएचवी) ट्रांसमिशन लाइनों ने विश्वसनीय विद्युत पारेषण का उल्लेखनीय कीर्तिमान स्थापित किया है। इन लाइनों पर पिछले लगभग चार वर्षों अर्थात करीब 1500 दिनों से एक भी ब्रेकडाउन दर्ज नहीं हुआ है। विशेष बात यह है कि इनमें कुछ ऐसी महत्वपूर्ण लाइनें भी शामिल हैं, जो लंबे समय से प्रदेश की विद्युत पारेषण व्यवस्था का आधार बनी हुई हैं और आज भी निर्बाध रूप से विद्युत पारेषण कर रही हैं।

देश में पहली बार मध्यप्रदेश खेल विभाग की अभिनव पहल

भोपाल। सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग की अध्यक्षता में खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा शनिवार को टी.टी. नगर स्टेडियम स्थित मेजर ध्यानचंद हॉल में घुड़सवारी खेल के विकास एवं प्रोत्साहन के उद्देश्य से आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार सम्पन्न हुई। देश में पहली बार मध्यप्रदेश द्वारा घुड़सवारी खेल के समग्र एवं सुनियोजित विकास के लिए राष्ट्रीय स्तर पर इस प्रकार की पहल की गई है, जिसमें देशभर के प्रतिष्ठित घुड़सवारी प्रशिक्षकों, अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों, विशेषज्ञों तथा शासकीय एवं निजी प्रशिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। सेमिनार में देश के विभिन्न हिस्सों से विशेषज्ञ एवं खिलाड़ी प्रत्यक्ष रूप से शामिल हुए, वहीं अनेक विशेषज्ञों और खिलाड़ियों ने वर्चुअल माध्यम से भी सहभागिता कर अपने अनुभव और सुझाव साझा किए।

सेमिनार में घुड़सवारी खेल के वर्तमान परिदृश्य, खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों के विकास, आधुनिक एवं वैज्ञानिक प्रशिक्षण पद्धतियों, प्रशिक्षण सुविधाओं, गुणवत्तापूर्ण घोड़ों की उपलब्धता, खेल अधोसंरचना, प्रतियोगिताओं के आयोजन तथा खेल की लोकप्रियता एवं जनभागीदारी बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि यह राष्ट्रीय सेमिनार केवल विचार-विमर्श का मंच नहीं बल्कि

अभिनव पहल है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सेमिनार से प्राप्त सुझावों को नीति एवं कार्ययोजना में शामिल कर मध्यप्रदेश घुड़सवारी खेल में प्रतिभाओं की पहचान, प्रशिक्षण, अधोसंरचना, प्रतियोगिताओं और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की तैयारी के लिए एक मजबूत एवं प्रभावी इकोसिस्टम विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ेगा। इसके साथ ही देश में घुड़सवारी खेल को लोकप्रिय बनाने के लिये विशेष प्रयास करेंगे। मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि सेमिनार में देशभर से आए विशेषज्ञों, प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों द्वारा दिए गए अनुभव, सुझाव एवं विचार अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इन सभी सुझावों को समाहित करते हुए मध्यप्रदेश में घुड़सवारी खेल के सुनियोजित, वैज्ञानिक एवं सतत विकास के लिए एक व्यापक रिपोर्ट और दीर्घकालीन रोडमैप तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तैयार की जाने वाली रिपोर्ट को केन्द्र सरकार के खेल मंत्रालय को भी भेजा जाएगा जिससे राष्ट्रीय स्तर पर घुड़सवारी खेल के विकास के लिए आवश्यक कार्यवाही एवं सहयोग सुनिश्चित किया जा सके।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सेमिनार में प्राप्त सुझावों के आधार पर मध्यप्रदेश में घुड़सवारी खेल के लिए फीडर सेंटर की व्यवस्था विकसित करने की दिशा में शीघ्र पहल की जाएगी। इसके लिए सेना एवं एनसीसी की विंग के साथ साझेदारी कर उनके प्रशिक्षण केंद्रों को फीडर सेंटर के रूप में विकसित किया जाएगा।

उज्जैन में आस्था के साथ निवेश, उद्योग और रोजगार का संगम

18 हजार करोड़ के निवेश से बदल रहा मध्य भारत का सबसे बड़ा धार्मिक पर्यटन केंद्र

उज्जैन । अयोध्या ने राम मंदिर के जरिए धार्मिक पर्यटन का नया अध्याय लिखा, काशी ने कारिडोर के जरिए विश्वस्तरीय पहचान बनाई और अब उज्जैन देश की ह्यस्पिरिचुअल इकोनॉमीह्व का नया मॉडल बनने की ओर बढ़ रहा है। यहां सिंहस्थ-2028 सिर्फ 30 दिन का मेला नहीं, बल्कि अगले कई दशकों की अर्थव्यवस्था की बुनियाद बन रहा है। केंद्र और मध्यप्रदेश सरकार की 18 हजार करोड़ की विकास योजनाएं धार्मिक आस्था को सड़क, स्वास्थ्य, उद्योग, पर्यटन, जल प्रबंधन और रोजगार से जोड़ रही हैं। लक्ष्य केवल 40 करोड़ श्रद्धालुओं को सुविधा देना नहीं, बल्कि ऐसा शहर बनाना है, जिसकी अर्थव्यवस्था सिंहस्थ के बाद भी लगातार बढ़ती रहे।

महाकाल महालोक बनने के बाद उज्जैन में श्रद्धालुओं की संख्या में कई गुना वृद्धि हुई। इसके साथ होटल, रेस्टोरेंट, टैक्सी, ई-रिक्शा, फूल, प्रसाद, हस्तशिल्प, ट्रैवल एजेंसियां और स्थानीय व्यापार का दायरा भी तेजी से बढ़ा। अब सिंहस्थ-2028 की तैयारियां इस बदलाव को स्थायी आर्थिक ढांचे में बदलने की कोशिश हैं। यही वजह है कि इस बार निवेश केवल मंदिर परिसर तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे शहर और उसके आसपास का इंफ्रास्ट्रक्चर एक साथ विकसित किया जा रहा है। सरकार ने सिंहस्थ के लिए 129 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनमें 778 करोड़ रुपये से 29 किलोमीटर नए घाट, 853 करोड़ रुपये से 22 नए पुल, 445 करोड़ रुपये की सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी जल प्रदाय योजना, 438 करोड़ रुपये का सीवरेज नेटवर्क विस्तार, 284 करोड़ रुपये का यूनिटी माल, 645 करोड़ रुपये का इंटीग्रेटेड टेंपल इकोसिस्टम, गवर्नमेंट

मेडिकल कॉलेज, मेडिकल डिवाइस पार्क, विक्रम उद्योगपुरी एवं मेडिकल डिवाइस पार्क में औद्योगिक निवेश, बहुस्तरीय पार्किंग, नई फोरलेन सड़कें, रेलवे ओवरब्रिज, स्मार्ट ट्रैफिक सिस्टम और डिजिटल श्रद्धालु सुविधाएं शामिल हैं।

इस बार सबसे बड़ा बदलाव यह है कि सरकार अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी परिसंपत्तियां तैयार कर रही है। पहले सिंहस्थ में करोड़ों रुपये अस्थायी सड़क, शिविर और व्यवस्थाओं पर खर्च होते थे, जिनका उपयोग आयोजन के बाद सीमित रह जाता था। अब बनने वाले पुल, सड़कें, अस्पताल, जल परियोजनाएं, सीवरेज नेटवर्क और सार्वजनिक सुविधाएं आने वाले दशकों तक शहरवासियों और पर्यटकों दोनों के काम आएंगी।

यहां आस्था ही अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा इंजन

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह मॉडल सफल होता है तो उज्जैन देश का पहला ऐसा धार्मिक शहर होगा, जहां आस्था ही अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा इंजन बनेगी। इसका असर सिर्फ पर्यटन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि होटल उद्योग, परिवहन, रियल एस्टेट, शिक्षा, स्वास्थ्य, छोटे व्यापार, स्टार्टअप और सेवा क्षेत्र तक दिखाई देगा। यही कारण है कि सिंहस्थ-2028 को अब केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि मध्य भारत की सबसे बड़ी आर्थिक परिवर्तन योजना के रूप में देखा जा रहा है।

उज्जैन को बदलने वाले ये हैं बड़े प्रोजेक्ट

- परियोजना लागत
- नए घाट (29 किमी) 778 करोड़
- 22 नए पुल 853 करोड़
- सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी बांध 445 करोड़
- सीवरेज नेटवर्क 438 करोड़
- इंटीग्रेटेड टेंपल इकोसिस्टम 645 करोड़
- गवर्नमेंट मेडिकल कालेज 592 करोड़
- यूनिटी माल 284 करोड़
- सड़क चौड़ीकरण नेटवर्क 750 करोड़

महत्वपूर्ण ख़बर

अश्मिता चालिहा ने रचा इतिहास, कोरिया मास्टर्स जीतकर बनीं भारत की नई सुपर 300 चैंपियन

■ आसन। भारत की युवा बैडमिंटन खिलाड़ी अश्मिता चालिहा ने रविवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए कोरिया मास्टर्स सुपर 300 का महिला सिंगल्स खिताब अपने नाम कर लिया। चीन की हान कियान शी के खिलाफ फाइनल में एक गेम से पिछड़ने के बाद अश्मिता ने जोरदार वापसी की और 53 मिनट चले मुकाबले में 14-21, 21-14, 21-14 से जीत दर्ज की। यह उनके करियर का पहला इड्ब्ल्यूवर्ल्ड टूर खिताब है।इतिहास असम की 26 वर्षीय बाएं हाथ की खिलाड़ी की यह जीत इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने दबाव वाले फाइनल में धैर्य और आक्रामक खेल का बेहतरीन संयोजन दिखाया। शुरूआती गेम गंवाने के बाद उन्होंने अपनी रणनीति बदली और अगले दोनों गेम में मुकाबले पर नियंत्रण हासिल कर लिया।

फाइनल की शुरूआत अश्मिता के लिए अच्छी रही। उन्होंने शुरूआती दौर में बढ़त बनाई और एक समय स्कोर 9-5 तक पहुंच गया। हालांकि, चीन की चौथी वरीयता प्राप्त हान कियान शी ने वापसी करते हुए स्कोर बराबर किया और इसके बाद मुकाबले की दिशा बदल दी।

भारतीय एथलीटों का शानदार प्रदर्शन, मेघवाल को रजत और शाहनवाज को कांस्य पदक

यूजीन। बसंत कुमार मेघवाल विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप में ऊंची कूद में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं, जबकि शाहनवाज खान ने लंबी कूद में कांस्य पदक जीता, जिससे भारत के लिए यह दिन यादगार बन गया और प्रतियोगिता में उसके कुल पदकों की संख्या तीन पहुंच गई।

राजस्थान के श्री गंगानगर जिले के सीमावर्ती शहर अनूपगढ़ के रहने वाले 19 वर्षीय मेघवाल ने शनिवार को चैंपियनशिप के चौथे दिन 2.21 मीटर की कूद लगाकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और रजत पदक जीता। अल्जीरिया के यूनेस अयाची ने स्वर्ण पदक, जबकि ग्रेट ब्रिटेन के ओटिस पूल ने कांस्य पदक हासिल किया। तीनों पदक विजेता केवल 2.21 मीटर की ऊंचाई तक कूद लगा सके और 2.24 मीटर की ऊंचाई पार करने में असफल रहे। ऐसी स्थिति में पिछली ऊंचाई को पार करने के प्रयासों की संख्या के आधार पर स्थानों का निर्धारण किया गया।

अयाची ने अपने पहले प्रयास में ही 2.21 मीटर की ऊंचाई पार कर ली थी, जबकि मेघवाल और पूल ने क्रमशः अपने दूसरे और तीसरे प्रयास में यह ऊंचाई हासिल की थी। भारतीय नौसेना में कार्यरत मेघवाल के रजत पदक ने उन्हें विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप में ऊंची कूद में पदक जीतने वाला पहला भारतीय भी बना दिया।

भारतीय महिला ऊंची कूद की पूर्व राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक सहाना कुमारी से प्रशिक्षण लेने वाले मेघवाल ने इस सत्र में अपने प्रदर्शन में 10 सेंटीमीटर का सुधार किया है। इससे पहले उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2.11 मीटर था। इसके बाद शाहनवाज ने पुरुषों की लंबी कूद में 7.84 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ कांस्य पदक जीतकर चैंपियनशिप में भारत के पदकों की संख्या को तीन तक पहुंचा दिया। इस 18 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने तीसरे प्रयास में सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाई। उन्होंने क्रमशः 7.67 मीटर, 7.72 मीटर, 7.84 मीटर, 7.52 मीटर, 7.83 मीटर और 5.37 मीटर छलांग लगाई।

फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय आरसी जिथिन अर्जुनान ने अपने पहले और चौथे प्रयास में 7.59 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर आठवां स्थान हासिल किया। इटली के डेनियल इन्जोली ने 7.97 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि ऑस्ट्रेलिया के मेसन मैकग्रोडर ने 7.96 मीटर के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ रजत पदक हासिल किया। इससे पहले आशीष यादव ने प्रतियोगिता के तीसरे दिन पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में रजत पदक जीतकर भारत का खाता खोला था। यादव विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप में भाला फेंक में रजत पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं। उनसे पहले नीरज चोपड़ा ने यह उपलब्धि हासिल की थी। चोपड़ा ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह अभी 'केवल शुरूआत' है।

पिता के निधन के बाद रोसारियो पहुंचे लियोनेल मेसी भावुक पल कैमरे में कैद

रोसारियों। फुटबॉल सुपरस्टार लियोनेल मेसी अपने पिता जॉर्ज मेसी के निधन के बाद अर्जेंटीना के रोसारियो पहुंचे हैं। लंबे समय से बीमारी से जूझ रहे जॉर्ज मेसी के निधन की खबर के बाद मेसी के परिवार और प्रशंसकों के बीच शोक की लहर है। मेसी के रोसारियो पहुंचने का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। जॉर्ज मेसी का अपने बेटे के करियर में बेहद अहम योगदान रहा है। उन्होंने बचपन से ही लियोनेल मेसी के फुटबॉल सफर में उनका साथ दिया और उनके करियर के शुरूआती दौर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पिता के निधन के बाद रोसारियो पहुंचे मेसी जॉर्ज मेसी के निधन की खबर सामने

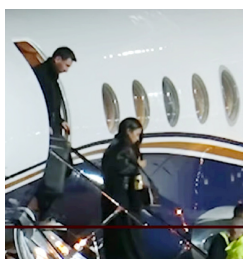

आने के बाद लियोनेल मेसी अपने गृहनगर रोसारियो पहुंचे। यह शहर मेसी के लिए बेहद खास है, क्योंकि यहीं उन्होंने बचपन में फुटबॉल खेलना शुरू किया था। मेसी के रोसारियो पहुंचने के दृश्य सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। वीडियो में उनके साथ परिवार और करीबी लोगों की मौजूदगी देखी जा सकती है। जॉर्ज मेसी का बेटे के करियर में अहम योगदान लियोनेल मेसी के शानदार फुटबॉल करियर के पीछे उनके पिता जॉर्ज मेसी की भूमिका को अक्सर याद किया जाता है। उन्होंने बचपन से अपने बेटे के फुटबॉल करियर को आगे बढ़ाने में मदद की।

वॉर्म-अप मैच के बीच शुभमन गिल की फिटनेस पर आई ताजा अपडेट

नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच 15 अगस्त से 2 मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरूआत होने वाली है. इससे पहले कोलंबो में भारतीय टीम श्रीलंका इलेवन के साथ वॉर्म-अप मैच खेल रही है, जिसके दौरान टीम इंडिया के लिए अच्छी खबर सामने आ रही है.

टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल उंगली में लगी चोट के चलते वॉर्म-अप मैच का हिस्सा नहीं बने, लेकिन अब उन्होंने प्रैक्टिस भी शुरू कर दी है. उनके प्रैक्टिस पर आने से क्लीयर हो गया है कि वह अब फिट हैं और पूरी संभावना है कि वह 15 अगस्त से खेले जाने वाले टेस्ट मैच में खेलते नजर आएंगे.

शुभमन गिल अब कितने फिट हैं?

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल इंजरी के चलते वॉर्म-अप मैच का हिस्सा नहीं बने हैं. मगर, अब टीम इंडिया के लिए अच्छी खबर आ रही है. सोशल मीडिया के हवाले से अपडेट सामने आई है कि कप्तान शुभमन गिल ने 2 दिन के आराम के बाद अब प्रैक्टिस शुरू कर दी है. गिल के फिट होने से टीम इंडिया की चिंता दूर हो गई है. आपको बता दें, अब श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट से पहले उन्हें अभ्यास के दौरान उंगली में चोट लग गई.

शुभमन गिल का श्रीलंका के खिलाफ खेलना तय

अब जबकि शुभमन गिल ने प्रैक्टिस शुरू कर दी है, तो तय माना जा रहा है कि वह पूरी तरह फिट हैं और 15 अगस्त से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज के पहले मैच में खेलते नजर आएंगे. बता दें, वॉर्म-अप मैच में शुभमन गिल की गैरमौजूदगी में केएल राहुल ने टीम इंडिया की कप्तानी की.

रवींद्र जडेजा ने की कुलदीप यादव की ऐसी नकल, गौतम गंभीर भी नहीं रोक पाए अपनी हंसी

नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका इलेवन के बीच कोलंबो में वॉर्म-अप मैच खेला जा रहा है. इस मुकाबले में भारत ने दूसरे दिन बल्लेबाजी की और 90 ओवर बल्लेबाजी की, जिसमें 6 विकेट गंवाकर 357 रन बोर्ड पर लगाए. देवदत्त पडिक्कल ने शतक लगाया, तो वहीं रवींद्र जडेजा ने अर्धशतक लगाया. वहीं, इस बीच अब रवींद्र जडेजा का एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है, जिसमें वह कुलदीप यादव की नकल करते नजर आ रहे हैं. मजे की बात ये है कि जड्डू की इस मिमिक्री को देखकर खुद गौतम गंभीर भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए.

श्रीलंका इलेवन के साथ भारतीय क्रिकेट टीम वॉर्म-अप मैच खेल रही है. इस मुकाबले के दौरान जब रवींद्र जडेजा ड्रेसिंग रूम में थे, तब उन्होंने मैदान पर गेंदबाजी कर रहे कुलदीप यादव की मिमिक्री की. जड्डू ने कुलदीप के गेंदबाजी एक्शन को फनी अंदाज में कॉपी किया, जिसे देखकर खुद गौतम गंभीर भी खुद को कंट्रोल नहीं कर सके और ठहाके मारकर हंसने लगे. जडेजा का ये मिमिक्री वीडियो काफी वायरल हो रहा है, जिसपर फैंस भी अतरंगी रिएक्शन दे रहे हैं.

भारत ने 6 विकेट गंवाकर बनाए 157 रन

श्रीलंका इलेवन के साथ भारतीय क्रिकेट टीम वॉर्म-अप मैच खेल रही है. भारत की ओर से देवदत्त पडिक्कल ने सबसे शानदार बल्लेबाजी की और शतक लगाया. पडिक्कल ने 142 रनों की शतकीय पारी खेली. रवींद्र जडेजा 63 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए. केएल राहुल 40 रन बनाकर आउट हो गए. मानव सुथार ने 90 गेंद पर 41 रन बनाए. सारांश जैन ने 22 रन बनाए. वहीं, गुरनूर बरार ने 18 गेंद पर 36 रनों की पारी खेली, जिसमें 4 छक्के और 2 चौके लगाए. वहीं, कुछ बल्लेबाजों ने निराश किया. यशस्वी जायसवाल बिना खाता खोले शून्य पर आउट हो गए. वहीं, ऋषभ पंत 2 और ध्रुव जुरेल 1 रन बनाकर विकेट गंवा बैठे.

कारोबार

लगातार दूसरे दिन बढ़े कच्चे तेल के दाम

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतें एक बार फिर से बढ़ने लगी हैं. आज यानी रविवार (9 अगस्त, 2026) को क्रूड की कीमतें लगातार दूसरे दिन बढ़ गईं. इसके साथ ही देश की तेल कंपनियों ने भी पेट्रोल और डीजल की ताजा कीमतें जारी कर दी. हालांकि देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर आज हुई बढ़ोतरी का ज्यादा असर देखने को नहीं मिला.

कितने बढ़े कच्चे तेल के दाम?

बता दें कि मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के चलते वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हर दिन बदलाव देखने को मिल रहा है. शनिवार के बाद रविवार को भी क्रूड की कीमतें बढ़ गईं. रविवार को ब्रेंट क्रूड की कीमत1 .06 डॉलर यानी 1 .29 प्रतिशत चढ़कर 83 .55 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गईं. जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड के दाम 0 .89 डॉलर या 1 .15 प्रतिशत उछाल के साथ 78 .18 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गए. वहीं मुरबन क्रूड का भाव 0 .72 डॉलर यानी 0 .91 फीसदी बढ़कर 80 .25 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया. वहीं नेचुरल गैस की कीमत 0 .022 डॉलर या 0 .83 प्रतिशत उछाल के साथ 2 .662 डॉलर पर पहुंच गईं.

देश के प्रमुख महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें

देश के चार प्रमुख महानगरों दिल्ली-मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में आज यानी रविवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में मामूली उछाल आया है. राजधानी दिल्ली में आज पेट्रोल का भाव 102 .12 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है. जबकि डीजल का भाव 95 .20 रुपये प्रति लीटर हो गया है. वहीं कोलकाता में पेट्रोल 113 .51 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है. जबकि डीजल का भाव 99 .82 रुपये प्रति लीटर हो गया है. जबकि मुंबई में पेट्रोल 111 .31 तो डीजल का भाव 97 .97 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है. चेन्नई में एक लीटर पेट्रोल का भाव 107 .87 जबकि डीजल का भाव 99 .65 रुपये प्रति लीटर हो गया है.

देश के अन्य शहरों में आज क्या है तेल का भाव?

दिल्ली से सटे गुरुग्राम में पेट्रोल-डीजल का भाव क्रमश: 102 .97 और 95 .64 रुपये प्रति लीटर हो गया है. जबकि नोएडा-ग्रेटर नोएडा में पेट्रोल की कीमत 102 .12 तो डीजल का भाव 95 .56 रुपये प्रति लीटर चल रहा है. वहीं बेंगलुरू में एक लीटर पेट्रोल का भाव 112 .06 रुपये चल रहा है तो डीजल की कीमत 100 .04 रुपये प्रति लीटर हो गया है. उधर भुवनेश्वर में पेट्रोल 108 .93 तो डीजल 100 .64 रुपये प्रति लीटर हो गया है. चंडीगढ़ में पेट्रोल-डीजल क्रमश: 101 .54 और 87 .47 रुपये प्रति लीटर चल रहा है. हैदराबाद में पेट्रोल का भाव रुपये 116 .04 प्रति लीटर मिल रहा है, जबकि डीजल का भाव 104 .15 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है. जयपुर में पेट्रोल-डीजल क्रमश: 112 .66 और 97 .78 रुपये प्रति लीटर चल रहा है. लखनऊ में एक लीटर पेट्रोल का भाव 102 .48 रुपये प्रति लीटर तो डीजल 95 .93 रुपये प्रति लीटर चल रहा है. उधर पटना में पेट्रोल 113 .53 तो डीजल की कीमत 99 .54 रुपये प्रति लीटर चल रहा है. तिरुवनंतपुरम में पेट्रोल-डीजल क्रमश: 114 .83 और 103 .66 रुपये प्रति लीटर हो गया है.

एसबीआई ने मारी बाजी: सेंसेक्स की टॉप 10 में 4 कंपनियों का मार्केट कैप 1.43 लाख करोड़ बढ़ा

नयी दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 1.43 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हुई। इस दौरान भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को सबसे अधिक लाभ हुआ।

बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 404.53 अंक यानी 0.51 प्रतिशत बढ़ा, जबकि एनएसई का निफ्टी 187.05 अंक यानी 0.76 प्रतिशत के लाभ में रहा। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और लार्सन एंड टुब्रो के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई। वहीं भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में सामूहिक रूप से 1.23 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई।

समीक्षाधीन सप्ताह में भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 63,922.03 करोड़ रुपये बढ़कर 10,11,721.84 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 32,816.4 करोड़ रुपये बढ़कर 18,01,925.19 करोड़ रुपये रहा। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की बाजार हैसियत 31,875.35 करोड़ रुपये बढ़कर 8,87,770.13 करोड़ रुपये रही। लार्सन एंड टुब्रो का बाजार पूंजीकरण 14,637.76 करोड़ रुपये बढ़कर 5,56,482.45 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस रुख के उलट एलआईसी के बाजार पूंजीकरण में 40,543.23 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह घटकर 4,96,891.82 करोड़ रुपये पर आ गया।

बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 37,168.96 करोड़ रुपये घटकर 6,73,648.55 करोड़ रुपये रह गई। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 24,183.16 करोड़ रुपये घटकर 11,27,967.47 करोड़ रुपये रह गया। इसी तरह आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 9,507.67 करोड़ रुपये घटकर 10,20,370.63 करोड़ रुपये रहा।

भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 7,581.65 करोड़ रुपये घटकर 12,22,423.98 करोड़ रुपये पर आ गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में 4,793.16 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 4,88,808.97 करोड़ रुपये पर आ गया। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष पर कायम रही। इसके बाद क्रमशः भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, भारतीय जीवन बीमा निगम और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

मुनाफा वसूली से चांदी 1600 रुपये टूटी, सोना 800 रुपये उछला

इंदौर : करंसी मार्केट में डॉलर की दर लगातार घटती जा रही है। डॉलर इंडेक्स पर दबाव और महंगाई कम होने की संभावना के चलते निवेशकों का रुझान सोने की प्रति बढ़ता जा रहा है। डॉलर घटकर 95 .15 पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय बुलियन वायदा मार्केट में सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिवस शुक्रवार देर रात सोना वायदा 23 डालर उछलकर 4340 डालर प्रति औंस पर बंद हुआ जिससे भारतीय बाजारों में भी सोने की कीमतों में तेजी का वातावरण जारी रहा।

इंदौर में सोना केडबरी 800 रुपये और सुधरकर 146800 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। वहीं कामेक्स पर मुनाफा वसूली की बिकवाली से चांदी

वायदा 82 सेंट घटकर 63 .52 डालर प्रति औंस पर बंद हुई जिससे इंदौर मे भी चांदी की कीमतों में नरमी दर्ज की गई। चांदी चौरसा 1600 रुपये टूटकर 228700 रुपये प्रति किलो रह गई।

राखी पूर्व की डिमांड बाजार में आने की संभावना है

ज्वेलर्स का कहना है कि अगले सप्ताह के अंत तक बाजार में राखी पूर्व की डिमांड बाजार में आने की संभावना है।अगर बाजार स्थिर रहते है तो ग्राहकी बढ़ भी सकती है। फेड अधिकारियों लिसा कुक और जेफ श्मिड ने सख्त रुख बनाए रखा और जोर दिया कि महंगाई अभी भी लक्ष्य से ऊपर है और अगर कीमतों का दबाव बना रहता है तो पालिसी में और सख्ती की जरूरत पड़ सकती है। इंदौर के बंद भावझ सोना केडबरी रवा नकद में 146800, सोना आरटीजीएस में 149500 (जीएसटी अतिरिक्त), सोना 22 कैरेट 137050 रुपये प्रति दस ग्राम (जीएसटी अतिरिक्त) है। शुक्रवार को सोना 146000 रुपये पर बंद हुआ। चांदी चौरसा 228700, आरटीजीएस 227800, चांदी टंच 229500 प्रति किलो और चांदी सिक्का 2590 रुपये (प्रति नग) के भाव बोले गए। शुक्रवार को चांदी 230300 रु. पर बंद हुई थी।

जिंदल स्टेनलेस की महाराष्ट्र में बड़ी तैयारी 40,000 करोड़ का प्रोजेक्ट ले रहा आकार

मुंबई : जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (खरछ) को उम्मीद है कि वह अगले दो क्वार्टर में महाराष्ट्र में अपनी प्रस्तावित 40,000 करोड़ रुपये की स्टेनलेस स्टील मैन्युफैक्चरिंग यूनिट के लिए जगह तय कर लेगी, क्योंकि कंपनी राज्य भर में जमीन के कई विकल्पों पर विचार कर रही है। प्रस्तावित प्लांट, खरछ के सबसे बड़े विस्तार प्रोजेक्ट्स में से एक है। इसकी सालाना प्रोडक्शन क्षमता 4 मिलियन टन होगी और इससे भारत में कंपनी की मैन्युफैक्चरिंग क्षमता काफी बढ़ जाएगी। जिंदल स्टेनलेस के उएड तरुण खुलबे ने कहा कि सही जमीन खोजने की प्रक्रिया चल रही है, हालांकि इसमें कुछ समय लग रहा है। खुलबे ने कहा, "शायद अगले एक या दो क्वार्टर में स्थिति साफ हो जाएगी।" उन्होंने यह भी कहा कि कंपनी महाराष्ट्र में जमीन के कई विकल्पों पर विचार कर रही है। जगह तय होने के बाद, खरछ से निवेश और काम शुरू करने की योजनाओं के बारे में और जानकारी मिलने की उम्मीद है। चरणबद्ध विस्तार प्रस्तावित स्टेनलेस स्टील यूनिट को चरणों में विकसित किया जाएगा। पहले चरण के अगले चार वर्षों में चालू होने की उम्मीद है। 40,000 करोड़ रुपये के निवेश से खरछ की प्रोडक्शन क्षमता में काफी बढ़ोतरी होने और पारंपरिक व उभरते उद्योगों में स्टेनलेस स्टील की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद मिलने की उम्मीद है। खास तरह का स्टील पारंपरिक स्टेनलेस स्टील प्रोडक्ट्स के अलावा, महाराष्ट्र यूनिट खास ग्रेड का स्टील भी बनाएगी, जिसकी जरूरत अहम और तेजी से बढ़ने वाले कामों के लिए होती है।

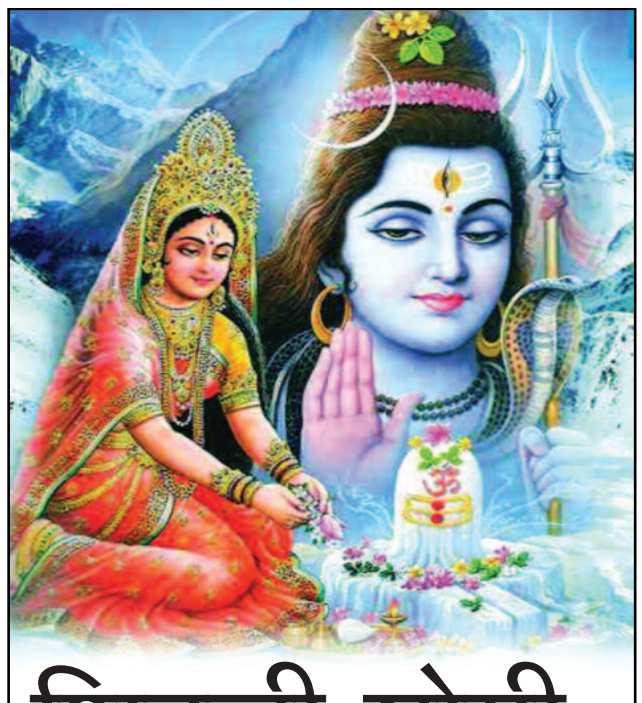

शिवजी योगी से क्यों बने गृहस्थ

भगवान शिव एक योगी हैं, बैरागी है और संन्यासियों को गुरु हैं। वे परिवाज़क है अर्थात जगह जगह जगह घूमते रहते हैं और जब घूमना बंद होता है तो बस समाधी में लीन रहते हैं।

- भगवान शिव महान योगी थे और वे हमेशा ही समाधी और ध्यान में ही लीन रहते थे लेकिन माता पार्वती का ये प्रेम ही था कि योगी बना एक गृहस्थ।
- गृहस्थ का योगी होना जरूरी है तभी वह एक सफल दाम्पत्य जीवन का निर्वाह कर सकता है।
- भगवान शिव के साथ उल्टी गंगा बही। कई लोग ऐसे हैं जो विवाह के बाद उम्र के एक पड़ाव पर जाकर बैरागी बनकर संन्यस्त होकर अपनी पत्नी को छोड़ चले। जैसे गौतम बुद्ध या अन्य कई ऋषि मुनि, परंतु भगवान शिव तो पहले से ही योगी, संन्यासी या कहें कि बैरागी थे।
- यह तो माता पार्वती का तप ही था जो योगी गृहस्थ बन गए। कहना तो यह चाहिए कि माता पार्वती भी तो जोगन थीं। पत्नी के साथ यदि सात जन्म के फेरे लिए हैं तो फिर कैसे इसी जन्म में संन्यास के लिए छोड़कर चले जाएं? भगवान शंकर ने यह सबसे बड़ा उदाहरण प्रस्तुत किया था।
- माता सती ने जब दूसरा जन्म हिमवान के यहां पार्वती के रूप में लिया तब उन्होंने पुनः शिव को पाने के लिए घोर तप और व्रत किया। उस दौरान तारकासुर का आतंक था। उसका वध शिवजी का पुत्र ही कर सकता था ऐसा उसे वरदान था। लेकिन शिवजी तो तपस्या में लीन थे। ऐसे में देवताओं ने शिवजी का विवाह पार्वतीजी से करने के लिए एक योजना बनाई। उसके तहत कामदेव को तपस्या भंग करने के लिए भेजा गया। कामदेव ने तपस्या तो भंग कर दी लेकिन वे खुद भस्म हो गए। बाद में शिवजी ने पार्वतीजी से विवाह किया। इस विवाह में शिवजी बरात लेकर पार्वतीजी के यहां पहुंचे। इस कथा का रोचक वर्णन पुराणों में मिलेगा। शिव को विश्वास था कि पार्वती के रूप में सती लौटेंगी तो पार्वती ने भी शिव को पाने के लिए तपस्या के रूप में समर्पण का एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया।

बिल्वपत्र की जड़ में होता है लक्ष्मीजी का वास

शिवजी को बिल्वपत्र, धतूरा और आंकड़ा अर्पित करना बहुत ही शुभ माना जाता है। हिन्दू धर्म में बिल्व अथवा बेल (बिल्ला) पत्र भगवान शिव की आराधना का मुख्य अंग है। शिवजी को अर्पित करने के 12 फायदे।

- कहते हैं शिव को बिल्वपत्र चढ़ाने से लक्ष्मी की प्राप्ति होती है क्योंकि बिल्वपत्र की जड़ में साक्षात लक्ष्मीजी का वास होता है। इसीलिए इसके वृक्ष को श्रीवृक्ष भी कहते हैं। इसकी पूजा करने से धन की प्राप्ति होती है।
- इस वृक्ष की जड़ में घी, अन्न, खीर या मिष्ठान्न दान अर्पित करने से दरिद्रता का नाश होता है और कभी भी धनाभाव नहीं रहता है।
- इस वृक्ष की जड़ का विधिवत पूजन करने से सभी प्रकार के पापों से मुक्ति मिल जाती है।
- यदि संतान सुख पाना चाहते हैं तो शिवलिंग पर इसका फूल, धतूरा, गंध और स्वयं बिल्वपत्र चढ़ाने के बाद इस वृक्ष के जड़ का पूजन करना चाहिए।
- बिल्वपत्र के वृक्ष की जड़ का जल अपने माथे पर लगाने से समस्त तीर्थ यात्राओं का पुण्य प्राप्त होता है।
- बिल्वपत्र की जड़ को पानी में घिसकर फिर उबालकर औषधि के रूप में प्रयोग किया जाता है। कष्टकारी रोगों में भी यह अमृत के समान लाभकारी होती है।
- बिल्वपत्र का सेवन, त्रिदोष यानी वात (वायु), पित्त (ताप), कफ (शीत) व पाचन क्रिया के दोषों से पैदा बीमारियों से रक्षा करता है।
- बिल्वपत्र का सेवन त्वचा रोग और डायबिटीज के बुरे प्रभाव बढ़ने से भी रोकता है व तन के साथ मन को भी चुस्त-दुरुस्त रखता है।
- हिन्दू धर्म में बिल्व वृक्ष के पत्र (पत्ते) शिवलिंग पर चढ़ाए जाते हैं। भगवान शिव इसे चढ़ाने से प्रसन्न होते हैं।
- जो व्यक्ति शिव-पार्वती की पूजा बेलपत्र अर्पित कर करते हैं, उन्हें महादेव और देवी पार्वती दोनों का आशीर्वाद मिलता है।
- यह माना जाता है कि देवी महालक्ष्मी का भी बेल वृक्ष में वास है। जिस घर में एक बिल्व का वृक्ष लगा होता है उस घर में लक्ष्मी का वास बतलाया गया है।
- बिल्व पत्र को शिवजी के तीनों नेत्रों का प्रतीक भी माना जाता है। यह तीन नेत्र भूत, भविष्य और वर्तमान देखते हैं। उसी तरह महाशिवरात्रि के दिन शिवजी को बिल्व पत्र चढ़ाने से समृद्धि, शांति और शीतलता आती है।

चतुर्थी, अष्टमी, नवमी, चतुर्दशी, अमावस्या और किसी माह की संक्राति को बिल्वपत्र नहीं तोडना चाहिए।

घृष्णेश्वर/घुश्मेश्वर ज्योतिर्लिंग
जहाँ भक्त घुश्मा के कारण ज्योतिर्लिंग के रूप में स्थापित हुए महादेव

घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग महाराष्ट्र में सह्याद्री पर्वतमालाओं के मध्य औरंगाबाद के पास वेरुल गांव में स्थित है। द्वादश ज्योतिर्लिंगस्तोत्रं के अनुसार इस बारहवें और अंतिम ज्योतिर्लिंग को घुश्मेश्वर, घुसृणेश्वर या घृष्णेश्वर भी कहा जाता है। घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग की यात्रा, बारह ज्योतिर्लिंग यात्रा को पूर्णता प्रदान करती हैं। घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने के पश्चात् निःसंतान को संतान का सुख प्राप्त होता है और भक्तों के हर प्रकार के रोग, दुख दूर हो जाते है। विश्व प्रसिद्ध एलोरा गुफायें घृष्णेश्वर मंदिर से मात्र 500 मीटर की दूरी पर स्थित है।

घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर जाने का सबसे अच्छा समय

घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर दर्शन करने के लिए आप पूरे साल में किसी भी समय जा सकते हैं। घृष्णेश्वर मंदिर घूमने के लिए अक्टूबर से मार्च का समय सबसे अच्छा हैं।

घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर का इतिहास

घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर का निर्माण 13 वीं शताब्दी से भी पहले किया गया था। 13 वीं और 14 वीं शताब्दी के मध्य मुगलों ने इस मंदिर पर आक्रमण किया और मंदिर को भारी हानी पहुचाई। इसके बाद 16 वीं शताब्दी में छत्रपति शिवाजी महाराज के दादा मालोजी भोसले ने इस मंदिर का पुनर्निर्माण करवाया था। 1680 और 1707 के मध्य मुगल सेना ने घृष्णेश्वर मंदिर पर कई हमले किए, जिससे फिर मंदिर क्षतिग्रस्त हुआ। 18 वीं शताब्दी में इंदौर की महारानी अहिल्या बाई होलकर में घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग का पुनर्निर्माण करवाया।

घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर की वास्तु कला और संरचना

दक्षिण भारतीय शैली में बना घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर 44,400 वर्ग फुट के क्षेत्र में फैला हुआ है। इसे लाल रंग के पत्थरों से बनाया गया है। घृष्णेश्वर मंदिर में तीन द्वार बने है, एक महाद्वार और दो पक्षद्वार। सभा मंड़प 24 पत्थर के स्तंभों पर बना है, इन स्तंभों पर जटिल नक्काशी की गई है। मंदिर के परिसर में लाल पत्थर की दीवारें पर भगवान विष्णु के दशावतार के द्रश्य को दर्शाया गया है और कई देवी देवताओं की मूर्तियाँ उकेरी गई हैं।

घुश्मेश्वर/घृष्णेश्वर की कहानी

शिव पुराण के अनुसार घुश्मेश्वर ज्योतिर्लिंग की कथा इस प्रकार है। प्राचीन काल में सुधर्मा नाम का एक ब्राह्मण अपनी पत्नी सुदेहा के साथ रहता था। उनके विवाह को कई वर्ष बीत गये पर उन्हें संतान की प्राप्ति नही हुई। संतान प्राप्ति हेतु सुदेहा ने अपनी छोटी बहन घुश्मा का विवाह अपने पति से करवा दिया। घुश्मा एक शिव भक्त थी, वह प्रतिदिन पार्थिव शिवलिंग बना कर उनकी पूजा करती थी और फिर एक सरोवर में विसर्जित कर देती थी। समय धीरे धीरे आगे बढ़ने लगा और घुश्मा ने एक अति सुन्दर बालक को जन्म दिया। कुछ समय बाद सुधर्मा, घुश्मा को ज्यादा प्रेम और मान-सम्मान देने लगा। इस कारण सुदेहा को मन ही मन घुश्मा से ईर्ष्या होने लगी। एक दिन सुदेहा ने घुश्मा के पुत्र को मार कर उसके शव को उसी सरोवर में डुबो दिया, जहां घुश्मा शिवलिंगों का विसर्जन करती थी। जब घुश्मा को अपने पुत्र की मृत्यु का समाचार मिला तो वह जरा भी विचलित नहीं हुई और रोज की तरह शिव की भक्ति में लीन हो कर अपने पुत्र को वापस पाने के लिए प्रार्थना करने लगी। शिवलिंग की पूजन करने के बाद जब घुश्मा शिवलिंगों का विसर्जन करने के लिए सरोवर पहुंची तो उसका पुत्र सरोवर से जीवित बाहर निकल आया। घुश्मा ने अपनी बड़ी बहन सुदेहा को माफ़ कर दिया। घुश्मा के इसी दयालुता और भक्ति से खुश होकर शिवजी उसके सामने प्रकट हो गये। उन्होंने घुश्मा से वरदान मांगने को कहा, घुश्मा ने शिवजी से वरदान मांगा कि वे हमेशा के लिए इसी स्थान पर विराजमान हो जाएँ। तभी से घुश्मा के कहने पर भगवान शिव उसी स्थान पर घुश्मेश्वर ज्योतिर्लिंग के रूप में स्थापित हो गए।

घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग में ड्रेस कोड

यहाँ पर मंदिर में प्रवेश से पहले पुरुष भक्तों को शर्ट (कमीज) एवं बनियान तथा बेल्ट उतरना पड़ता है। इसके बाद ही मंदिर में प्रवेश मिलता है।

घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग दर्शन

घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर के गेट पर पहुचने के बाद आप बैग, मोबाइल आदि काउंटर पर जमा कर दीजिये। शिवरात्रि और सावन में बाहर के गेट तक लाइन आ जाती है। यहाँ से मंदिर तक जाने वाले रास्ते में कई दुकाने लगी है, जहाँ से फूल, बेलपत्र और प्रसाद ले सकते है। मंदिर के परिसर में पहुचने के बाद आपको लाइन में लगना है। लाइन में आधा से एक घंटे का समय लगता है। आपको लाइन मे शर्ट और बनियान उतारने की आवश्यकता नही है, आप गर्भगृह के निकट उतार सकते है। कई बार लाइन में लग कर लोग गप शप करने लगते है, आप ऐसा न करें। आप घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग में उपस्थित है, जहाँ भगवान शिव स्वयं विराजमान रहते है। अपने मन में भगवान शिव का ध्यान करें। मंदिर का शिल्प देखकर आप प्रसन्नचित्त हो जायेंगे। हमारे देश के मंदिर अभूतपूर्व होते है। मंदिर के अंदर नंदी जी विशाल प्रतिमा के दर्शन होंगे। गर्भगृह के अंदर जाने पर घुश्मेश्वर ज्योतिर्लिंग का टकटकी लगाकर दर्शन करते रहे। शिव ज्योतिर्लिंग की छबि को अपने मन में उतार ले, ताकि जब भी आप दर्शन करना चाहे तो पलके बंद करके उनका ध्यान करने से ही दर्शन हो जाएँ। भगवान शिव के इस रूप को मन में बसा कर बाहर आ जाएँ। बाहर आकर मंदिर के बाहरी शिल्प और खूबसूरती का दर्शन कीजिये। आपका मन आनंद से भर जायेगा।

घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग दर्शन का समय

ज्योतिर्लिंग मंदिर सुबह 4.00 बजे दर्शन के लिए खुलता हैं और रात को 10.00 बजे बंद हो जाता हैं। श्रावण के महीने में मंदिर सुबह 3 बजे से रात के 11 बजे तक खुला रहता हैं।

1. मंगल आरती प्रातः 4.00 बजे
2. जलहरी सघन प्रातः 8.00 बजे
3. महाप्रसाद दोपहर 12.00 बजे
4. जलहरी सघन सायं 4.00 बजे
5. संध्या आरती 7.30 बजे (ग्रीष्मकालीन), शाम 5.40 बजे (सर्दी)
6. रात्रि आरती रात्रि 10.00 बजे

घृष्णेश्वर मंदिर आरती का समय

सुबह आरती 4 बजे, संध्या आरती 7.30 बजे (ग्रीष्मकालीन), शाम 5.40 बजे (सर्दी) तथा रात्रि आरती रात 10.30 बजे होती है

घुश्मेश्वर ज्योतिर्लिंग संतानप्राप्ति की मनोकामना होती है पूर्ण

हिंदू धर्म में ज्योतिर्लिंग का विशेष स्थान है। शिवलिंग को भगवान शिव के प्रतीक के रूप में पूजा जाता है। पुराणों के अनुसार, शिवलिंग में भगवान शिव का वास माना जाता है। श्रावण माह में भगवान शिव की विशेष रूप से पूजा की जाती है। देश भर में शिव के कई ज्योतिर्लिंग हैं, लेकिन 12 ज्योतिर्लिंग का विशेष महत्व दिया गया है। इन्हीं ज्योतिर्लिंग में एक है घुश्मेश्वर ज्योतिर्लिंग, जो महाराष्ट्र में दौलताबाद से लगभग 18 किलोमीटर दूर बेरूलठ गांव के पास स्थित है। इस स्थान को लोग शिवालय भी कहते हैं। इस मंदिर का निर्माण अहिल्याबाई होल्कर द्वारा करवाया गया था।

घृष्णेश्वर मंदिर का इतिहास

पौराणिक इतिहास कहता है कि यहाँ भगवान शिव अपनी परम भक्त घुष्मा के कहने पर ज्योतिर्लिंग के रूप में स्थापित हुए थे। आज के आधुनिक ऐतिहासिक तथ्यों के हिसाब से इस मंदिर का निर्माण 16 वीं शताब्दी और जीर्णोद्धार 18 वीं शताब्दी में कराया गया था।

घृष्णेश्वर मंदिर का निर्माण किसने करवाया?

दौलताबाद से 11 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित मंदिर का निर्माण 16 वीं शताब्दी में छत्रपति शिवाजी के दादाजी मालोजी राजे भोंसले ने करवाया था। इसके बाद इस मंदिर का जीर्णोद्धार 18वीं शताब्दी में इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने करवाया था।

घृष्णेश्वर मंदिर की स्थापत्य कला

स्थापत्य कला की बात करें तो इसकी दीवारों पर देवी-देवताओं की मूर्तियां उकेरी गई हैं। मंदिर में मौजूद 24 खम्भों पर सुंदर नक्काशी तराशी गई है जिसपर सभा मण्डप बनाया गया है। घृष्णेश्वर मंदिर का गर्भगृह 17 गुणा 17 फुट का है जिसमें पूर्वाभिमुख शिवलिंग स्थापित है। भव्य नंदीकेश्वर सभामण्डप में ही विराजमान हैं। घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर की एक विशेष बात यह है कि यहाँ 21 गणेश पीठों में से एक पीठ 'लक्षविनायक' मौजूद है।

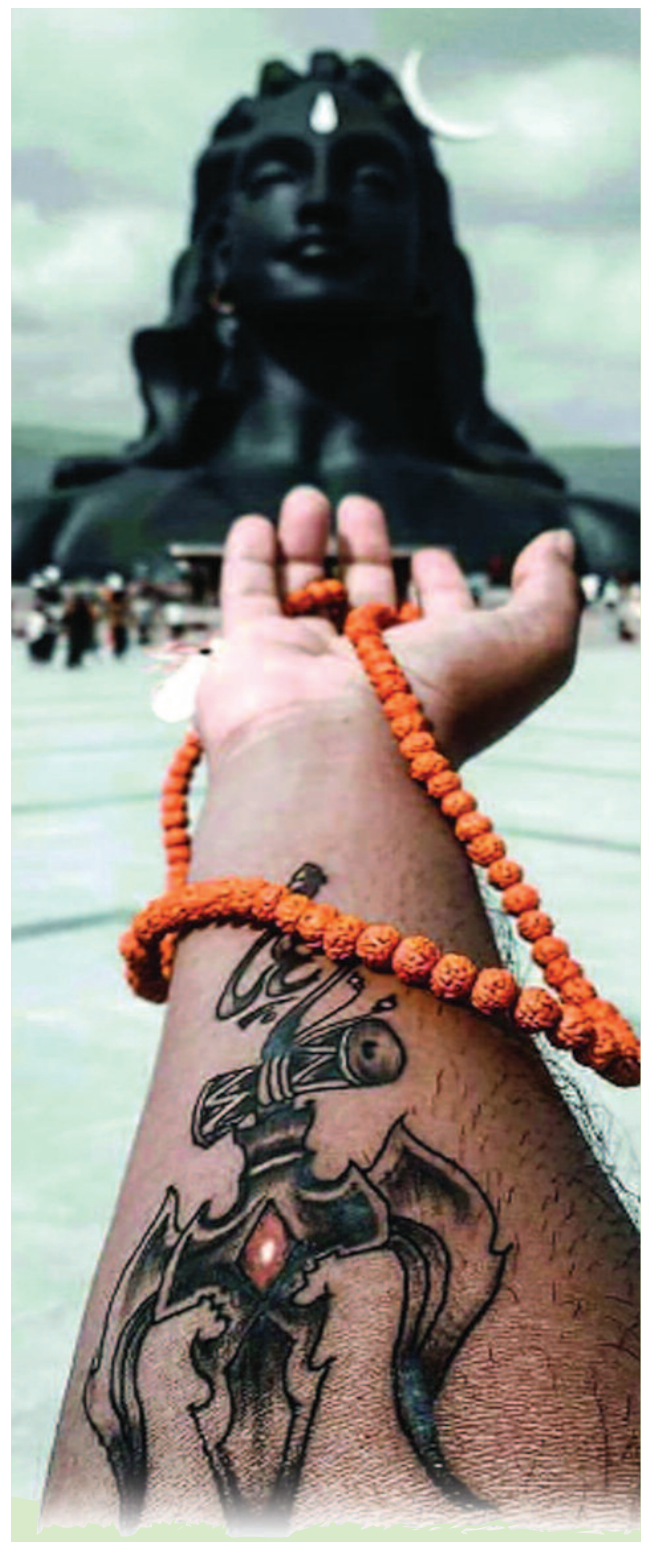

महामृत्युंजय मंत्र की रचना कैसे हुई

महामृत्युंजय मंत्र को लंबी उम्र और अच्छी सेहत का मंत्र कहते हैं। शास्त्रों में इसे महामंत्र कहा गया है। इस मंत्र के जप से व्यक्ति निरोगी रहता है। आइए जानें इस महामंत्र की उत्पत्ति कैसे हुई?

महामृत्युंजय मंत्र की उत्पत्ति के बारे में पौराणिक कथा प्रचलित है। कथा के अनुसार, शिव भक्त ऋषि मृकण्डु ने संतान प्राप्ति के लिए भगवान शिव की कठोर तपस्या की। तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने ऋषि मृकण्डु को इच्छानुसार संतान प्राप्त होने का वर तो दिया परन्तु शिव जी ने ऋषि मृकण्डु को बताया कि यह पुत्र अल्पायु होगा। यह सुनते ही ऋषि मृकण्डु विषाद से घिर गए। कुछ समय बाद ऋषि मृकण्डु को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। ऋषियों ने बताया कि इस संतान की उम्र केवल 16 साल ही होगी। ऋषि मृकण्डु दुखी हो गए.यह देख जब उनकी पत्नी ने दुःख का कारण पूछा तो उन्होंने सारी बात बताई। तब उनकी पत्नी ने कहा कि यदि शिव जी की कृपा होगी, तो यह विधान भी वे टाल देंगे। ऋषि ने अपने पुत्र का नाम मार्कण्डेय रखा और उन्हें शिव मंत्र भी दिया। मार्कण्डेय शिव भक्ति में लीन रहते। जब समय निकट आया तो ऋषि मृकण्डु ने पुत्र की अल्पायु की बात पुत्र मार्कण्डेय को बताई। साथ ही उन्होंने यह दिलासा भी दी कि यदि शिवजी चाहेंगें तो इसे टाल देंगें। माता-पिता के दुःख को दूर करने के लिए मार्कण्डेय ने शिव जी से दीर्घायु का वरदान पाने के लिए शिव जी आराधना शुरू कर दी। मार्कण्डेय जी ने दीर्घायु का वरदान की प्राप्ति हेतु शिवजी की आराधना के लिए महामृत्युंजय मंत्र की रचना की और शिव मंदिर में बैठ कर इसका अखंड जाप करने लगे।

महामृत्युंजय मंत्र :
ऊँ त्र्यम्बकं स्यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम।
उर्वारुकमिव बन्धनान मृत्योर्मुक्षीय मामृतात

समय पूरा होने पर मार्कण्डेय के प्राण लेने के लिए यमदूत आए परंतु उन्हें शिव की तपस्या में लीन देखकर वे यमराज के पास वापस लौट आए.पूरी बात बताई। तब मार्कण्डेयके प्राण लेने के लिए स्वयं साक्षात यमराज आए। यमराज ने जब अपना पाश जब मार्कण्डेय पर डाला, तो बालक मार्कण्डेय शिवलिंग से लिपट गए। ऐसे में पाश गलती से शिवलिंग पर जा गिरा। यमराज की आक्रमकता पर शिव जी बहुत क्रोधित हुए और यमराज से रक्षा के लिए भगवान शिव प्रकट हुए। इस पर यमराज ने विधि के नियम की याद दिलाई। तब शिवजी ने मार्कण्डेय को दीर्घायु का वरदान देकर विधान ही बदल दिया। सा थ ही यह आशीर्वाद भी दिया कि जो कोई भी इस मंत्र का नियमित जाप करेगा वह कभी अकाल मृत्यु को प्राप्त नहीं होगा।

स्वामी, प्रकाशक : अली आदिल खान द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस डी 85 सेक्टर 8, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर 201301 से मुद्रित और एच 41 ए, अबुल फजल एनक्लेव, जामिया नगर, दक्षिण पूर्व दिल्ली 110025 से प्रकाशित। संपादक : अली आदिल खान
RNI No.: DELMUL/2012/47011 | Email:timesofpedia@gmail.com | समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार तथा समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे।